RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-11 अंक:223 ता. 01 मार्च 2023, बुधवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

शिवराज ने शराब वाली शर्तें मान उमा को किया खुश, फूलों की बारिश से हुआ स्वागत

भोपाल। मध्य प्रदेश में आबकारी नीति में बदलाव को लेकर अपनी पार्टी की सरकार के खिलाफ 20 महीने तक सियासी उठा पटक के बाद, उमा भारती ने 27 फरवरी को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के साथ अपने आवास पर मुलाकात की। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान श्यामला हिल्स स्थित भारती के आवास पर पहुंचे और वहां पुष्पवर्षा कर उनका स्वागत किया गया। उमा भारती को देखते ही मुख्यमंत्री श्री चौहान ने झुककर उनके चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लिया। नियंत्रित शराब बिक्री के लिए उमा भारती की कुछ मांगों और सुझावों को शामिल करने के बाद 20 फरवरी को 2023-24 के लिए आबकारी नीति को शिवराज कैबिनेट ने मंजूरी दे दी है। कैबिनेट ने शराब की दुकानों से सटे आहटों (सराय) में शराब पीने पर प्रतिबंध लगा दिया और दुकानों और शैक्षणिक संस्थानों के बीच की दूरी बढ़ा दी गई है। नई आबकारी नीति में किए गए संशोधनों से खुश उमा भारती ने 25 फरवरी को रवींद्र भवन में आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री चौहान के अभिनंदन की घोषणा की थी। हालांकि, सीधी में दुखद बस दुर्घटना के कारण, पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने चौहान और राज्य भाजपा प्रमुख वीडी शर्मा के अनुरोध पर कार्यक्रम स्थगित कर दिया गया था। जिसके बाद सोमवार 27 फरवरी को मुख्यमंत्री उमा भारती के घर पहुंचे। उमा भारती के आवास पर सीएम शिवराज का भव्य स्वागत किया गया। उन्होंने मुख्यमंत्री को माला पहनाई। उन पर पीले गेंदे के फूल की वर्षा की। मुख्यमंत्री शिवराज ने उमा भारती के पैर छूकर आशीर्वाद लिया। सूत्रों के मुताबिक, दोनों के बीच आगामी विधानसभा चुनावों में एकजुट रहने और सियासी समीकरणों पर संक्षिप्त बातचीत हुई।

कांग्रेस पर बरसे मोदी, खडगे के बहाने कर्नाटक की सहानुभूति बटोरी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राजनीतिक फ़ायदे लेने में माहिर हैं। वे चौबीस घंटे के राजनेता हैं। इसलिए नहीं कि कांग्रेस कच्ची है, बल्कि इसलिए कि मोदी ने ग़रीबी का वो स्वाद चखा है जिसमें चूल्हा फूंकने से लेकर जो कपड़ा पहना है उसी को धोकर वापस पहनने की मजबूरी तक शामिल हैं।

मोदी इसलिए महान नहीं हैं क्योंकि राहुल को जीवन की दुश्वारियाँ पता नहीं है या राहुल ये नहीं जानते कि रोटी बनती कैसे है? उसके लिए आटे की ज़रूरत होती है। और वो आटा कहाँ से आता है? या वो आटा बनता कैसे है? चक्की में पिसकर बनता है या सीधे खेत में ही उगता है? अगर खेत में ही उगता है तो उसमें पानी कहाँ से आता है? या वो पानी वाष्पित क्यों नहीं होता? फसलों तक पहुँचता कैसे है? मोदी इसलिए महान नेता हैं कि उन्होंने ग़रीबी भोगी है और रोटी के बनने की सारी प्रक्रिया को जिया है।

इस देश में वही नेता चल सकता है जिसे आम आदमी, गरीब की, पिछड़ों की, मजबूरियाँ पता हो। वह नहीं जिसे लिखे - लिखाए भाषण पढ़ने की आदत हो! दरअसल हम जिस चीज़ को खुद जीते नहीं, भुगतते नहीं, उस सब को लिखे

● मोदी इसलिए महान नहीं हैं क्योंकि राहुल को जीवन की दुश्वारियाँ पता नहीं है या राहुल ये नहीं जानते कि रोटी बनती कैसे है? उसके लिए आटे की ज़रूरत होती है।

हुए भाषण की तरह कितना भी पढ़ लें, वो भाव नहीं आता। आता भी है तो इस देश का आम आदमी उस भाव को आत्मसात् नहीं कर पाता। भोगे हुए, भुगते हुए आदमी के मन से चीजें जब निकलती हैं तो वह दुख या सुख बहुत कुछ अपना- सा लगता है।

यही फ़र्क़ है कांग्रेस और भाजपा में। यही फ़र्क़ है मोदी और राहुल गांधी में। इस फ़र्क़ को जब तक कांग्रेस नहीं पाटती, उसका कल्याण होना मुश्किल है। राहुल ने बीते दिन रायपुर में बड़ा भावुक बयान दिया। कहा- बावन सल हो गए, मेरे पास मेरा- अपना घर नहीं है। मोदी ने कर्नाटक जाकर दूसरे दिन राहुल की तमाम भावुकता या भोलेपन को धो दिया।

उन्होंने कहा- कर्नाटक के एक बेटे यानी मल्लिकार्जुन खडगे को कांग्रेस का अध्यक्ष बनाया गया है, लेकिन वे केवल नाम के अध्यक्ष हैं। रिमोट कंट्रोल किसके हाथ में है, सब जानते हैं। रायपुर में भी भरी दुपहरी में छाता किसके सर के लिए खुला, यह सबको पता है। कम से कम खडगे साहब के लिए तो नहीं ही खुला। इससे बात अच्छी तरह समझ आती है कि कांग्रेस में अध्यक्ष कोई भी बन जाए, रिमोट कंट्रोल किसके हाथ में होता है, कहने की ज़रूरत नहीं है।

कुल मिलाकर, कांग्रेस को भाजपा से मुक़ाबला करना है तो कोरी भावुकता से काम नहीं चलने वाला है। ज़मीन से जुड़ना पड़ेगा। ज और ज़मीन से जुड़ने के लिए कड़े संघर्ष की ज़रूरत होती है। वो करना ही होगा।

अवंतीपोरा में सुरक्षाबलों ने एक आतंकवादी को मार गिराया

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के अवंतीपोरा इलाके में रात भर जारी मुठभेड़ के दौरान सुरक्षा बलों ने एक आतंकवादी को मार गिराया।

आधिकारिक जानकारी के अनुसार आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में सूचना के बाद इस इलाके में घेराबंदी और तलाशी अभियान के दौरान पदगामपोरा में मुठभेड़ शुरू हो गई। एक सुरक्षा अधिकारी ने कहा, सेना, पुलिस और सीआरपीएफ की संयुक्त टीम जैसे ही संदिग्ध स्थान पर पहुंची, छिपे हुए आतंकवादियों ने स्वचालित हथियारों से गोलीबारी शुरू कर दी। इससे वहां मुठभेड़ शुरू हो गई, जिसमें एक आतंकवादी मारा गया। उन्होंने कहा कि मारे गए आतंकवादी की संबद्धता और पहचान अभी पता नहीं चल पाई है। पुलिस ने एक ट्वीट में कहा, मारे गए आतंकवादी का शव अभी तक बरामद नहीं किया जा सका है। मुठभेड़ अभी जारी है और आगे की जानकारी सामने आएगी।

रूस ने निभाया वादा, तीसरी एस-400 पहुंची भारत

नई दिल्ली। दुनिया में तीसरे विश्वयुद्ध की आशंका के बीच रूस ने भारत से अपनी मित्रता की एक और मिशाल पेश कर अपना वादा पूरा किया है। रूस ने स्क्वाड्रन-400 की तीसरी यूनिट भारत पहुंचा दिया है। इससे पाकिस्तान और चीन की तरफ से आने वाली मिसाइलों, विमानों, हेलिकॉप्टरों को मार गिराया जा सकता है। मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन से जारी युद्ध के बीच भारत को एस-400 की तीसरी स्क्वाड्रन भेजने का अपना वादा पूरा कर दिया है। यह स्क्वाड्रन सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल रक्षा प्रणाली है। वर्ष 2018 में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने वर्ष के 2023 के अंत तक भारत को पांच एस-400 स्क्वाड्रन देने के लिए 5.43 बिलियन डॉलर का अनुबंध किया था। इसके

मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन से जारी युद्ध के बीच भारत को एस-400 की तीसरी स्क्वाड्रन भेजने का अपना वादा पूरा कर दिया है। यह स्क्वाड्रन सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल रक्षा प्रणाली है।

तहत अब तक तीन एस-400 भारत को दे चुकी है। इससे पहले दिसंबर 2021 में पहली एस-400 भारत को मिली थी, इसे पठानकोट में पाकिस्तान सीमा पर तैनात किया गया है। इसके बाद दूसरी एस-400 अप्रैल 2022 में भारत आई थी। इस उत्तरी पूर्व में चीन सीमा के पास सिलीगुड़ी में तैनात किया गया है। माना जा रहा है रूस से मिली तीसरी एस-400 यूनिट पंजाब या राजस्थान में पाकिस्तान सीमा के आसपास तैनात किया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि रूस की एस-400 मिसाइल सिस्टम की एक रेजीमेंट में आठ ट्रक लॉन्चर होते हैं। हर ट्रक में चार लॉन्चर लगे होते हैं। एक बार में चार मिसाइलें दागीं जा सकती है। इस तरह से एक रेजीमेंट में 32 मिसाइलें होती हैं। भारत के पास ऐसे तीन रेजीमेंट होने से देश की राजधानी दिल्ली और सीमाओं की सुरक्षा मजबूत हो जाएंगी। इससे चार सौ किलोमीटर तक का लक्ष्य भेदा जा सकता है।

जी-20 की डब्ल्यू-20 बैठक संपन्न

छत्रपति संभाजीनगर। महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में जी-20 शिखर सम्मेलन की डब्ल्यू20 बैठक में भाग लेने के लिए 19 देशों और 15 अंतरराष्ट्रीय संगठनों से आये सभी प्रतिनिधि आज सुबह हेरिटेज टूर के लिए यहां पहुंचे। स्थानीय नगर निगम ने डब्ल्यू20 के समापन दिवस के अवसर यह टूर आयोजित किया है।

वे हर्सुल टी पॉइंट और ताज होटल के रास्ते दिल्ली गेट, रंगिन गेट, काला दरवाजा, नवबत दरवाजा, भड़कल गेट, बारापुला गेट जाएंगे। बारापुला गेट से बीबी का मकबरा जाने के रास्ते में औरंगाबाद की गुफाएं भी उन्हें दिखाई गईं और गुफाओं से लौटने के बाद उन्हें बीबी-का-मकबरा दिखाया जाएगा।

हेरिटेज टूर से लौटने के बाद प्रातः काल के विषय पर विशेष सत्र होगा

महिलाओं के नेतृत्व वाली विकास नीति और कानूनी ढांचे के विषयों पर चर्चा की जाएगी।

उसके बाद कार्यदल और प्रतिनिधियों की बैठक के बाद दोपहर में सभी प्रतिनिधि शहर से करीब 35 किमी दूर विश्व प्रसिद्ध एलोरा की गुफाओं का भ्रमण करेंगे। इसके बाद शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रम के बाद इस समागम का समापन हो जाएगा।

2025 में होने वाले महाकुम्भ के लिए अप्रैल से सजने लगेगा प्रयागराज, ये सड़कें होंगी चौड़ी

प्रयागराज। प्रयागराज में कुम्भ मेला 2025 के लिए निर्माण कार्य 15 मार्च के बाद शुरू होंगे। मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने सोमवार को सर्किट हाउस में हुई एपेक्स कमेटी की बैठक में कुंभ के लिए तैयार 50 बड़ी परियोजनाओं में से 38 परियोजनाओं को स्वीकृति दे दी। इन 38 परियोजनाओं पर 896 करोड़ रुपये व्यय होंगे। मुख्य सचिव ने मेडिकल कॉलेज की 12 परियोजनाओं को पुन परीक्षण के लिए रोक दिया। इन परियोजनाओं पर 51.5 करोड़ रुपये के बजट का प्रस्ताव था। ऐसा इसलिए किया गया क्योंकि मेडिकल कॉलेज के अफसर इन कार्यों का औचित्य स्पष्ट नहीं कर सके। ऐसे में मुख्य सचिव ने निर्देश दिया कि एक हफ्ते में इसे ठीक से देखकर बताएं कि इन कार्यों का औचित्य क्या है। बैठक के दौरान मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य से पूछा गया कि किचन बना रहे हैं तो इसका औचित्य क्या है। केवल भवन बनाने से काम नहीं चलेगा। परियोजना की पूरी प्लानिंग प्रस्तुत करने को कहा गया। मुख्य सचिव ने निर्देश दिया है कि सभी विभागों से प्रस्ताव मिलने के बाद 15 मार्च तक शासनादेश जारी किया जाए। जिससे काम तत्काल शुरू कराया जा सके। दो साल के लिए प्रोजेक्ट मैनेजमेंट यूनिट भी गठित होगी। जिससे संसाधनों की कमी न हो। बैठक में मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत ने शहर में स्वच्छता व यातायात समस्याओं के निराकरण के लिए इंदौर से प्रेरणा लेते हुए महाकुम्भ 2025 से पहले प्रयागराज को और स्वच्छ बनाने का आश्वासन दिया। बैठक में कुम्भ मेलाधिकारी विजय किरन आनंद, डीएम संजय कुमार खत्री, मेलाधिकारी अरविंद सिंह चौहान सहित सभी अफसर मौजूद रहे।

24 मीटर होगी इन सड़कों की चौड़ाई

नए यमुना पुल से डीपीएस स्कूल तक अरैल बांध रोड, पुराने यमुना पुल से लेप्रोसी चौराहे तक, चंद्रशेखर आजाद पार्क गेट नंबर छह से संगम पेट्रोल पंप क्रासिंग सोहबतियाबाग तक, लेप्रोसी चौराहा से नैनी रेलवे स्टेशन तक, नैनी रेलवे स्टेशन से प्रयागराज मिर्जापुर राष्ट्रीय राजमार्ग तक, प्रयागराज मिर्जापुर राष्ट्रीय राजमार्ग होते हुए सीओडी क्रासिंग, झूंसी स्थित कटका तिराहा से झूंसी बस स्टैंड तिराहा तक, झूंसी बस स्टैंड तिराहा से गंगा तट तक सभी सड़कों की चौड़ाई 24 मीटर की जाएगी।

18 मीटर की होंगी ये सड़कें

स्वरूप रानी नेहरू चिकित्सालय से महात्मा गांधी मार्ग तक, फाफामऊ पुल से गंगा नदी की ओर जाने वाले मार्ग (बेला कछार पार्किंग रोड) तक, पुराने यमुना पुल के नीचे की सड़क, छिवकी रेलवे स्टेशन गेट-2 से सीओडी क्रासिंग तक, ईसीसी कालेज से नूरूल्ला रोड तक, आईईआरटी कॉलेज से सदियाबाद सलोरी, अमिताभ बच्चन पुलिया कैलाशपुरी व गोविंद सब्जी मंडी होते हुए तेलियरगंज चौराहे तक की सभी सड़कों की चौड़ाई 18 मीटर की जाएगी।

मैं ईसाई हूं पर हिंदुत्व में भी भरोसा, इस धर्म को कमजोर न करो; क्यों बोले एससी के जज जोसेफ

नई दिल्ली। देश भर में कई शहरों, स्मारकों आदि के नाम बदलने के लिए आयोग गठित करने की मांग वाली याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया है। यही नहीं इस दौरान बेंच ने याचिकाकर्ता अश्विनी उपाध्याय को यह सीख भी दी कि वह ऐसे सवाल उठाकर हिंदुत्व के अर्थों को कमजोर न करें। याचिकाकर्ता ने अपनी अर्जी में कहा था कि कई शहरों के नाम आज भी मुस्लिम आक्रांताओं के ऊपर हैं। इन नामों को बदलना चाहिए और प्राचीन नाम रखे जाने चाहिए। इससे लोगों के दिमाग से आक्रांताओं की यादें धूमिल होंगी और देश की संस्कृति के प्रति गौरव बढ़ेगा। इस पर जस्टिस जोसेफ ने कहा कि आप इतिहास के किसी हिस्से को कैसे मिटा सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह सच है कि भारत में विदेशी लोगों ने आक्रमण किया था और उनका शासन रहा, लेकिन उस हिस्से को झुठला तो नहीं सकते। वह भी एक इतिहास ही है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि पिछला इतिहास वर्तमान और आने वाली पीढ़ियों को प्रभावित करे। यही नहीं आक्रांताओं के नाम पर स्थान और स्मारकों के नाम होने से हिंदू संस्कृति के प्रभावित होने के सवाल पर भी जस्टिस जोसेफ ने कहा कि हिंदू धर्म बहुत उदार है और वृहद है। वह सभी को अपने में समाहित कर लेता है और किसी से प्रभावित नहीं होता। उन्होंने कहा कि हिंदुत्व एक

जीवनशैली है और भारत सेक्युलर देश है।

वेद, गीता और उपनिषदों का कोई मुकाबला नहीं

यही नहीं हिंदुत्व के जिक्र पर जस्टिस जोसेफ ने अपनी निजी आस्था का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, हिंदू धर्म के ग्रंथ वेद, उपनिषद और भगवद् गीता में जिन मूल्यों का जिक्र है, उनका कोई मुकाबला नहीं है। कोई भी इनके अर्थ को कमजोर नहीं कर सकता। हमें अपनी महानता और उदारता को समझना होगा। दुनिया भारत की ओर इतिहास में देखती रही है और आज भी उसकी हम पर नजर है। मैं ईसाई हूं, लेकिन हिंदुत्व में भी उतनी ही रुचि और आस्था रखता हूं। मैं हिंदुत्व की महानता को समझने का प्रयास करता हूं।

यह तो सच है कि आक्रांताओं ने हमले किए और उनका शासन रहा

इस दौरान याची अश्विनी उपाध्याय ने कहा कि शक्तिपीठों की पवित्रता भी भंग की गई है। उनके नाम भी मुस्लिम आक्रांताओं पर रख दिए गए। इस पर जस्टिस जोसेफ ने कहा, भारत के इतिहास का यह तथ्य है कि यहां आक्रांताओं ने अटैक किए और देश पर शासन किया। फिर भी हम इतिहास की बातों को लेकर वर्तमान और भविष्य तो खराब नहीं कर सकते। क्या आज देश में कोई अन्य समस्याएं नहीं हैं। हमें पहले उन चीजों के समाधान खोजने चाहिए, जो वर्तमान में हैं और हमारे सामने समस्याएं पैदा कर रहे हैं।

पूरे 50 दिनों बाद अपने डेस्टिनेशन पहुंचा दुनिया का सबसे लंबा क्रूज एमवी गंगा विलास, खत्म हुई यात्रा

डिब्रूगढ़। नदी में चलने वाला दुनिया का सबसे बड़ा क्रूज एमवी गंगा विलास वाराणसी से रवाना होने के 50 दिनों बाद मंगलवार को डिब्रूगढ़ पहुंच गया और इसकी यात्रा पूरी हो गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तर प्रदेश के शहर वाराणासी में 13 जनवरी को इस क्रूज को झंडी दिखाकर रवाना किया था। क्रूज ने यात्रा के दौरान उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल और असम जैसे पांच राज्यों को पार किया। इसने बांग्लादेश की राजधानी ढाका के रास्ते 17 फरवरी को असम में प्रवेश किया। गंगा विलास ने 27 नदी प्रणालियों में 3,200 किलोमीटर का सफर पूरा किया। यात्रा के दौरान क्रूज पर सवार पर्यटकों ने 50 पर्यटन स्थलों को देखा जिसमें विश्व स्तरीय धरोहर स्थल, राष्ट्रीय पार्क, नदी घाट और पटना, साहिबगंज (झारखंड), कोलकाता, ढाका तथा गुवाहाटी जैसे बड़े शहर शामिल हैं। क्रूज पर सवार स्विट्जरलैंड और अन्य जगह से आये पर्यटकों का केंद्रीय पत्तन, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल, केंद्रीय राज्य मंत्री श्रीपद येसो नाईक और श्रम एवं रोजगार, पेट्रोलियम तथा प्राकृतिक गैस विभाग के केंद्रीय राज्य मंत्री रामेश्वर तेली ने स्वागत किया। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक इस आलीशान क्रूज में तीन डेक हैं और इस पर 18 सूइट हैं जिसमें 36 पर्यटक रह सकते हैं।

लालू से डर रहे हैं पीएम मोदी, इसकारण वे हमें बाधना चाहते : राबड़ी देवी

-आईआरसीटीसी घोटाला मामले में समन

पटना। आईआरसीटीसी घोटाला यानी जमीन के बदले रेलवे में नौकरी देने के मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट ने लालू यादव, राबड़ी देवी, मीसा भारती सहित 14 आरोपियों को समन जारी किया है। कोर्ट की कार्रवाई पर बिहार की पूर्व सीएम और लालू की पत्नी राबड़ी देवी ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। राबड़ी देवी ने कहा, बिहार में पीएम नरेंद्र मोदी लालू यादव से डर रहे हैं, इसलिए वे हमें बाधना चाहते हैं। लेकिन हम लोग डरने वाले नहीं हैं। राबड़ी ने कहा, पीएम मोदी सभी को भगा रहे हैं। उन्होंने नीरव मोदी को भगाया। जब राबड़ी से सीबीआई, ईडी की कार्रवाई को लेकर सवाल हुआ, तब उन्होंने बताया कि बिहार में लालू से डर रहे हैं। इसकारण पीएम मोदी हमें बांधाना चाहते हैं। हम न बंधने वाले हैं, न भागने वाले हैं। 30 साल से हमें परेशान किया जा रहा है, हम झेल ही रहे हैं, आगे भी झेलने वाले हैं। आईआरसीटीसी घोटाला मामले में कोर्ट ने लालू यादव, राबड़ी देवी, मीसा भारती सहित 14 आरोपियों को समन जारी कर 15 मार्च को कोर्ट में पेश होने के लिए कहा है। ये समन उस वक्त पर जारी हुआ है, जब लालू सिंगापुर से हाल ही में गुर्दा बदलवाकर स्वदेश लौटे हैं। रेलवे में नौकरी के बदले रिश्वत में जमीन लेने के आरोपों की जांच कर रही सीबीआई ने इस मामले में चार्जशीट दाखिल कर दी है। मामले में लालू यादव के करीबी व पूर्व विधायक भोला यादव और हृदयानंद चौधरी भी अभियुक्त हैं।

जिलाधिकारी के निर्देश पर कोविड से अनाथ बच्चे को मिला पैतृक संपत्ति में अधिकार

लखनऊ। नौ साल का एक कोविड अनाथ अपनी पैतृक संपत्ति वापस पाने में कामयाब हो गया है। उसकी संपत्ति पर रिश्तेदारों ने कब्जा कर लिया था। लखनऊ के जिलाधिकारी (डीएम) सूर्यपाल गंगवार ने अधिकारियों को बच्चे के नाम पर संपत्ति दर्ज करने का आदेश दिया है। उन्होंने अधिकारियों से बच्चे की स्कूली शिक्षा और उसके लिए वित्तीय सहायता के लिए आवश्यक व्यवस्था करने को भी कहा है। बच्चा श्लोक कुमार अपनी चाची विनीता के साथ डीएम के पास गया और उन्हें सूचित किया कि उसके नाना मिश्री लाल की मृत्यु के बाद जिसने बच्चे के नाम पर संपत्ति छोड़ दी थी, उस पर मिश्री लाल के छोटे भाई कैलाश ने कब्जा कर लिया है। कोविड के दौरान श्लोक ने अपनी मां विजयलक्ष्मी को खो दिया था, जबकि उनके पिता दीपक कुमार का भी लंबी बीमारी के कारण निधन हो गया था। बच्चा मिश्री लाल के पास रह रहा था। मिश्री लाल की मौत के बाद बच्चे को नायपर रोड की लाल कॉलोनी स्थित उसके नाना के घर से निकाल दिया गया। डीएम ने कहा मिश्रीलाल ने श्लोक के नाम पर संपत्ति छोड़ी थी, इसलिए कोई कारण नहीं है कि किसी और को उसका मालिक होना चाहिए। उन्होंने घर का कब्जा तुरंत सुनिश्चित करने के लिए परियोजना अधिकारी डूडा को निर्देश दिए हैं। बच्चे के 18 वर्ष की आयु प्राप्त करने तक घर का संरक्षक पीओ डूडा होगा। उन्होंने कहा, आपदा राहत कोष के तहत, 50 हजार रुपये की राशि बच्चे के बैंक खाते में स्थानांतरित की जाएगी, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (कोविड) के तहत 4 हजार रुपये प्रति माह और बच्चों के लिए पीएम केयर के तहत 10 लाख रुपये की राशि भी दी जाएगी।

म्यांमार की शरणार्थी महिला से दिल्ली में गैंगरेप

नई दिल्ली। दिल्ली के कालंदीकुंज इलाके में म्यांमार मूल की एक महिला से गैंगरेप की घटना सामने आई है। सड़क पर खड़ी इस महिला को ऑटो ड्राइवर अगवा कर अपने साथ एक कमरे में ले गया, जहां चार लोगों ने उसके साथ मारपीट की और बारी-बारी से रेप किया। इस वारदात के बाद उसे एक अनजान जगह पर छोड़ दिया गया। इसके बाद पीड़िता ने पुलिस से इसकी शिकायत की। पुलिस ने उसके बयान के आधार पर गैंगरेप, किडनैपिंग, मारपीट और धमकी देने की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। इस मामले में अब तक किसी की गिरफ्तारी नहीं की गई है। पुलिस को दिए बयान में 21 साल की पीड़ित महिला ने बताया वह विकासपुरी एरिया में अपने पति और डेढ़ साल की बेटी के साथ रहती है। मूलरुप से म्यांमार की रहने वाली पीड़िता रजिस्टर्ड रिफ्यूजी है। पिछले महीने से इस महिला को पेट में कोई दिक्कत थी, जिसका इलाज कराने के लिए वह 22 फरवरी को पति व बेटी के साथ एक डॉक्टर के पास कंचन कुंज आई थी। यहां से फ्री होने के बाद रात करीब साढ़े नौ बजे वे घर जाने के लिए गेट नंबर एक मेट्रो स्टेशन कालंदी कुंज पहुंचे। पति सड़क पार कर टॉयलेट के लिए चले गए। तभी उसके नजदीक एक ऑटो आकर रुका। ड्राइवर ने बाहर निकलकर उसके मुंह पर कपड़ा लगाया और बच्चे समेत जबरन ऑटो के अंदर बिठा दिया। वह कुछ देर बाद पूरी तरह से होश में आई तो उसने खुद को एक कमरे में बंद पाया। उस कमरे में चार युवक थे, जहां इन लोगों ने उसके साथ मारपीट की और एक एक कर सबने जबरन शारीरिक सम्बंध बनाए। अगले दिन 23 फरवरी की रात को उन लोगों ने एक कार में बिठाकर अनजान जगह पर छोड़ दिया। वहां उसे दो सरदार मिले, जो उसे अपने घर ले गए और खाना खिलाया। यहां महिला ने सरदार की पत्नी को अपना यूएन कार्ड दिखाया, जिसके बाद वे उसे अपनी गाड़ी से घर के पास छोड़कर गए। इसके बाद पीड़ित महिला ने मामले की सूचना पुलिस को दी।

लड़की का हाथ पकड़कर प्यार का इजहार करना छेड़छाड़ नहीं : बांबे हाईकोर्ट

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने एक रिक्शा चालक को यह कहकर अग्रिम जमानत दे दी कि लड़की का हाथ पकड़कर उससे अपने प्यार का इजहार करना छेड़छाड़ नहीं है। रिक्शा चालक पर नाबालिग लड़की ने उसका हाथ पकड़कर छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया था। एकल-न्यायाधीश न्यायमूर्ति भारती डांगरे ने अपने आदेश में कहा कि आरोपी धनराज का नाबालिग लड़की की लज्जा भंग करने या उसका यौन उत्पीड़न करने का कोई इरादा नहीं था और इस तरह कोई मामला प्रथम दृष्टया नहीं बनता। यह मामला 1 नवंबर, 2022 का है, जब पीड़िता के पिता ने अपनी 17 साल की बेटी के यौन उत्पीड़न करने के प्रयास के आरोप में पुलिस में मुकदमा दर्ज कराया था। एफआईआर के मुताबिक, आरोपी धनराज बाबूसिंह राठौड़ ने उनकी 17 वर्षीय बेटी का यौन उत्पीड़न करने का प्रयास किया और यहां तक कि उसका हाथ पकड़कर उसका शील भंग किया। पीड़िता के पिता के अनुसार, आरोपी उसके परिवार को जानता था क्योंकि वह उनके आसपास रहता था। वह एक ऑटो रिक्शा चलाता है और पीड़िता कई बार अपने स्कूल और ट्यूशन सेंटर तक जाने के लिए उसी में यात्रा करती थी। आरोपी की तरफ से कोर्ट में बताया गया कि घटना के दिन, आरोपी ने उसे रोका और उसे अपने रिक्शा में यात्रा करने के लिए मनाया था, लेकिन उसने इनकार कर दिया। फिर उसने पीड़िता का हाथ पकड़ा, उससे अपने प्यार का इजहार किया और जोर देकर कहा कि वह उसके ऑटो में बैठ जाए ताकि वह उसे घर छोड़ सके। हालांकि, लड़की मौके से भाग गई और पिता को पूरी बात बताई जिसके बाद राठौड़ के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई। तथ्यों को देखने के बाद न्यायमूर्ति डांगरे ने आरोपी पर लगे छेड़छाड़ के आरोपों को निराधार बताया और उसे अग्रिम जमानत दे दी। पीठ ने 10 फरवरी को पारित आदेश में कहा लगाए गए आरोपों से यह देखा जा सकता है कि प्रथम दृष्टया यह यौन उत्पीड़न का मामला नहीं है क्योंकि आरोपी ने किसी यौन इरादे से उसका हाथ नहीं पकड़ा था।

एक चुनाव खत्म, अगले की तैयारी में जुटी भाजपा, पी नड्डा-अमित शाह ने इस राज्य के लिए बनाई रणनीति

नई दिल्ली (एजेंसी)। त्रिपुरा नगालैंड और मेघालय में हुए विधानसभा चुनाव के परिणाम गुरुवार को आएंगे। इन राज्यों में अपनी ताकत दिखाने के बाद भाजपा अपनी अगली रणनीति की तरफ बढ़ चुकी है। तेलंगाना में इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा अपनी तैयारियों में जुट गई है। भाजपा लगातार तेलंगाना में अपनी ताकत बढ़ाने की कोशिश कर रही है। इसी कड़ी में आज तेलंगाना को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता अमित शाह की मौजूदगी में एक बड़ी बैठक हुई है। यह बैठक के पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की आवास पर हुई। इस बैठक में तेलंगाना इकाई के कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। इस बैठक में तेलंगाना में होने वाले चुनाव को लेकर रणनीति तैयार की गई है तथा पार्टी के अभियान को किस तरीके से धार देनी है, इस पर भी चर्चा हुई है। हालांकि, इसको लेकर कोई आधिकारिक बयान अब तक नहीं आया है।

भाजपा तेलंगाना में के चंद्रशेखर राव की सरकार के खिलाफ जमीनी लड़ाई लड़ रही है। इसके अलावा भाजपा की ओर से दिल्ली शराब घोटाले मामले में केसीआर की बेटी कविता का नाम आने के बाद से भी इस मुद्दे को तेलंगाना में खूब तूल दिया जा रहा है। भाजपा को इस बात की भी आशंका है कि के चंद्रशेखर राव प्लान के तहत विधानसभा चुनाव पहले करा सकते हैं। इसलिए पार्टी अभी सही वहां संगठन पर विशेष ध्यान दे रही है। 28 फरवरी तक तेलंगाना में पार्टी की ओर से कई बड़े लक्ष्य तय किया गया था। उन लक्ष्यों की पूर्ति कितनी हो पाई है ,इसको लेकर भी आज के बैठक में चर्चा हुई है। इस बैठक में पार्टी के प्रभारी महासचिव सुनील बंसल, केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी प्रदेश अध्यक्ष संजय बांडी सहित कई बड़े नेता मौजूद रहे।

लोकसभा सांसद कुमार राज्य में मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के नेतृत्व वाली सरकार को निशाना बनाने के लिए एक पदयात्रा का नेतृत्व कर रहे हैं। यह बैठक सीबीआई द्वारा दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को कथित शराब घोटाले के मामले में गिरफ्तार किए जाने के बाद हो रही है। भाजपा ने दावा किया है कि बीआरएस सांसद के कविता भी इस घोटाले में शामिल हैं। सीबीआई ने इस मामले में हैदराबाद के एक चार्टर्ड अकाउंटेंट को गिरफ्तार किया है। भाजपा ने आरोप लगाया है कि कविता के साथ उसके संबंध हैं।

कोरोना के बाद एडिनो वायरस बना सरदर्द, दो माह में प. बंगाल में 15 बच्चों से अधिक बच्चों की मौत

नई दिल्ली। कुछ समय से लोग अचानक बीमार पड़ रहे हैं। खांसी का दौर हफ्तों तक रहता है। जैसे ही ठीक होते हैं, फिर बीमार पड़ जाते हैं। घर के एक सदस्य के बीमार होते ही पूरा परिवार बीमार हो रहा है। इस गुमनाम वायरस को लेकर सोशल मीडिया पर लोगों ने चिंता जाहिर की है। लोग पूछ रहे है कि इस बदलते मौसम में यह गुमनाम बीमारी क्या है?

कोरोना के बाद देश के लोगों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता काफी बढ़ी है। ऐसे में अगर खांसी कई हफ्तों तक ठीक नहीं होती है तो टेंशन होना जायज है। उधर पश्चिम बंगाल में कोविड के बाद एडिनोवायरस सबसे बड़ा सिरदर्द में बनता जा रहा है। एडिनोवायरस से ज्यादातर पांच साल तक के बच्चे संक्रमित हो रहे हैं। दो महीने में राज्य में एडिनोवायरस से 15 बच्चों से अधिक बच्चों की मौत हो चुकी है। एडिनोवायरस के लक्षणों में बुखार, सर्दी और सांस लेने में तकलीफ होना शामिल है। डॉक्टरों का कहना है मौसम बदल रहा है। सुबह और शाम हल्की ठंड, तो दोपहर में गर्मी महसूस हो रही है। ऐसे में जो लोग दोपहर को बाहर से आते हैं, वह घर आते ही पंखा चला लेते हैं जो बदलते मौसम में बीमारी की सबसे बड़ी वजह है।

डिजिटल क्रांति का लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुंचे, यहां हमारी कोशिश: पीएम मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि लोग सरकार को नए अवसरों के उत्प्रेरक के रूप में देखते हैं, न कि बाधा के रूप में। पीएम मोदी ने ईज ऑफ लिविंग यूजिंग टेक्नोलॉजी पर बजट के बाद के वेबिनार को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की। आज सरकार की नीतियों और फैसलों का सकारात्मक प्रभाव दिखाई दे रहा है। जहां इसकी सबसे ज्यादा जरूरत है, प्रधानमंत्री ने कहा, सरकार और लोगों के बीच विश्वास की कमी गुलामी की मानसिकता का परिणाम है।

पिछली सरकारों की प्राथमिकताओं में विरोधाभासों को उजागर कर, उन्होंने याद किया कि कैसे लोगों का एक विशेष वर्ग हमेशा सरकार के हस्तक्षेप की तलाश में रहता था और उम्मीद करता था कि यह लोगों के लिए अच्छा करेगा। पीएम मोदी ने कहा कि उनका पूरा जीवन इन सुविधाओं के अभाव में बीता। उन्होंने लोगों के एक अन्य वर्ग पर भी प्रकाश डाला, जो आगे बढ़ना चाहता था, लेकिन सरकारी हस्तक्षेप से उत्पन्न दबाव और बाधाओं से नीचे खींच लिया गया था। पीएम मोदी ने कहा कि नागरिक अब सरकार को अपने विचार बता सकते हैं और उनका समाधान तुरंत प्राप्त कर सकते हैं, क्योंकि सरकार ने भारत में एक आधुनिक डिजिटल बुनियादी ढांचा तैयार किया है।

हमारी सरकार यह सुनिश्चित कर रही हैं, कि डिजिटल क्रांति का लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि देश को समाज के साथ विश्वास को मजबूत करने के लिए वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं से सीखने की जरूरत है। पीएम मोदी ने बताया कि कैसे प्रौद्योगिकी की भूमिका ने वन नेशन वन राशन कार्ड और जेएएम (जन धन-आधार-मोबाइल) ट्रिनिटी, आरोग्य सेतु और कोविन ऐप, रेलवे आरक्षण और सामान्य सेवा केंद्रों की तरह जीवन को आसान बना दिया है। उन्होंने सरकार के साथ संचार में आसानी के बारे में लोकप्रिय भावना पर प्रकाश डाला, क्योंकि बातचीत आसान हो गई है और लोगों को त्वरित समाधान मिल रहे हैं। उन्होंने आयकर प्रणाली से संबंधित शिकायतों के फेसलेस समाधान का उदाहरण दिया। अब आपकी शिकायतों और निवारण के बीच कोई व्यक्ति नहीं है, बस तकनीक है।

नीतिश के मंत्री के बिगड़े बोल, रामायण में थोड़ा कूड़ा-कचरा है, उसे साफ करने की जरूरत

- जदयू विधायक ने कहा, शिक्षा मंत्री का मानसिक संतुलन बिगड़ गया

पटना (एजेंसी)। रामचरितमानस पर बिहार के शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर ने फिर विवादित बयान दिया है। उन्होंने कहा कि रामायण में थोड़ा कूड़ा-कचरा है, उस साफ करने की जरूरत है। इससे पहले भी वह रामचरितमानस को नफरत फैलाने और समाज को बांटने वाला ग्रंथ बता चुके हैं। शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर लगातार अपने बयान पर कायम है। इस मुद्दे पर महागठबंधन में भी घमासान मचा है। वहीं जेडीयू के विधायक संजीव सिंह ने कहा कि शिक्षा मंत्री का मानसिक संतुलन बिगड़ गया है।

मंत्री चंद्रशेखर ने फिर हिंदू धर्म ग्रंथ रामचरितमानस पर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि वे अपने पहले वाले बयान पर कायम हैं। रामचरितमानस में कई दोहे हैं जिनपर वे आगे भी सवाल खड़े करते रहूंगा।

शिक्षा मंत्री ने कहा कि शूद्र अब पढ़-लिख गया है। पहले वह अनपढ़ था। उसके बारे में कही गई अपमानजनक बातों को भी वह सम्मान समझता था। मगर अब वह पढ़ लिख गया है तब शास्त्र का अर्थ समझ सकता है। अब वह अपमानजनक बातों को अमृत कैसे मान ले? चंद्रशेखर ने कहा कि राम मनोहर लोहिया ने भी रामायण के कचरे को हटाने के लिए कहा था। मैं लोहिया या बाबा साहेब अंबेडकर से बड़ा नहीं हूं। बता दें कि चंद्रशेखर नीतीश सरकार में आरजेडी कोटे से शिक्षा मंत्री हैं। वहीं जेडीयू के विधायक सिंह ने बयान पर आपत्ति जाहिर की हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा मंत्री को मेंटल डिसऑर्डर है। उन्हें कुछ समझ नहीं आता है और बकबक करते रहते हैं। अगर उन्हें अपने धर्म से दिक्कत है, तब धर्म परिवर्तन कर लें।

गेम चेंजर साबित होगा भारत-ईयू व्यापार समझौता : जयशंकर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि भारत-यूरोपीय संघ (ईयू) मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) गेम चेंजर साबित होगा। उन्होंने कहा कि व्यापार समझौतों के लिए भारत का नया दृष्टिकोण गुणवत्ता को महत्व देता है। उन्होंने कहा कि भारत के निकट भविष्य में विकास जारी रखने वाली एकमात्र प्रमुख अर्थव्यवस्था होने की उम्मीद है। जयशंकर ने कहा, भारत और यूरोपीय संघ बहु-ध्रुवीय, भू-राजनीतिक और सुरक्षा चिंताओं में विश्वास करते हैं। उन्होंने कहा, हम निर्धारित समय सीमा से पहले ही अपने स्थायी लक्ष्यों तक पहुंच जाएंगे।

केंद्र ने हाल के वर्षों में भारत और यूरोपीय संघ की साझेदारी के भविष्य में बहुत सारे संसाधनों का निवेश किया है और आने वाले दिनों में और अधिक प्रगति देखने वाले हैं। जयशंकर ने श्रोताओं को सूचित किया कि भारत आज 100 से अधिक यूनिकॉर्न का दावा कर सकता है, इनमें से अधिकांश प्रौद्योगिकी क्षेत्र में हैं। मंत्री जयशंकर ने कहा, भारत दुनिया के विकास इंजनों में से एक बना रहेगा। स्वच्छ ऊर्जा और हरित संक्रमण यूरोपीय संघ भारत की साझेदारी के लिए आवश्यक है। उन्होंने कहा कि हरित परिवर्तन हमारे सतत लक्ष्यों के मूल में है और जी20 के लिए हमारे एजेंडे में निहित है।

भारत को एक वैश्विक वाहन विनिर्माण केंद्र बनाने में जुटी मोदी सरकार: गडकरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। मोदी सरकार भारत को एक वैश्विक वाहन विनिर्माण केंद्र बनाने की दिशा में जुट हुई है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने जयपुर में टाटा मोटर्स की वाहन कबाड़ सुविधा का वर्चुअल तरीके से उद्घाटन करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि निकट भविष्य में घरेलू वाहन उद्योग 15 लाख करोड़ रुपए का होगा। गडकरी ने कहा कि वाहन उद्योग फिलहाल देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 7.1 प्रतिशत का योगदान देता है। उद्योग का आकार अभी 7.8 लाख करोड़ रुपए है।

गडकरी ने कहा, ''वाहन क्षेत्र प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से करीब चार करोड़ लोगों को रोजगार देता है। यह आंकड़ा 2025 तक बढ़कर पांच करोड़ होने की उम्मीद है। मैं देश को दुनिया का पहले नंबर का वाहन विनिर्माण केंद्र बनाने पर काम कर रहा हूं। भविष्य में इस उद्योग का आकार 15 लाख करोड़ रुपए का होगा। वहीं गडकरी ने कहा कि वाहन कबाड़ नीति से पुराने वाहनों को हटाने और चरणबद्ध तरीके से कम प्रदूषण वाले नए वाहनों को लाने में मदद मिली है।

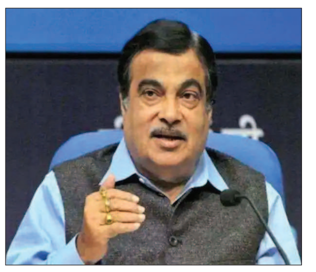

उन्होंने कहा, ऐसा अनुमान है कि कबाड़ नीति से वाहनों की जो मांग पैदा होगी उससे सरकार को 40,000 करोड़ रुपए का अतिरिक्त माल एवं सेवा कर (जीएसटी) राजस्व मिलेगा। नई कारों के लिए कच्चे माल की लागत 30 प्रतिशत घटेगी। उन्होंने बताया कि भारत अभी सालाना 80 लाख टन कबाड़ इस्पात का आयात करता है। गडकरी ने कहा, करीब 50-60 कबाड़ केंद्रों से इस्पात कबाड़ की आयात मांग घटेगी और भारत इस क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन सकेगा।

कश्मीरी पंडित की हत्या करने वाला आंतकी ढेर, सेना ने मुठभेंड में मार गिराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। पुलवामा में कश्मीरी पंडित संजय शर्मा की हत्या करने वाले आतंकवादी को दो दिन के अंदर सुरक्षा बलों ने ढेर कर दिया है। आतंकवादियों से लंबी चली मुठभेड़ के बाद सुरक्षाबलों ने आकिब मुस्ताक नाम के आतंकी को ढेर किया। हिज्बुल मुजाहिदीन से जुड़ा रहा यह आतंकी इन दिनों टीआरएफ नाम के दहशतगर्त संगठन के तहत काम कर रहा था। जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले के अवंतीपुरा में संयुक्त बलों और आतंकवादियों के बीच झड़प हुई। सूत्रों के मुताबिक, मंगलवार सुबह हुई झड़प में एक आतंकी मारा गया। आतंकियों की ओर से की गई फायरिंग में दो जवान भी घायल हो गए। सोमवार से मंगलवार रात के बीच सेना ने अवंतीपुरा में आतंकियों के बीच हुई मुठभेड़ के बारे में जानकारी दी थी। बाद में कश्मीर पुलिस ने भी एक आतंकी के मारे जाने को लेकर ट्वीट किया था। सेना के सूत्रों के मुताबिक, ऑपरेशन अब भी जारी है और मारे गए आतंकवादी का शव अभी तक बरामद नहीं हुआ है। सेना के अधिकारी ने दावा किया कि तकनीकी खुफिया जानकारी के आधार पर आतंकवादियों के ठिकाने की पहचान की गई। 26 फरवरी को पुलवामा में आतंकवादियों ने एक कश्मीरी छात्र की हत्या कर दी थी। एक कश्मीरी छात्र संजय शर्मा को उसके घर से 100 मीटर की दूरी पर आतंकवादियों ने गोली मार दी थी। राहगीरों ने उसे बचाने की कोशिश की मगर अस्पताल ले जाते समय उसकी मौत हो गई।

50फीसदी सड़क हादसों का कारण खराब सड़कें, डिवाइडर की लटकी ग्रिल, ट्रैफिक पुलिस रिपोर्ट से सामने आई जानकारी

फरीदाबाद (एजेंसी)। बदहाल सड़कें, खराब स्ट्रीट लाइट्स और टूटीं ग्रिल 50त्न सड़क हादसों का कारण बनती हैं। अफसरों की नाकामी लोगों की जान ले रही है, लेकिन अफसोस कार्रवाई करने वाला कोई नहीं है। ट्रैफिक पुलिस ने फरीदाबाद प्रशासन की रोड सेफ्टी कमिटी को जो रिपोर्ट सौंपी है, उसमें सड़क दुर्घटनाओं के लिए इन्हीं कारणों को जम्मिेदार बताया गया है।

रिपोर्ट के अनुसार पिछले साल 2022 में सड़क दुर्घटनाओं में 253 लोगों की जान गई है। इसमें से 50 प्रतिशत हादसों का मुख्य कारण टूटी सड़क, स्ट्रीट लाइट न होना, डिवाइडर पर टूटी ग्रिल होना है। 30 प्रतिशत दुर्घटनाएं रोड सेफ्टी नियमानुसार सड़क का निर्माण न होना है। बाकी 20 प्रतिशत घटनाएं ही रॉन्ग साइड ड्राइविंग, तेज़ रफ्तार ड्राइविंग के कारण हुई हैं। जि़ला प्रशासन की तरफ से अब इन घटनाओं में 20 प्रतिशत की कमी लाने का टारगेट रखा गया है। शहर में इस वक्त जगह-जगह सड़कों की हालत खराब है। कई सड़कें तो ऐसी हैं, जिनमें गड्ढे ही गड्ढे हैं। ये गड्ढे रात के वक्त अंधेरे में वाहन चालकों को दिखाई नहीं देते और वह दुर्घटना का शिकार हो जाते हैं।

हरियाणा रोड सेफ्टी काउंसिल के सदस्य सरदार देवेंद्र की मानें तो दुर्घटनाओं में 50 प्रतिशत टूटी सड़कों के कारण हुई हैं। आगरा नहर के साथ वाली बदहाल सड़क से रोज़ लगभग पांच हज़ार वाहन चालक गुजरते हैं। रात के वक्त स्ट्रीट लाइट भी नहीं जलतीं, जिस कारण सड़क दुर्घटनाएं ज्यादा होती हैं। सारन चौक से आइचर चौक को जाने वाली सड़क में गहरे गड्ढे हैं तो वहीं दूसरी तरफ तिगांव रोड का भी यही हाल है। रोड सेफ्टी ओमीनी के सदस्य बलजीत ने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं में 20 प्रतिशत की कमी लाने के लिए जिला प्रशासन ने टारगेट तय कर लिया है। टारगेट तब हासिल किया जा सकेगा, जब विभाग सड़कों को नियमानुसार तैयार करे। जैसे आज भी कई जगह पर डिवाइडर के बीच में लोहे की ग्रिल टूटी हुई है।

फुटपाथ पर अवैध कब्जा है, जिस कारण लोग सड़क पर चलते हैं। वहीं कई जगह पर तो निर्माण के कारण गहरे गड्ढे खोद दिए जाते हैं। इस कारण दोपहिया वाहन चालक दुर्घटना का शिकार हो जाते हैं। सभी विभाग नियम अनुसार सड़क का निर्माण करें तो सड़क दुर्घटनाओं को कम किया जा सकता है। अधिवक्ता डेंसन जोसफ ने बताया कि टूटी सड़क के कारण किसी को चोट लग जाती है या किसी की मौत हो जाती है तो वह सबसे पहले संबंधित पुलिस स्टेशन में शिकायत दे सकता है। वहां आईपीसी की धारा 338 के तहत पुलिस मामला दर्ज कर सकती है। पुलिस भी कोई कार्रवाई नहीं करती तो पीड़ित पुलिस कमिश्नर से शिकायत करनी चाहिए। पुलिस कमिश्नर की तरफ से भी कोई कार्रवाई नहीं की जाती है तो फिर पीड़ित क्रिमिनल प्रोसिजर कोर्ट में धारा 156/3 के तहत इलाका मैजिस्ट्रेट के पास आवेदन कर सकता है। यहां अभी तक उसने कहां-कहां गुहार लगाई, उसके बारे में जानकारी दे सकता है। इसके बाद मामला कोर्ट में चला जाता है और कोर्ट में पीड़ित केस जीत जाता है तो उसे मुआवजे के लिए भी कोर्ट आदेश दे देता है। इसमें 338 धारा के तहत दो साल की सजा चोट लगने पर संबंधित प्रशासन और सड़क बनाने वाले ठेकेदार के खिलाफ हो सकती है। वहीं आईपीसी की धारा 304/2 के तहत 10 साल की सजा भी हो सकती है।

भारत में बड़े हमले की फिराक में था सरफराज मेमन, 15 बार गया था चीन और हांगकांग

भोपाल (एजेंसी)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की गुप्त रिपोर्ट के आधार पर रविवार रात को सरफराज मेमन को हिरासत में ले लिया है। वह इंदौर के चंदन नगर का रहने वाला है। उस आरोप है कि वह चीन, पाकिस्तान और हांगकांग से आतंकी ट्रेनिंग लेकर आया है और भारत में बड़े हमले की फिराक में था। उससे अब मुंबई आतंकवाद विरोधी दस्ता पूछताछ करेगा। इससे पहले, एनआईए ने मुंबई पुलिस को ई-मेल भेजकर मेमन के प्रति सतर्क रहने को कहा था। एजेंसी ने उसका आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस और पासपोर्ट भी भेजा था। एजेंसी ने यह भी कहा कि मेमन भारत के लिए खतरनाक है। मुंबई एटीएस ने इंदौर के इंटेलिजेंस डीसीपी रजत सकलेचा को बताया कि सरफराज मेमन चंदन नगर के ग्रीन पार्क कालोनी के फातमा अपार्टमेंट में रहता है, जिस पर पुलिस मौके पर पहुंची और उसके माता-पिता को हिरासत में ले लिया। इसके बाद देर रात वह खुद थाने पहुंच गया। बताया जाता है कि मेमन अक्सर अलग-अलग देशों में जाया करता है। उसके कई राज्यों में ठिकाने होने की भी सूचना है। पूछताछ में उसने बताया कि उसकी बहन की ब्रेन हेमरेज से मौत हो गई थी, जिसकी वजह से वह परेशान रहता था। व्यवसाय के सिलसिले में वह हांगकांग चला गया, जहां वह 12 साल तक रहा। बताया जाता है कि मेमन 2007 के आसपास इंदौर के खजराना में भी रहा। यहां मकान बेचने के बाद वह चंदन नगर आ गया। उसकी कुछ बातों पर संदेह है जिस वजह से मुंबई एटीएस को पूछताछ के लिए बुलाया गया है।

वेस्ट बैंक में इजरायली-अमेरिकी शख्स की गोली मारकर हत्या की

यरुशलम । वेस्ट बैंक में एक शूटिंग हमले में फिलिस्तीनी बंदूकधारियों ने एक इजरायली-अमेरिकी शख्स की गोली मारकर हत्या की। रिपोर्ट के अनुसार, इजरायली सेना ने कहा कि हमलावरों ने फिलिस्तीनी शहर जेरिको के पास एक इजरायली कार पर गोलियां चलाईं और ड्राइवर को मार दिया। अपराधी घटनास्थल से भाग गए। बयान में कहा गया है कि सैनिक क्षेत्र में सड़कों और चौकियों की तलाशी ले रहे हैं। इजराइल की मैगन डेविड एडोम बचाव सेवा ने कहा कि 27 वर्षीय चालक को बंदूक की गोली लगी थी और उस अस्पताल ले जाया गया था। बाद में चालक ने दम तोड़ दिया। इजरायल में अमेरिकी राजदूत टॉम नाइड्स ने पुष्टि की कि मृतक एक अमेरिकी नागरिक था। उन्होंने कहा, दुख की बात है, मैं इस बात की पुष्टि कर सकता हूं कि आज रात वेस्ट बैंक में हुए एक आतंकी हमले में एक अमेरिकी नागरिक की मौत हो गई। मैं उनके परिवार के लिए प्रार्थना करता हूं। वेस्ट बैंक में बसने वाले सैकड़ों यहूदी ने एक दिन पहले ही हिंसा का सबसे बुरा दौर शुरू किया था। यहूदियों ने फिलिस्तिनियों के कम से कम 40 घरों में आग लगा दी, दर्जनों दुकानों और कारों में तोड़फोड़ की और हवारा और नैबलस शहर के तीन अन्य शहरों में भेड़ों को मार डाला। फिलिस्तीनी रेड क्रीसेंट ने कहा कि एक 37 वर्षीय फिलिस्तीनी व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी गई। गोली जाहिर तौर पर एक इजराइली सैनिक द्वारा चलाई गई थी जिसमें कई अन्य घायल हो गए। बड़े पैमाने पर हमले तब हुए जब एक फिलिस्तीनी ने हवारा के पास इजरायलियों पर एक कार से गोलियां चलाईं, जिसमें दो भाइयों की मौत हो गई। इजरायली सेना ने कहा कि वह हिंसा के और बढ़ने की संभावनाओं के बीच वेस्ट बैंक में चार बटालियनों के साथ अपनी सेना बढ़ा रही है।

चीन में शादी किए बिना बच्चे पैदा करने की छूट

बीजिंग । चीन की आबादी तेजी के साथ घट रही है। 2022 में चीन में 95.6 लाख बच्चे पैदा हुए हैं। जबकि चीन में 1.4 करोड़ लोगों की मौत हुई है। जन्म और मृत्यु दर में लगातार अंतर बढ़ता जा रहा है। चीन सरकार आबादी बढ़ाने के लिए तरह-तरह के प्रयास कर रही है। स्पर्म डोनेशन को बढ़ावा दिया जा रहा है। अविवाहित लड़कियों को मां बनने की इजाजत दी गई है। चीन की सरकार वन चाइल्ड पॉलिसी से बाहर निकलना चाहती है। 2016 में चीन की सरकार ने 2 बच्चे पैदा करने की अनुमति दी। 2021 में 3 बच्चों के पैदा करने की अनुमति दी। इसके बाद भी 60 साल में पहली बार चीन की मृत्यु दर ज्यादा रही,और जन्म दर कम रही। चीन की सरकार ने आबादी बढ़ाने के लिए अब बहुत सारी सुविधाएं देना शुरू कर दी हैं। इसके बाद भी चीन की आबादी उतनी तेजी के साथ नहीं बढ़ रही है। जैसी चीन सरकार चाहती है। चीन की सरकार मेटरनिटी लीव और मेडिकल खर्च भी दे रही है। अन्य सरकारी सुविधाएं भी देने की पेशकश कर रही है। लेकिन महंगाई के कारण, यहां पर बच्चे पैदा करने में लोग पीछे हट रहे हैं। चीन में महंगाई और एक बेरोजगारी एक बड़ी समस्या है। जिसके कारण चीन में लोग बच्चा पैदा करने से डर रहे हैं।

चैटजीपीटी को टक्कर देने की तैयारी में मस्क

सैन फ्रांसिस्कों। टेक की दुनिया में एलन मस्क बड़ा धमाका करने की तैयारी कर रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार मस्क ओपन एआई के चैटजीपीटी को टक्कर देने की तैयारी में हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि बीते हफ्तों में मस्क ने नया रिसर्च लैब तैयार करने के लिए एआई रिसर्चर्स से संपर्क किया था। खबरों की मानें तब मस्क ने अपना चैटबॉट तैयार करने के लिए एक रिसर्चर को हायर भी कर लिया है। आईगोर बबूलशकइन ने हाल ही में ऐल्फाबेट के डीपमाइंड एआई यूनिट से इस्तीफा दिया है। चैटजीपीटी तेजी से पॉप्युलर हो रहा है। यह चैटबॉट कविता और शायरी लिखने के साथ ही कमांड देने पर कंप्यूटर कोड भी लिख सकता है। इसी काबिलियत ने इसे सिलिकॉन वैली में काफी फेमस किया है। दिलचस्प बात यह है कि मस्क ने साल 2015 में सिलिकॉन वैली इन्वेस्टर सैम ऐल्टमैन के साथ ओपन एआई की शुरुआत की थी। यह एक नॉन-प्रॉफिट स्टार्टअप था और मस्क साल 2018 में इसके बोर्ड से अलग हो गए। हालांकि, बोर्ड से अलग होने के बाद भी मस्क चैट जीपीटी की तारीफ करते हैं। मस्क ने दिसंबर 2022 को सैम ऐल्टमैन के एक ट्वीट का रिप्लाइ करके चैट जीपीटी के अच्छा बताया था। मस्क और आईगोर एआई रिसर्च के लिए टीम को करने के लिए बातचीत कर चुके हैं। यह प्रोजेक्ट अभी शुरुआती स्टेज पर है, इस बारे में अभी कोई पक्की प्लानिंग नहीं की गई है।

अफगानिस्तान में भूकंप के तेज झटके

काबुल । भूकंप की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। पहले तुर्की और सीरिया में भूकंप ने तबाही मचाई हुई है। अब अफगानिस्तान में भी भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए है। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (एनसीएस) के मुताबिक भूकंप की 4.1 तीव्रता रही। फिल्हाल कोई भी हताहत नहीं हुआ है।

लीड्स में सड़क हादसे में भारतीय मूल की छात्रा की मौत

लंदन । उत्तरी इंग्लैंड के लीड्स में सड़क दुर्घटना के दौरान भारतीय मूल की एक छात्रा की तब मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि कार ने बस अड्डे से टकराने के बाद दो राहगीरों को अपनी चपेट में लिया। यॉर्कशायर पुलिस ने दुर्घटना की शिकार छात्रा की पहचान अथिरा अनिलकुमार लाली कुमारी के रूप में की है। स्थानीय मलयाली संघ के मुताबिक केरल में तिरुवनंतपुरम निवासी अथिरा ने लीड्स बेकेट विश्वविद्यालय में पिछले महीने पढ़ाई शुरू की थी। पश्चिम यार्कशायर पुलिस ने शुक्रवार को कहा टक्कर के कारण अथिरा समेत दो पथिक घायल हुए थे, दूसरे घायल व्यक्ति की आयु 40 वर्ष से अधिक है और उसका अस्पताल में उपचार चल रहा है। कार चालक 25 वर्षीय महिला को लापरवाही पूर्वक गाड़ी चलाकर जान लेने के संदेह में गिरफ्तार किया गया, लेकिन उसे जमानत पर रिहा कर दिया गया। बताया जाता है कि बिरमिंघम स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास इस मामले से निपट रहा है और भारत में पीड़ित के परिवार को सहयोग की पेशकश की गई है।

कीव पहुंच अमेरिकी ट्रेजरी सचिव जेनेट येलेन ने की यूक्रेन को 1.2 अरब डॉलर अतिरिक्त सहायता देने की घोषणा

कीव । अमेरिकी ट्रेजरी सचिव जेनेट येलेन ने कीव की अपनी औचक यात्रा के दौरान यूक्रेन को आर्थिक सहायता के रूप में 1.2 अरब डॉलर से अधिक की अतिरिक्त राशि देने की घोषणा की है। येलन ने कहा उनकी यात्रा यूक्रेन के प्रति हमारी अटूट प्रतिबद्धता की पुष्टि करने के लिए है, उन तरीकों पर चर्चा करें जिनसे हम अपना समर्थन जारी रख सकते हैं, जिसमें आर्थिक सहायता भी शामिल है। अपनी घोषणा में उन्होंने कहा अमेरिका को यूक्रेन का सबसे बड़ा द्विपक्षीय दाता होने पर गर्व है और अब तक वाशिंगटन ने युद्धग्रस्त राष्ट्र को सुरक्षा, आर्थिक और मानवीय सहायता के रूप में करीब 50 अरब डॉलर प्रदान किए हैं। उन्होंने एक बयान में कहा आज, मुझे 1.2 बिलियन डॉलर से अधिक की अतिरिक्त राशि के हस्तांतरण की घोषणा करने पर गर्व है। यह प्रत्यक्ष बजट सहायता में लगभग 10 बिलियन डॉलर की पहली किश्त है, जो आने वाले महीनों में अमेरिका प्रदान करेगा। बाद में यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की के साथ अपनी टिप्पणी में उन्होंने कहा कि यह लड़ाई हमारी लड़ाई है, हमारे लोकतंत्र के साझा मूल्यों व आत्मनिर्णय के अधिकार की लड़ाई है। उन्होंने कहा, हम यूक्रेन के साथ तब तक खड़े रहेंगे, जब तक इसकी जरूरत होगी। जेलेंस्की ने कहा कि अमेरिका इस युद्ध के पहले दिन से न केवल हथियारों के साथ, बल्कि वित्तीय मोर्चे पर भी हमारा समर्थन कर रहा है। हमइसकी सराहना करते हैं। उन्होंने कहा, हमलावर देश पर प्रतिबंधों के दबाव को बढ़ाने के लिए व्यवस्थित कदमों के लिए धन्यवाद। रूस को युद्ध के वित्तपोषण की क्षमता से वंचित करने के लिए प्रतिबंधों को और मजबूत करना आवश्यक है। येलेन ने प्रधान मंत्री डेनिस शिम्हाल के साथ द्विपक्षीय बैठक भी की।

अतिरिक्त सहायता देने की घोषणा

कीव । अमेरिकी ट्रेजरी सचिव जेनेट येलेन ने कीव की अपनी औचक यात्रा के दौरान यूक्रेन को आर्थिक सहायता के रूप में 1.2 अरब डॉलर से अधिक की अतिरिक्त राशि देने की घोषणा की है। येलन ने कहा उनकी यात्रा यूक्रेन के प्रति हमारी अटूट प्रतिबद्धता की पुष्टि करने के लिए है, उन तरीकों पर चर्चा करें जिनसे हम अपना समर्थन जारी रख सकते हैं, जिसमें आर्थिक सहायता भी शामिल है। अपनी घोषणा में उन्होंने कहा

थाईलैंड में अंतरराष्ट्रीय पतंग उत्सव के दौरान पतंग उड़ाते हुए लोग।

तोशखाना मामले में पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान के खिलाफ गैर-जमानती गिरफ्तारी वारंट जारी

इस्लामाबाद । संघीय राजधानी की एक अदालत ने तोशखाना मामले में पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के अध्यक्ष इमरान खान के खिलाफ गैर-जमानती गिरफ्तारी वारंट जारी किया। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश जफर इकबाल ने गिरफ्तारी वारंट जारी किया। इससे पहले, पीटीआई अध्यक्ष ने इस्लामाबाद में न्यायिक परिसर में मामलों की सुनवाई में भाग लेने के लिए आने के बाद दो अलग-अलग मामलों - प्रतिबंधित धन और आतंकवाद के मामलों में अंतरिम जमानत हासिल की थी। पूर्व प्रधानमंत्री आतंकवाद विरोधी अदालत और बैंकिंग अदालत में अलग-अलग पेश हुए। एटीसी जज राजा जवाद ने आतंकी मामले की सुनवाई की और 100,000 रुपये के ज़मानत बांड जमा करने के खिलाफ 9 मार्च तक जमानत दे दी। इस बीच, न्यायाधीश रक्षंदा शाहीन ने निषिद्ध धन मामले में खान की जमानत की पुष्टि की। इस्लामाबाद पुलिस ने खान सहित पीटीआई नेताओं के खिलाफ आतंकवादी मामले दर्ज किए थे, क्योंकि पार्टी कार्यकर्ताओं ने तोशखाना संदर्भ में उनकी अयोग्यता के बाद सड़कों पर उतरकर राज्य की संपत्ति को नुकसान पहुंचाया था।

दिल्ली पहुंचे विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन, रूस से करीबी के बावजूद भारत से अपनी नजदीकियां बढ़ा रहा अमेरिका

फ्लोरिडा(एजेंसी)। संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएस) के विदेश मंत्री एंटनी जे ब्लिंकन भारत की अपनी दूसरी यात्रा के लिए दिल्ली पहुंच गए हैं। राष्ट्रपति जो बाइडेन के दो साल के कार्यकाल में वे एक ऐसे प्रशासन का प्रतिनिधित्व करेंगे जो पहले से ही सबसे अधिक परिणामी साबित हुआ है। ब्लिंकन क्वाड (चतुष्पक्षीय संवाद समूह) मंत्रिस्तरीय बैठक में भी शामिल होंगे और विदेश मंत्री एस. जयशंकर के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे।

ऐसे बढ़ते रहे भारत-अमेरिका के बीच के संबंध

ये कहा जा रहा है कि बाइडेन टीम ने एक विरासत को आगे बढ़ाया है जिसे बिल क्लिंटन ने 2000 में अपनी ऐतिहासिक भारत यात्रा के साथ शुरू किया था। यह जॉर्ज डब्ल्यू बुश द्वारा बढ़ाया गया था, जिन्होंने परमाणु समझौते के लिए एक अद्वितीय व्यक्तिगत प्रतिबद्धता प्रदर्शित की थी। बराक ओबामा मुख्य अतिथि के रूप में गणतंत्र दिवस में शामिल होने वाले पहले अमेरिकी राष्ट्रपति बने थे। चीन पर रणनीतिक बदलाव करते हुए डोनाल्ड ट्रम्प ने दिल्ली के साथ संबंधों को महत्व दिया।

भारत, अमेरिका का एक वैश्विक रणनीतिक साझेदार

विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन की भारत रवानगी से

पहले अमेरिका ने हिन्दुस्तान की जमकर तारीफ की है। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन ने कहा कि भारत, अमेरिका का एक वैश्विक रणनीतिक साझेदार है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नेड प्राइस ने अपने दैनिक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''भारत हमारा वैश्विक रणनीतिक साझेदार है। भारत के साथ हमारे व?यापक व गहरे संबंध हैं। द्विपक्षीय संबंधों और जी-20 से इतर बहुपक्षीय संबंधों को लेकर भी कई फैसले किए जाएंगे।

पीएम मोदी की बात

प्राइस ने कहा, ''आपने भारत सरकार की ओर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से बहुत दृढ़ता से सुना है कि यह युद्ध का युग नहीं है। दुनिया भर में कई देश हैं, खासकर रूस जो नियम-आधारित आदेश, संयुक्त राष्ट्र चार्टर के सिद्धांतों, अंतरराष्ट्रीय कानून के सिद्धांतों, यूनिवर्सल डिक्लेरेशन ऑफ ह्यूमन राइट्स के सिद्धांतों को चुनौती दे रहे हैं।

ड्रेगन की लैब से ही लीक हुआ था कोराना वायरस

-अमेरिका की नई रिपोर्ट में बड़ा खुलासा

वाशिंगटन (एजेंसी) दुनिया भर में करोडों जान लेने वाले कोरोना वायरस को लेकर अमेरिका की एक नई रिपोर्ट में बड़ा खुलासा हुआ है। 2021 के ऊर्जा विभाग के अध्ययन में कहा गया है कि संभवतः वायरस चीन की लैब से ही निकला है।

रिपोर्ट में बताया गया कि यह जानकारी राष्ट्रीय खुफिया निदेशक एवरिल हैन्स के कार्यालय के एक दस्तावेज में सामने आई है। दस्तावेज इस वायरस के उभरने से जुड़ा था। अमेरिका शुरुआत से ही कहता रहा है कि वायरस चीन की वुहान लैब से लीक हुआ है। हालांकि एजेंसी ने कहा है कि उसकी यह रिपोर्ट कम आत्मविश्वास के साथ जारी हो रही है। ऊर्जा विभाग जीव विज्ञान के क्षेत्रों समेत 17 अमेरिकी प्रयोगशाला के नेटवर्क की देखरेख करती है।कोरोना वायरस की उत्पत्ति को लेकर दो परस्पर विरोधी थ्योरी हैं। पहला कि यह एक अज्ञात जानवर के मनुष्यों में पहुंचा है और दूसरा कि यह वुहान में चीन की रिसर्च लैब से लीक हुआ है। कोरोना वायरस चीन में सबसे पहली बार देखने को मिला है। इसके बाद 2020 की शुरुआत में लगभग यह पूरी दुनिया में फैल गया था। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक कोरोना वायरस के कारण दुनिया में अब तक 70 लाख लोगों की मौत हो चुकी है। कोरोना के कारण ही पूरी दुनिया में सप्लाई चेन बाधित हुई है।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस मुद्दे का इस्तेमाल राजनीतिक तौर पर भी किया। उन्होंने पूरी दुनिया में कोरोना वायरस को चायना वायरस बताया। ऊर्जा विभाग की रिपोर्ट चार अन्य अमेरिकी खुफिया एजेंसियों की रिपोर्ट के विपरीत हैं। दो एजेंसियों ने अपने निष्कर्ष में कहा था कि महामारी एक संक्रमित जानवर से प्रकृति में फैली है। वहीं, दो एजेंसियां किसी भी निर्णय पर नहीं पहुंची थीं।

पाकिस्तान के 18 रईसों के पास है देश का आधा कर्ज चुकाने की सामर्थ्य, हक बोले देश के लिए करें त्याग

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान इस समय भारी आर्थिक संकट से जूझ रहा है। विदेशी मुद्रा की भारी कमी हो गई है। जिसकी वजह से भुगतान संतुलन में दिक्कतें पैदा हो गई हैं। जमात-ए-इस्लामी चीफ सिराजुल हक ने कहा है कि उनके पास 18 पाकिस्तानियों की लिस्ट है, जिनके बैंक खातों में 4 हजार अरब रुपए (15.52 अरब डॉलर) रकम जमा हैं। इस लिस्ट में राजनेताओं और सेना के अधिकारियों के नाम हैं। उन्होंने आह्वान किया कि पाकिस्तान के जजों, जनरलों, प्रशासनिक अधिकारियों और राजनेताओं को पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए अपने-अपने स्तर पर त्याग करना चाहिए।

उन्होंने इस्लामाबाद में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा हमारी देश की संस्थाएं इन लोगों से पैसा निकालने में असमर्थ हैं। सिराजुल हक ने कहा पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट (पीडीएम) सरकार के कार्यकाल में महंगाई 34.3 फीसदी तक पहुंच गई है। उन्होंने कहा अगर आटा 160 रुपए प्रति किग्रा बिक रहा है, तो एक परिवार का मुखिया 12 लोगों को कैसे खिला सकता है? उन्होंने कहा सरकार जनता पर 650 अरब रुपये का बोझ डालने पर विचार कर रहा है। उन्होंने तंज कसा आने वाले दिनों में सरकार सांस लेने पर भी टैक्स लगाएगी। उन्होंने कहा कि पीडीएम महंगाई को लेकर पीटीआई सरकार के खिलाफ रैलियां करती थी, लेकिन पीटीआई की तरह पीडीएम भी बुरी तरह विफल हुई है।

सिराजुल हक की ओर से यह बयान ऐसे समय में आया है, जब पाकिस्तान इतिहास की सबसे खराब आर्थिक चुनौतियों से जूझ रहा है। पाकिस्तान को अर्थव्यवस्था बचाने के लिए आईएमएफ से कर्ज लेने की जरूरत है। आईएमएफ चीफ क्रिस्टलीना जॉर्जीवा ने कहा है कि पाक सरकार को जरूरत है कि वह रईसों से टैक्स ले और उन लोगों पर खर्च करे, जिन्हें उसकी जरूरत है। उन्होंने सवाल उठाए हैं कि आखिर अमीर लोगों को सब्सिडी क्यों दी जा रही है। 22 फीसदी पाकिस्तानी गरीबी रेखा के नीचे रहते हैं। पाकिस्तान को साल 2022 में 22 अरब डॉलर का कर्ज वापस लौटाना है। सिराजुल हक का दावा अगर माना जाए तो पाकिस्तान के 18 अमीरों के पास इतना धन है कि इस साल आधा कर्ज चुकाया जा सकता है। इसमें उसे आईएमएफ से डील की जरूरत नहीं पड़ेगी। संयुक्त राष्ट्र की एक हालिया रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान के सबसे अमीर एक फीसदी लोगों के पास देश की कुल आय का 9 फीसदी हिस्सा है, जबकि सबसे गरीब के पास सिर्फ 0.15 फीसदी है। देश के 20 फीसदी अमीर लोगों के पास कुल 49.6 फीसदी आय है। वहीं, 20 फीसदी गरीब लोग सिर्फ 7 फीसदी पैसा अपने पास रखते हैं।

तालिबान ने आईएस खुरासान के मिलिट्री चीफ कारी फतेह को ढेर किया

-अफगानिस्तान में तालिबान का बड़ा एक्शन

काबुल (एजेंसी)। अफगानिस्तान के सत्ताधारी तालिबान ने इस्लामिक स्टेट खुरासान प्रांत (आईएसकेपी) पर बड़ा एक्शन लिया है। तालिबान ने आईएसकेपी के मिनिस्टर ऑफ वॉर और मिलिट्री चीफ कारी फतेह को एक आपरेशन में ढेर कर दिया है। कारी फतेह को यूएनएससी मॉनिटरिंग टीम ने मई 2022 में आईएसकेपी के सैन्य प्रमुख के तौर पर सूचीबद्ध किया था। तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने बताया काबुल में हुए ऑपरेशन में कारी फतेह को मार गिराया गया है। तालिबानी प्रवक्ता ने इसके साथ ही इस्लामिक स्टेट हिंद प्रांत (आईएसएचपी) के एजाज अहमद अहंगर के साथ दो अन्य सहयोगियों के मारे जाने की भी पुष्टि की है।

कारी फतेह आईएसकेपी के लिए रणनीति बनाता था। उसने हाल ही में काबुल में रूस, पाकिस्तान और चीन के दूतावासों पर भी हमले की साजिश रची थी। कारी तुफैल उर्फ फतेह नांगरहार में आईएसकेपी के नियंत्रण के दौरान पूर्वी क्षेत्र का कमांडर था। हालांकि, हाल के दिनों में समूह ने अपनी रणनीति बदली थी और उसे खुफिया प्रमुख बनाया गया था। तालिबान सरकार का यह एक्शन ऐसे समय हुआ, जब हाल ही में यूएन की रिपोर्ट में दावा किया गया था कि इस्लामिक स्टेट इन इराक एंड खुरासान ने अफगानिस्तान में भारत-चीन और ईरान के दूतावास पर आतंकी हमले की धमकी दी है।

यूएन का दावा है कि आईएसआईएल-के के पास 1000-3000 लड़ाके हैं। इनमें से करीब 200 सेंट्रल एशिया में हैं। हालांकि, कुछ देशों का मानना है कि यह संख्या 6000 तक है।

संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में आईएसआईएल द्वारा उत्पन्न खतरों का खुलासा किया गया था। इसमें बताया गया था कि आईएसआईएल आतंकी समूह ने अपनी गतिविधियों को और फैलाने की इच्छा को जारी रखा है। आईएसआईएल-के ने खुद को तालिबान के प्राथमिक प्रतिद्वंद्वी के रूप में स्थापित किया और अब वह यह दिखाना चाहता है कि तालिबान अफगानिस्तान में सुरक्षा प्रदान करने में असफल है। ऐसे में राजनयिक मिशन को टारगेट करके आईएस तालिबान से अन्य देशों के रिश्तों को भी खत्म कराना चाहता है।

पाकिस्तान में आतंकियों को लगने लगा डर, आखिर कौन इन्हें चुन-चुनकर लगा रहा ठिकाने?

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान वैसे तो आतंकियों का सबसे महफूज पनाहगाह है, इस बात से तो पूरी दुनिया वाकिफ है। लेकिन अब पाकिस्तानी आतंकवादी अपने घर में ही सुरक्षित महसूस नहीं कर रहे हैं। पाकिस्तान में आतंकी पर यादों को चुन चुन कर मारा जा रहा है। इसलिए पाकिस्तान का हर आतंकी इस वक्त सेफ हाउस की तलाश कर रहा है। वह किसी ऐसे बिल में छिपना चाहता है जहां उसकी जिंदगी महफूज हो जाए। इसकी वजह है पाकिस्तान में एक और कश्मीरी आतंकी की हत्या। इस आतंकी का नाम खालिद राजा बताया जा रहा है। राजा कश्मीर में आतंकी कमांडर रह चुका है और अभी कराची में एक स्कूल का चेयरमैन बनकर घूम रहा था।

कश्मीर में आतंकी कमांडर रहे राजा की मौत

26 फरवरी को अज्ञात लोगों ने पाकिस्तान स्थित आतंकवादी संगठन अल बद्र के पूर्व कमांडर सैयद खालिद रजा की हत्या कर दी। पाकिस्तान के कराची के गुलिस्तान-ए-जौहर ब्लॉक 7 इलाके में खूंखार आतंकी को उसके आवास के बाहर गोली मारी गई। 1990 के दशक में लगभग 8 वर्षों तक, सैयद खालिद रज़ा जम्मू-कश्मीर में अल-बद्र आतंकी समूह का कमांडर था। जमात ए इस्लामी के अध्यक्ष कराची के मुताबिक, मृतक जेईआई तलबा विंग से भी जुड़ा था।

हिज्बुल के इतियाज आलम की हुई थी मौत

भारत के सबसे वांछित आतंकवादियों में से एक इम्तियाज आलम उर्फ ??बशीर अहमद पीर, पाकिस्तान के रावलपिंडी में इसी तरह की परिस्थितियों में मारे जाने के एक सप्ताह बाद खूंखार आतंकवादी की मौत हुई। इम्तियाज प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन हिजबुल मुजाहिदीन का संस्थापक सदस्य था, जो इसके तीसरे कमांडर के रूप में कार्यरत था। सोमवार (20 फरवरी, 2023) को एक दुकान के सामने दो अज्ञात हमलावरों ने उनकी हत्या कर दी।

चीन का नया प्लान, अगले 5 सालों में विकासशील देशों के 5000 हजार सैनिकों को देगा ट्रेनिंग

बीजिंग (एजेंसी)। चीन की तरफ से आतंकवाद और साइबर सिक्योरिटी जैसे मसलों पर एक बड़ा कदम उठाया है। चीन ने ऐसलान किया है कि वो अगले पांच सालों में विकासशील देशों के 5 हजार सैनिकों को ट्रेनिंग मुहैया कराएगा। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट में कहा गया है कि अपने वैश्विक सुरक्षा प्रभाव को बढ़ावा देने के लिए, चीन ने अगले पांच वर्षों में विकासशील देशों के 5,000 सुरक्षा कर्मियों को प्रशिक्षित करने की योजना का खुलासा किया है। चीन के नए प्लान का खुलासा बीजिंग के वैश्विक सुरक्षा पहल (जीएसआई) पर एक पेपर में हुई है।

जीएसआई पेपर के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है, ÷बीजिंग गैर-पारंपरिक सुरक्षा में शासन क्षमता में सुधार के उद्देश्य से आतंकवाद, साइबर सुरक्षा, जैव सुरक्षा और उभरती प्रौद्योगिकियों जैसे क्षेत्रों में सुरक्षा चुनौतियों का समाधान करने के लिए आदान-प्रदान और सहयोग के लिए और अधिक अंतरराष्ट्रीय मंच बनाने की योजना बना रहा है। अखबार ने आगे कहा कि चीन विश्वविद्यालय स्तर की सैन्य और पुलिस अकादमियों के बीच अधिक आदान-प्रदान और सहयोग को भी प्रोत्साहित करेगा। अखबार ने कहा, ÷चीन वैश्विक सुरक्षा मुद्दों को हल करने में मदद करने के लिए अगले पांच वर्षों में अन्य विकासशील देशों के पेशेवरों के लिए 5,000 प्रशिक्षण अवसर प्रदान करने को तैयार है।

कथित तौर पर इस पहल को पश्चिमी प्रभुत्व वाले सुरक्षा व्यवस्था के विकल्प के रूप में देखा जा रहा है। यह पहली बार राष्ट्रपति शी जिनपिंग द्वारा अप्रैल 2022 में बोआओ फोरम फॉर एशिया वार्षिक सम्मेलन के दौरान प्रस्तावित किया गया था। हाल के वर्षों में चीन ने मध्य पूर्व, प्रशांत द्वीप समूह और मध्य एशिया के देशों में बहुपक्षीय और द्विपक्षीय सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विस्तार करने के अपने प्रयासों को बढ़ाया है। हाल ही में, चीनी गुब्बारा, जिसे बीजिंग इनकार करता है, एक सरकारी जासूसी पोत था, ने संयुक्त राज्य अमेरिका और कनाडा के ऊपर उड़ान भरते हुए एक सप्ताह बिताया, जब तक कि राष्ट्रपति जो बिडेन ने इसे नीचे गिराने का आदेश नहीं दिया। इस प्रकरण ने वाशिंगटन और बीजिंग के बीच संबंधों को और तनावपूर्ण बना दिया।

संपादकीय

आमंत्रित रचना - जीवन संगिनी

नारी के त्याग को तोला जा सके ऐसी तुला आज तक कोई बना नहीं सका है।उस जैसी ममता,सेवा,समर्पण की दिव्य मशाल कोई जला नहीं सका है। वह सृजनकी,संवर्धन की अनमोल अनुपम अद्वितीय,धरोहर है। उसके नैसर्गिक सौंदर्य की सौम्य मूरत आज तक कोई बना नहीं सका है। पत्नी हमारी जीवन साथी है । जो सुख में हो या दुःख में हर कदम का साथी हैं। सारी उम्र गुजारी हमने वो जन्म -जन्म का साथी है। पत्नी हमारी जीवन साथी है । दो घर की लाज निभाती है।जिस घर में जन्मी बड़ी हुई वहीं से पराई हो जाती है।सहनशीलता की मुरत जो सारे फ़र्ज़ निभाती है। कंधे पर सारा बोझ लिये ससुराल को स्वर्ग बनाती है। बच्चों की देखभाल में सारा दिन व्यस्त जो रहती है। घर में कुछ कमी हो या कहा सुनी मन ही मन में सब सहती है। सास ससुर की सेवा करके अपना फर्ज निभाती है। व्यवहारिक हर काम में जो अपनी हाजिरी लगाती है।अगर आये परिवार पर संकट अपना धर्म निभाती है।सोना-चांदी या अपनी बचत सब बेचकर कर्ज़ चुकाती है। अपना सारा जीवन ही जो परिवार को अर्पण कर जाती है। मत करो उपहास पत्नी का जो जीवन भर साथ निभाती हैं। त्याग और समर्पण की अद्भुत मूरत है ।ममता और वात्सल्य की अनोखी सूरत है । अपने लिए नहीं अपने पूरे परिवार के लिए श्रमशील अनवरत है । वह नारी है- जिसे नहीं किसी नाम या पुरस्कार की जरुरत ।मिले उलाहना या ताना उसे आता है हर स्तिथि को सहना ।बच्चों से लेकर बड़े तक सबका रखती है वो ख़्याल ।अपनी क़ाबिलियत से आता है उसे मकान को घर बनाना । हाँ ,वो नारी ही है जो जानती है -परिवार को चलाना ।एक आदर्श परिवार बनाना । निस्वार्थ सबमें खुशियाँ बाँटना । गृहलक्ष्मी बनकर गृह की शोभा बढ़ाना ।नारी शक्ति और समर्पण की गरिमा को रौशन करना जीवन संगिनी को आता है । आसमाँ को मुट्ठी में क़ैद करने की ख़्वाहिश ।अपनी पहचान तलाशने ।अपनी पहचान क़ायम करने का अरमान । रिश्ते-नाते,घर-आँगन को सहेजने का ज़िम्मा । रस्मों-रिवाजों को निभाने की कोशिश । हर ज़िम्मेदारी आज एक माँ, संगिनी, बेटी, बहु,पत्नी,जननी बन कर बखूबी निभा रही है।पूरा घर समेटते समेटते वह खुद बिखर सी जाती हैं । आधी रात में भी दूध की बोतलों से बतियाती हैं ।एक आवाज पर गहरी नींद छोड़ आती हैं ।टिफिन के पराठों संग स्कूल पहुँच जाती हैं । कमर दर्द, पीठ दर्द, हँस के टाल जाती हैं । जूड़े में उलझी हुई लटों को वह छुपाती हैं ।हल्दी लगे हाथों को साड़ी में छुपाती हैं । फिर भी हर परम्परा को बड़े प्यार से सहेजते हुए आज की गृहिणी ने यह साबित कर दिया सही मायने में वो है तो घर है । क्योंकि सुबह शाम रोटियों में प्यार बेल जाती हैं ।बारिश में भीग सूखे कपड़ो को बचाती हैं । अपनी फटी एड़ियों पे साड़ी लटकाती हैं ।नाखूनों में चिपका आटा चुपके से छुड़ाती हैं ।जब भी एक झलक अपने हाथ देख पाती हैं ।अपनी ख्वाइशों से ख्वाब में ही मिल आती हैं। हर किरदार में वो फिट बैठ जाती हैं ।कभी प्रिंसिपल कभी बहु बन जाती हैं । जिसने अपने कर्तव्य के द्वारा सृजन के आकाश की अनेक ऊँचाइयाँ को चुने के साथ-साथ अपने धरातल से जुड़कर संस्कारों का सिंचन करते हुए अपने घरौंदे को विशाल आलम का रूप दिया है। अपनी क्षमताओं का सिंचन देकर अपनी नैसर्गिक गुणावली को क़ायम रखते हुए सुघड़ आकर दिया ।तभी तो कहा है की नारी तेरे रूप अनेक सभी युगों और कालों में है तेरी शक्ति का उल्लेख ।

प्रदीप छाजेड़
(बोरावड़)

जिद-दिखावे के बीच मां-बाप की कसक

लड़के-लड़की वालों में कहासुनी भी हुई। पुलिस भी आ गई, लेकिन किसी के समझाने से भी बात नहीं बनी। अंततः बिन दुल्हन के बारात लौट गई। नाते, रिश्तेदार भी अपने-अपने घर चले गए। गीत-संगीत, बैंडबाजे, नगाड़े, डीजे सबका शोर थम गया था। लेकिन लड़की के माता-पिता के दुःख और चिंता का अंत नहीं था। खाने के लिए बनाए गए तरह-तरह के पकवान यों ही पड़े थे। सजावट मुंह चिढ़ा रही थी। अब लड़की के माता-पिता को फिर से वही कवायदें दोबारा करनी पड़ेंगी।

क्षमा शर्मा

पिछले दिनों अपने एक परिचित से बातें हो रही थीं। गांव में रहते हैं। वह अपनी बहन की लड़की की शादी के बारे में बताने लगे। बहन का परिवार गांव में रहता है। बोले कि वहां सारे नाते-रिश्तेदार इकट्ठे हुए थे। शादी की तैयारियां पूरी थीं। बहन ने यह भी बताया था कि अब तक बीस लाख खर्च हो चुके हैं। और अभी तो शादी के बाद हर त्योहार के लेन-देन का खर्च बचा हुआ है। खूब गाना-बजाना, सजावट, संगीत, हल्दी, मेहंदी सब हो रहा था। धूमधाम से बारात भी आ गई। जब लड़की जयमाल डालने आई तो उसे लगा कि दूल्हे ने शराब पी रखी है क्योंकि उसके पैर कुछ लड़खड़ाए थे। यही नहीं, उसके दोस्त लोग मंच पर ही हुल्लड़ कर रहे थे। बस लड़की नाराज हो गई। जयमाल बिना डाले ही वह मंच छोड़कर चली गई और उसने शादी से इनकार कर दिया। बहुत समझाने पर भी नहीं मानी। दूल्हे और उसके परिवार वालों ने कहा भी कि उसने कोई शराब नहीं पी थी, लेकिन लड़की ने किसी की बात नहीं सुनी। उसने शादी से इनकार कर दिया। लड़के-लड़की वालों में कहासुनी भी हुई। पुलिस भी आ गई, लेकिन किसी के समझाने से भी बात नहीं बनी। अंततः बिन दुल्हन के बारात लौट गई। नाते, रिश्तेदार भी अपने-अपने घर चले गए। गीत-संगीत, बैंडबाजे, नगाड़े, डीजे सबका शोर थम गया था। लेकिन लड़की के माता-पिता के दुःख और चिंता का अंत नहीं था। खाने के लिए बनाए गए तरह-तरह के पकवान यों ही पड़े थे। सजावट मुंह चिढ़ा रही थी। अब लड़की के माता-पिता को फिर से वही कवायदें दोबारा करनी पड़ेंगी। लड़का देखना, पसंद, नापसंद। शादी की तैयारियां, फिर से निमंत्रण पत्र छपवाना, बैंक्वेट हॉल बुक कराना। नाते-रिश्तेदारों की आवभगत, लेन-देन। इनके लिए दोबारा पैसा कहां से आएगा। पहली बार शादी की तैयारी में जो बीस लाख खर्च हुआ, वह तो पानी में गया ही। परिचित की बातें सुनकर लगा कि अरे इन बातों पर तो ध्यान कभी गया ही नहीं। एक तरफ लड़कियों के निर्णय लेने की क्षमता अच्छी लगती है, तो दूसरी तरफ उनके माता-पिता और परिवार वालों की परेशानियां सुनकर अफसोस भी होता है। ऐसी बहुत-सी खबरें भी याद आने लगीं जो आजकल अक्सर दिखाई देती हैं। जैसे कि बारात समय पर नहीं आई तो लड़की ने शादी तोड़ दी। लड़का फेरों के वक्त ठीक से बैठ नहीं सका या वह काला था तो लड़की नाराज हो गई। या कि लड़का लड़की से कम पढ़ा-लिखा था, पहाड़ा ठीक से नहीं सुना सका, या नोट ठीक से नहीं गिन सका तो काम से गया। अथवा बारात में दूल्हा इतनी देर तक नाचा कि नाराज लड़की ने किसी और के गले में माला डाल दी। दूल्हे के दांत खराब थे, या कि वरमाला के वक्त वह कम झुका तो भी शादी टूट गई। ऐसी बेशुमार घटनाएं आए दिन प्रकाश में आती हैं जहां बहुत ही मामूली बातों पर लड़कियां शादी तोड़ रही हैं। इन्हें पढ़-सुनकर आश्चर्य भी होता है। बचपन की ऐसी बहुत-सी घटनाएं भी याद आती हैं, जहां किसी मामूली बात पर लड़के वाले बारात लौटा ले जाते थे। पहले लड़के और उनके परिवार वाले किसी की नहीं सुनते थे, अब लड़कियां किसी की नहीं सुन रही हैं। पहले जिस लड़की की बारात लौट जाती थी, उसे समाज के तमाम तरह के ताने सुनने पड़ते थे जबकि लड़की का कोई कसूर नहीं होता था। अब स्थिति बदल गई है। देखने की बात यह है कि क्या लड़कियों को अपने परिवार वालों की आर्थिक दिक्कतों का पता नहीं होता। लड़कियों की शादी के लिए कितनों के मकान-दुकान-खेत बिकते हैं, गिरवी रखने पड़ते हैं, गहने बेचने पड़ते हैं। भारी-भरकम कर्ज लेना पड़ता है। यह सब लड़कियों के सामने ही होता है, फिर वे इस बात का ख्याल क्यों नहीं रखती हैं। जहां तक इस बात का सवाल है कि लड़की ने लड़के के काला होने, अथवा अनपढ़ होने के कारण विवाह करने से इनकार कर दिया तो इससे यह भी पता चलता है कि लड़के को लड़की ने पहले नहीं देखा, दोनों की मेल-मुलाकात नहीं हुई। यदि ऐसा हुआ होता तो शायद शादी न टूटती, बारात न लौटती। इसके अलावा शादी में होने वाले खर्चे भी इन दिनों बेशुमार बढ़े हैं। माता-पिता ही नहीं, लड़के और लड़कियां भी यही चाहते हैं कि उनकी शादी देखने-दिखाने लायक हो। ऐसी हो कि हमेशा सबको याद रहे। खाने की चीजें इतनी तरह की हों कि खायी न जा सकें। सचमुच कई बार शादियों में इतने तरह के व्यंजन बनाए जाते हैं कि पेट भरकर खाना तो दूर यदि आधी-आधी चम्मच भी खाएं तो भी न खा सकें। यह एक तरीके से खाने के सामान को बिगाड़ना और भोजन को नष्ट करना है। यों कहा ये जाता है कि अन्न को बिगाड़ना अन्न का अपमान है। साथ ही हम यह भी जानते हैं कि यह सिर्फ हमारे मन का भ्रम ही है कि जरूरत से ज्यादा दिखावा करने से कोई देखने वालों को खुश कर सकता है। बल्कि होता तो यह है कि जितना अधिक दिखावा, उतनी ही अधिक आलोचना । रही-सही कसर सेलिब्रिटी शादियों को रात-दिन गाने बजाने से भी पूरी हो जाती है। सिर्फ रईसों में ही नहीं, मध्यम वर्ग में भी इन सेलिब्रिटीज के विवाहों को देखकर ऐसे ही विवाह करने का चलन हो चला है। कियारा ने कैसे कपड़े पहने, सिद्धार्थ ने क्या पहना, कौन से भोजन परोसे गए, डेस्टीनेशन वेडिंग कहां पर किया गया, किस डिजाइनर ने कपड़े बनाए, किसने जेवर, किन फूलों से सजावट की गई थी, कहां से मंगाए गए थे, किन शैफों ने खाना पकाया था, आदि बातों को देखकर युवा भी ऐसा ही करना चाहते हैं। वे माता-पिता पर भी इसका दबाव बनाते हैं। इनमें से हर एक अपने को सपनों का राजकुमार या सपनों की राजकुमारी समझता है। ड्रीम मैन और ड्रीम वुमैन की तलाश में रहता है। ऐसे में बेचारे माता-पिता की मुश्किलों के बारे में कौन सोचे और क्यों सोचे। जन्म दिया है तो इच्छाएं भी पूरी करनी ही पड़ेंगी, चाहे कर्ज लेकर करें। एक तरफ विवाह के बेशुमार खर्चे हैं जिनके बारे में व्यवसाय करने वाले गौरवपूर्वक कहते हैं कि इस देश में विवाह का बाजार अरबों रुपए का है। जाहिर है ये अरबों रुपए माता-पिता की जेब से ही वसूले जाते हैं। दूसरी तरफ दहेज की सुरसा भी लगातार बढ़ रही है। रही-सही कसर ब्रांड के शोर ने पूरी कर दी है। अब कपड़ों, जेवर से लेकर हर चीज ब्रांड वाली चाहिए। ऐसे में कल्पना ही की जा सकती है कि शादी पर कितना खर्च होता है और माता-पिता पर कितना बोझ पड़ता है। यदि शादी की सभी तैयारियां पूरी हो गई हों और ऐसे में शादी न हो, बारात लौट जाए, तो सोचें कि माता-पिता के सिर पर कितना भारी बोझ पड़ता है।

लेखिका वरिष्ठ पत्रकार हैं।

आज का राशिफल

मेष शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा।

वृषभ पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। खान-पान में संतुलन बना कर रखें। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

मिथुन दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। आय के नये स्त्रोत बनेंगे। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है।

कर्क पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। धन लाभ होगा।

सिंह रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा।

तुला आर्थिक योजना सफल होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी रिश्तेदार से तनाव मिल सकता है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

वृश्चिक पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। अधीनस्थ कर्मचारी का सहयोग रहेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

धनु जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। फिजूलखर्ची से बचें अन्यथा कर्ज की स्थिति आ सकती है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन हानि की संभावना है।

मकर दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कुम्भ गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। खान पान में संयम रखें। स्वास्थ्य शिथिल रहेगा। आमोद प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी।

मीन पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। नेत्र विकार की संभावना है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

शून्य भेदभाव दिवस

1 मार्च / लेखक -विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन

प्रतिवर्ष एक मार्च को शून्य भेदभाव दिवस मनाया जाता है। इस दिवस को मनाने का उद्देश्य कानून के समक्ष समानता सुनिश्चित करना है तथा इसे संयुक्त राष्ट्र के सभी देशों में फैलाना है। इस दिवस के माध्यम से किसी भी व्यक्ति के साथ आयु, लिंग,नस्ल, भाषा,रंग और स्वास्थ्य इत्यादि के आधार भेदभाव न करने का सन्देश दिया जाता है।

आज विश्व के प्रत्येक भाग में लिंग, नस्ल, जातीयता, भौगोलिक स्थिति और कई अन्य मुद्दों पर आधारित भेदभाव बढ़ रहा है। लिंग, नस्ल, जातीयता इत्यादि में समानता सुनिश्चित करने की दिशा में कई सरकारें और साथ ही गैर-सरकारी संगठन कार्य कर रहे है। शून्य भेदभाव दिवस का ध्येय कानून के समक्ष असमानता को समाप्त करना है। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) ने सदस्य राज्यों के भीतर विभिन्न लोगों के बीच समानता को बढ़ाने के लिए इस मंच की स्थापना की है।

एचआईवी और एड्स पर संयुक्त राष्ट्र कार्यक्रम (यूएनएड्स) ने एड्स से पीड़ित लोगों के खिलाफ भेदभाव को कम करने के सर्वोच्च प्राथमिकता दी है।

उद्देश्य

शून्य भेदभाव दिवस की स्थापना का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक व्यक्ति की कानून के समक्ष समानता सुनिश्चित करना है। धर्म, नस्ल, लिंग, शैक्षिक पृष्ठभूमि, मूल्य और स्वास्थ्य के आधार पर लोगों से व्यापक भेदभाव किया जाता है। शून्य भेदभाव दिवस के माध्यम से संयुक्त राष्ट्र सदस्य देशों में लोगों को एकजुट करने और उन्हें कानून के समक्ष समान रूप से व्यवहार करने को बढ़ावा देता है। मिथकों और गलत धारणाओं के कारण हाल के वर्षों में एचआईवी और एड्स पीड़ित लोगों के खिलाफ भेदभाव बढ़ रहा है। घृणा हिंसा, नस्लीय भेदभाव, लैंगिक भेदभाव और संप्रदायवाद के मामले लगातार बढ़ रहे है। शून्य भेदभाव दिवस को मनाने का उद्देश्य इन सब भेदभाव के स्वरूपों को समाप्त करना है।

स्वास्थ्य सेवाओं के वितरण में

पेरू और ताजिकिस्तान में कुल एचआईवी पीड़ितों में से 21 % लोगों ने एचआईवी की स्थिति के कारण पिछले 12 महीनों में कम से कम एक बार स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित होने की सूचना दी है।

19 देशों में एचआईवी पीड़ित प्रति 3 महिलाओं में से एक ने पिछले 12 महीनों के भीतर स्वास्थ्य देखभाल अवसंरचना सुविधाओं को प्राप्त करने के क्रम में यौन और प्रजनन स्वास्थ्य से संबंधित भेदभाव के कम से कम एक स्वरूप का अनुभव किया।

कनाडा में नशीली/ मादक पदार्थों का सेवन करने वाली 52 % महिलाओं को पिछले 12 महीने से भेदभाव के कारण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध नहीं हो पाई।

. कार्यस्थल से जुड़े भेदभाव

वैश्विक स्तर पर कोविड-19 के प्रारंभ में जहां एक ओर श्रमिकों ने महामारी की शुरुआत के बाद से 3 .7 ट्रिलियन यूएस डॉलर की कमाई खो दी है, वहीं दूसरी ओर दुनिया के अरबपतियों ने महामारी शुरू होने के बाद से 3 .9 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर प्राप्त किए हैं।

2020 में वैश्विक स्तर पर आधी से कम महिलाओं (46 .9 %) ने वैश्विक कार्यबल में भाग लिया।

वैश्विक स्तर पर पूर्णकालिक आधार पर अवैतनिक देखभाल करने में जहां पुरुषों की भागीदारी 41 मिलियन (1 .5 %) थी वही महिलाओं की हिस्सेदारी 606 मिलियन (2 1 .7 %) रही।

पुरुषों की तुलना में महिलाओं के वेतन में ज्यादा कमी हो रही है। पुरुषों के लिए वेतन में कमी 5 .4 % है तो वहीं महिलाओं में यह 8 .1 % है।

न्याय से जुड़ा भेदभाव

92 देशों में लड़कियां की18 साल की उम्र से पहले शादी कर दिया जाता है एवं 46 देशों में उन्हें एचआईवी के लिए माता-पिता की सहमति की जरूरत होती है।

वैश्विक स्तर पर पिछले वर्ष में 243 मिलियन महिलाओं और लड़कियों को उनके जीवन साथी के द्वारा दुर्व्यवहार किया गया था।

केवल 112 देशों में घरेलू हिंसा के खिलाफ समर्पित विशिष्ट कानून है।

केवल 73 देश स्वास्थ्य देखभाल के लिए प्रवासियों को समान पहुंच प्रदान करते हैं।

लगभग 98 देश 'सेक्स वर्क' से जुड़े किसी न किसी पहलू को अपराध के तहत वर्गीकृत करते हैं।

लगभग 68 देशों (कम से कम) के पास ऐसे कानून हैं जो विशेष रूप से एचआईवी के गैर प्रकटन, प्रकटन या संचरण को अपराध के तहत वर्गीकृत करते हैं।

69 देशों में अभी भी समान लिंग वाले यौन संबंधों को अपराध माना जाता है

17 देशों में ट्रांसजेंडर लोगों के विरुद्ध कानून बनाये गए हैं।

वैश्विक स्तर पर प्रत्येक तीन में से एक महिला ने शारीरिक या यौन हिंसा का अनुभव किया, इनमें से ज्यादातर यौन हिंसा इनके अतरंग साथी/जीवन साथी के द्वारा किया गया ।

कोविद -19 महामारी के प्रकोप के कई रिपोर्टों और अध्ययन से यह पता चलता है कि महिलाओं और लड़कियों पर हिंसा के सभी स्वरूपों के मामले लगातार बढ़ गए हैं विशेष रूप से विशेष रूप से घरेलू हिंसा।

5. पारिवारिक स्तर पर भेदभाव

हर दिन अवैतनिक देखभाल के काम पर 16 बिलियन से अधिक घंटे खर्च किए जाते हैं। उपरोक्त अवैतनिक देखभाल का मूल्य 2 बिलियन लोगों के प्रतिदिन आठ घंटे कार्य पर पाए गए वेतन के समतुल्य हैं। महिलाओं के द्वारा किए जा रहे इस अवैतनिक कार्य का सकल घरेलू उत्पाद में हिस्सा 9 % तक है तो वही इनका मौद्रिक मूल्य लगभग 11 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर के बराबर है।

कोविड-19 महामारी के कारण लॉकडाउन और अन्य रोकथाम उपायों के कारण अनौपचारिक क्षेत्रों में कार्य कर रहे लगभग 1.6 बिलियन लोग प्रभावित हुए हैं।

2020 के अंत में, दुनिया भर में महिलाओं और लड़कियों का लगभग 13 % हिस्सा एवं 469 मिलियन लोग अत्यंत गरीबी में जी रहे हैं।

कोविड-19 से पूर्व की स्थिति में महिलाएं अवैतनिक घरेलू कार्य एवं देखभाल पर औसतन पुरुषों की तुलना में 3 गुना से ज्यादा समय व्यतीत किया।

आपातकालीन और मानविकी सहायता

मानव-प्रेरित जलवायु परिवर्तन के कारण पिछले 20 वर्षों में प्राकृतिक आपदाओं के लगभग दोगुने होने का अनुमान लगाया है।

कम आय वाले देशों में चरम मौसम के कारण होने वाले विस्थापन की संभावना उच्च आय वाले देशों की तुलना में चार गुना से भी अधिक हैं।

चरम जलवायु घटनाओं के कारण 2019 में लगभग 34 मिलियन लोग गंभीर रूप से खाद्य पदार्थों की सुरक्षा का सामना कर रहे हैं। इसके साथ ही मौसम से संबंधित आपदाओं के कारण 140 देशों में लगभग 24 .9 मिलीयन लोगों के विस्थापन होने की संभावना विद्यमान है।

के स्तर पर

कोविड-19 महामारी के कारण पूरे विश्व में 1 .1 बिलियन से अधिक छात्र जून 2020 तक स्कूली शिक्षा से ही बाहर थे एवं इसमें सबसे अधिक लोग उप-सहारा अफ्रीका(184 मिलियन) क्षेत्र से थे।

शिक्षा के क्षेत्र में लैंगिक अंतराल व्यापक रूप से विद्यमान है। लगभग 34 मिलीयन लड़कियां (12 से 14 साल उम्र की 38 % और 15 से 17 साल उम्र की 60 .5 %) ने 2018 में सेकेंडरी स्कूल में प्रवेश नहीं था।

विचार मंथन

गड़े मुर्दे मत उखाड़ो-वैमनस्य पैदा मत करो

(लेखक/-सनत कुमार जैन)

सुप्रीम कोर्ट ने भाजपा नेता और एडवोकेट अश्वनी उपाध्याय को, नसीहत देते हुए कहा, गड़े मुर्दे मत उखाडो, गड़े मुर्दे उखाड़ने से केवल वैमनस्य पैदा होगा। सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति केएम जोसेफ और न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना ने याचिका खारिज करते हुए कहा कि हिंदू संस्कृति में कोई कट्टरता नहीं है। भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश है। इतिहास को लेकर वर्तमान पीढ़ी को परेशान करने की अनुमति नहीं दी जा सकती है। भारत एक धर्मनिरपेक्ष मंच है। हमसे संविधान ओर सभी वर्गों की रक्षा करने की अपेक्षा की जाती है। सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति द्वय ने यह भी कहा हिंदुत्व सिर्फ एक धर्म नहीं जीवन जीने का एक बेहतर तरीका है। हमने सभी संस्कृतियों को आत्मसात कर लिया है। पिछले कुछ वर्षों से गड़े मुर्दे उखाड़ कर हम अपने इतिहास से सबक लेने के स्थान पर, इतिहास को वर्तमान से बदलने का प्रयास कर रहे हैं । जो ना कभी संभव हुआ है, ना कभी संभव होगा। पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह से हजारों और सैकड़ों वर्ष पूर्व की घटनाओं को आधार बनाकर हम गड़े मुर्दे उखाड़ रहे हैं। गड़े मुर्दों की बात करते रहना, और मुर्दों की तरह असंवेदनशील हो जाना, एक तरह से खुद को मुर्दे की स्थिति में ले जाने के बराबर है। भूत कभी वर्तमान नहीं बन सकता है। वर्तमान को भविष्य बनाया जा सकता है। इतिहास हमारा भूत है, इतिहास से हमें सबक लेने की जरूरत है। इतिहास से सबक लेकर वर्तमान और भविष्य की संरचना को मजबूत करते हैं। इतिहास में जो हमें नुकसान या बेहतर हुआ है। उस को आधार बनाकर, हम बेहतर वर्तमान और बेहतर भविष्य सुनिश्चित कर सकते हैं। हम इतिहास से सबक लेना ही नहीं चाहते हैं। इतिहास को बदलने की ताकत कभी किसी में नहीं रही। 2000 साल पुराना ईसाई धर्म है। 1400 साल पुराना इस्लाम धर्म है। 1001 से 1027 के बीच मोहम्मद गजनबी द्वारा 17 बार भारत में आक्रमण किया गया। 1025 में सोमनाथ मंदिर पर आक्रमण किया और मंदिर को लूटा उसके बाद 1175 से लेकर 1206 के बीच में मोहम्मद गोरी का आक्रमण भारत की रियासतों में हुआ। उसके बाद मुगलो की सत्ता बनती चली गई। उस समय भारत की रियासतों में कोई मुस्लिम आबादी नहीं थी। इस्लाम धर्म का प्रचलन भी भारत में नहीं था। विदेशी आक्रमणकारी भारत में आए उन्होंने यहां पर हमला किया और रियासतों पर कब्जा कर लिया। उस समय उनके सैनिकों की संख्या हजारों में भी नहीं होती थी। कई महीनों की यात्रा करके वह भारत तक पहुंचते, और आक्रमण करते थे। तब रियासतों की प्रजा ने कभी अपने राजाओं का साथ नहीं दिया। क्योंकि राजाओं ने अपनी प्रजा का उत्पीड़न किया। आम जनता का संगठन हिंदू राजाओं को नहीं लिया। मुस्लिम आक्रांता राजा बने वह संख्या में बहुत कम थे। उन्होंने प्रजा का संरक्षण हिंदू राजाओं की तूलना में बेहतर किया। जिसके कारण प्रजा के वह लोकप्रिय शासक भी बने। हिंदू रियासत के राजा आपस में लड़ते हुए, खुद मुगलों के मोहरे बने। हमारी धार्मिक एवं सामाजिक व्यवस्थाओं ने हिंदुओं को मुसलमान बनाने का काम किया। हम अपनी मां बेटियों की रक्षा नहीं कर पाए। धार्मिक एवं जातीय आधार पर हुक्का-पानी बंद करके बहिष्कार करते रहे। हमने उन्हें समाज में स्वीकार नहीं किया। गरीबों की मदद नहीं की जिसके कारण धीरे-धीरे वह धर्मपरिवर्तन करने लगे। मुगलों और अंग्रेजों के गुलाब होते चले गए। पिछले 1000 साल के इतिहास से हमें सबक लेने की जरूरत है। मुट्ठी भर मुगल और मुट्ठी भर अंग्रेज कैसे हमारे ऊपर शासन कर पाए। हम अपने ही लोगों का संरक्षण क्यों नहीं कर पाए। हम इतिहास से सबक लेकर वर्तमान और भविष्य को बेहतर बनाने की कोशिश करते तो निश्चित रूप से भारत सारी दुनिया का मार्गदर्शन और नेतृत्व करने की दिशा में आगे बढ़ता। क्योंकि हमारी सनातन परंपरा सभी जीवों को साथ लेकर सभी जीवों को समान अधिकार देकर अपने साथ लेकर चलती है। पिछले कुछ वर्षों से जनसंख्या को आधार बनाकर हम धार्मिक ध्रुवीकरण के आधार पर सत्ता में काबिज होने का जो प्रयास कर रहे हैं । यह मूलत्गलत है। गड़े मुर्दे उखाड़ने पर हम गड़े मुर्दे की तरह असंवेदनशील होंगे। जिस तरह मुर्दे को उठा कर रखना पड़ता है। मुर्दा खुद कोई क्रिया नहीं कर सकता है।

इसी तरीके से हम यदि इतिहास के गड़े मुर्दे उखाड़ कर क्या पाना चाहते है। एक मच्छर को तो हम आसानी से मार नहीं पाते हैं। धार्मिक और सामाजिक आधार पर बंटवारा करके, लड़ाई करके ना तो हम उन्हें कभी हरा पाएंगे, ना कभी उनसे जीत पाएंगे। इस बात का हमें ध्यान रखना ही होगा।

हर परिस्थिति में खुद को रखें कॉन्फिडेंट

नौकरी के दौरान अक्सर एक जैसा काम करते हुए हम ऐसी स्थिति में आ जाते हैं, जिसमें जरा-सा बदलाव भी हमें असहज कर देता है। नौकरी के दौरान अक्सर एक जैसा काम करते हुए हम ऐसी स्थिति में आ जाते हैं, जिसमें जरा-सा बदलाव भी हमें असहज कर देता है। लगातार सुविधापूर्ण स्थिति में आत्ममुग्ध रहना एक तरह से 'असुविधा'' को ही दावत देना है। अगर आप भी कंफर्ट जोन में खुद को 'कंफर्टेबल' मानकर चल रहे हैं, तो वक्त रहते संभल जाएं और ऐसा करके ही आप खुद को हर परिस्थिति में कॉन्फिडेंट रख सकेंगे।

सदाशिव पढ़ाई में अच्छे हैं। दिखने में समझदार। नौकरी जल्द शुरू कर दी थी। कुछ ही साल में अपनी पहचान भी बना ली और एक वरिष्ठ अधिकारी के लिए अलग से काम करके उनका विश्वास भी हासिल कर लिया। इसका उन्हें फायदा भी मिलता रहा। पद और प्रतिष्ठा तो मिली ही, कई बार विदेश जाने का अवसर भी मिला। मगर कई साल ऐसे ही बीतने के कारण सदाशिव आत्ममुग्धता के शिकार होते चले गए। प्रभावशाली अधिकारी का संरक्षण मिला होने के कारण वे खुद को बेहद सुरक्षित महसूस करने लगे। इस बीच उन्हें कई प्रोजेक्ट मिले, पर भरपूर अवसर मिलने के बावजूद किसी में खास प्रभाव छोड़ न पाने के कारण अंतत: वे अपने मूल विभाग में ही बने रहे। यहीं उनसे चूक होती चली गई। अपने मूल विभाग के बॉस से उनकी ट्यूनिंग बनने और प्रगाढ़ होने के बजाय बिगड़ती चली गई लेकिन आत्ममुग्धता और उच्चाधिकारी की शह के कारण उन्होंने इसकी ज्यादा परवाह नहीं की। विभागीय बॉस के उपेक्षापूर्ण नजरिये से ठेस लगने के बावजूद उनका स्वाभिमान नहीं जागा और वे निश्चिंतता के साथ टाइम पास करते रहे। इतना ही नहीं, सोशल साइट्स पर भी वे खूब दिखते और अपनी बेतुकी टिप्पणियों पर खुद ही खुश हो लेते। कुछ समय बाद स्थितियां करवट लेने लगीं। प्रभावशाली अधिकारी का प्रभाव जाता रहा और एक समय ऐसा भी आया, जब उनकी जगह कंपनी में कोई और आ गया। अब सदाशिव को सचेत हो जाना चाहिए था, पर ऐसा हुआ नहीं। उनका रवैया जस का तस बना रहा। वे चाहते, तो अपने विश्वासी अधिकारी के रहते किसी और विभाग या केंद्र या प्रोजेक्ट में अच्छे पद पर शिफ्ट हो सकते थे लेकिन सुविधाजीवी और एकरस जीवन के आदी हो चुके सदाशिव ने ऐसी कोई पहल नहीं की। एक दिन जब उन्हें कुछ गलतियां बताते हुए संस्थान से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया, तब उन्हें एहसास हुआ लेकिन तब उनके पास संभलने और सुधरने का मौका नहीं था।

भंवर है कंफर्ट जोन

सदाशिव की सच्ची कहानी महज एक उदाहरण है। आपको अपने संस्थान या दूसरी संस्थाओं, विभागों में ऐसे कई लोग मिल जाएंगे, जो कंफर्ट जोन में समय बिताते हुए खुश दिखेंगे। कई लोग यह भी कहते मिल जाएंगे कि अरे भाई, नौकरी तो सुरक्षित है ही, फिर काम की टेंशन में क्यों परेशान रहें! दरअसल, ऐसे लोग यह नहीं सोचते कि इस प्रकार का रवैया रखकर वे खुद के नुकसान की ही नींव रख रहे हैं। स्थितियां हमेशा एक-सी नहीं रहतीं। जो लोग काम से जी चुराते हैं, नया सीखने-जानने में दिलचस्पी नहीं रखते, कभी पहल करके कोई काम नहीं करते, कोई काम कहने पर समाधान के बजाय तमाम तरह की समस्याएं ही गिनाने बैठ जाते हैं, टीम मेंबर्स से भी जिन्हें ढेरों शिकायतें होती हैं, सही मायने में उनका करियर हमेशा दांव पर लगा होता है। ऐसे लोगों को जब कभी कोई काम सौंपा जाता है, तो वे उसमें इतना विलंब कर देते हैं या फिर उसे इतना उलझा देते हैं कि बॉस को आगे उन्हें काम न देने के बारे में सोचना पड़ जाता है। ऐसे लोग अपनी इस कथित रणनीति पर भले ही खुश होते हों पर जरा सोचें, क्या वह बॉस कभी उनकी प्रशंसा-अनुशंसा करेगा और जब कभी डिमोशन न कर दिया गया या इंक्रिमेंट रोक लिया गया या फिर छंटनी की स्थिति में उनका नाम ही आगे बढ़ा दिया गया, तो फिर क्या उन्हें संस्थान और बॉस की आलोचना का अधिकार होना चाहिए

उपयोगिता करें साबित

आप निजी कंपनी में काम कर रहे हों या फिर सरकारी सेवा में हों, छोटे पद पर हों या बड़े पद पर, अगर आप अपने पद की जरूरतों के अनुसार खुद की उपयोगिता साबित करने का प्रयास नहीं करते, तो एक-न-एक दिन आपको जरूर नुकसान हो सकता है। अगर आप समय रहते नहीं चेतते, तो फिर आप किसी को दोष भी नहीं दे सकते। आपको कोई भी जिम्मेदारी दी जाती है, उसे उत्साह के साथ पूरा करने का प्रयास करें। अगर आपको लगता है कि उसमें बॉस से और समझने की या किसी सहयोगी की मदद लेने की जरूरत है, तो विनम्रता के साथ सहयोग लें। आपके प्रयास की गंभीरता स्पष्ट नजर आनी चाहिए। अगर आप छोटे-से-छोटे काम को भी सतर्कता के साथ बहुत अच्छी तरह पूरा करते हैं, तो निश्चित रूप से इससे आपकी छवि बेहतर होगी।

हर दिन हो नया

अगर आप एकरस जीवन से बचना और खुश रहना चाहते हैं, तो अपने काम को एंजॉय करना होगा। निष्ठा ईमानदारी से काम करेंगे, तो ज्यादा कुछ मिले-न मिले, भरपूर सुकून जरूर मिलेगा। यह आपका सबसे बड़ा रिवॉर्ड होगा। इसके अलावा गलतियों से सबक लेने, कमियों को दूर करने और हमेशा कुछ नया सीखने की ललक रखेंगे, तो आपके आत्मविश्वास का स्तर ऊंचा रहेगा और आप मुश्किल से मुश्किल काम को भी उत्साह और हौसले से कर सकेंगे। इस राह पर चलकर तरक्की की सीढ़ियां भी चढ़ते जाएंगे।

ग्रेजुएशन के बाद अमेरिका में जॉब

हाल ही में ग्रेजुएशन करने वालों के लिए अमेरिका में काम करने के लिए दो ऑप्शन हैं : ऑप्शनल प्रेक्टिकल ट्रेनिंग (ओपीटी) तथा एच1बी वीसा। ओपीटी ऐसे ताजा ग्रेजुएट्स के लिए एक कार्यक्रम है, जो अपनी पढ़ाई की फील्ड में कार्य अनुभव पाना चाहते हैं। इसके लिए दो शर्तें पूरी करना जरूरी है : पहली यह कि आपकी ओपीटी जॉब का सीधा संबंध आपकी डिग्री से होना चाहिए। मसलन, यदि आपने इलेक्ट्रिकल इंजीनियर के रूप में डिग्री ली है, तो आप शेफ के रूप में नौकरी नहीं कर सकते। दूसरी शर्त यह है कि आपने जहां से डिग्री प्राप्त की है, वहां का कोई अधिकारी ओपीटी प्रोग्राम के लिए आपका नाम प्रस्तावित करे। इसलिए यह जरूरी है कि आप जहां से पढ़ाई कर रहे हैं, उस संस्थान के संपर्क में रहें और उससे अच्छे संबंध रखें। आम तौर पर ओपीटी 1 साल के लिए ही होता है। मगर यदि आपने साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग या गणित में डिग्री ली है, तो आप ओपीटी को अतिरिक्त 17 महीनों के लिए बढ़वा सकते हैं। एच1बी वीसा ऐसे लोगों के लिए है, जो किसी स्पेशिएलिटी ऑक्युपेशन में काम करते हैं। यह एक पिटिशन-बेस्ड वीसा है, यानी आपकी ओर से आपकी कंपनी इसके लिए यूएस सिटिजनशिप एंड इमिग्रेशन सर्विसेज (यूएससीआईएस) के समक्ष आवेदन करेगी। एच1बी वीसा प्राप्त करने के लिए आपको किसी यूएस एम्बेसी या कॉन्सुलेट में इंटरव्यू के लिए आना पड़ेगा। एच1बी वीसा पर आप अमेरिका में 3 साल तक काम कर सकते हैं। इसकी अवधि बढ़वाने के विकल्प भी हैं मगर कुल मिलाकर आप एच1बी वीसा पर अमेरिका में अधिकतम 6 वर्ष तक ही काम कर सकते हैं।

आपको ऊंचाइयों पर ले जाएंगे ये करियर ऑप्शन

आज हम आपको बताने जा रहे हैं गणित में 8 ऐसे करियर ऑप्शन जो आपको ऊंचाइयों पर ले जाएंगे।

छात्रों के बीच गणित विषय को कठिन विषय समझा जाता है, इसका नाम सुनते ही बहुत से छात्र दूर भागते हैं। परंतु यदि प्रारंभ से ही गणित विषय को सही प्रकार से हैंडिल किया जाए तो आपकी गणित पर अच्छी पकड़ हो सकती है। गणित विषय का अर्थ केवल जोड़ना, घटाना, गुणा और भाग देना नहीं है। इस विषय में उच्च शिक्षा लेकर करियर की अपार संभावनाएं हैं। गणित विषय मनुष्य की ज्ञान की एक उपयोगी तथा आकर्षक शाखा है। इसमें अध्ययन के कई क्षेत्रों को शामिल किया गया है। भारत में प्राचीन काल से ही गणित की एक सुदृढ़ परंपरा रही है। प्राचीन काल के कई गणितज्ञों आर्यभट्ट, वराह मिहिर, महावीराचार्य, ब्रह्मगुप्त, श्रीधराचार्य इत्यादि ने तथा आधुनिक काल में डॉ गणेश प्रसाद, प्रोफेसर बीएन प्रसाद, श्रीनिवास रामानुजन इत्यादि ने गणित की सुदृढ़ नींव रखी है।

इकोनॉमिस्ट

एक इकोनॉमिस्ट आर्थिक रुझानों का अन्वेषण करके मूल्यांकन करता है। भविष्य को लेकर पूर्वानुमान जारी करता है। वह विभिन्न विषयों जैसे महंगाई, कर, ब्याज दर, रोजगार का स्तर आदि का डेटा संग्रह करता है। उस पर अनुसंधान करता है और विश्लेषण करता है। अर्थशास्त्री बनने के लिए गणित विषय को जरूरी माना जाता है। एक अर्थशास्त्री बनने के लिए अर्थशास्त्र में बैचलर डिग्री होना और गणित पर अच्छी पकड़ होना आवश्यक है। इसके बाद अर्थशास्त्र, इकोमेट्रिक्स, ऐप्लाइड इकोनॉमिक्स में पोस्ट ग्रेजुएट की डिग्री होना चाहिए।

सॉफ्टवेयर इंजीनियर

सॉफ्टवेर इंजीनियरिंग के छात्रों के करियर की नीव शुरू ही गणित के ज्ञान से होती है। सॉफ्टवेयर इंजीनियरों का काम सॉफ्टवेयर डिजाइन करना और उसे डेवलप करना होता है। इस काम में छात्रों को कम्प्यूटर साइंस के साथ-साथ मैथ्स की थ्योरी और उनके सिद्धांतों का प्रयोग करना पड़ता है। इस क्षेत्र में एक्सपर्ट छात्रों के लिए बहुत अच्छे विकल्प मौजूद है तथा अगले 10 वर्षों में इस क्षेत्र में काफी संभावनाएं आने वाली हैं जो छात्रों के हित में मददगार साबित होंगे।

स्टैटिस्टिक्स

गणित पर जिनको महारत हासिल है उनके लिए स्टैटिस्टिक्स में कैरियर बनाना बहुत अच्छा विकल्प है। सांख्यिकीविद को डाटा का विश्लेषण करना, परिणामों को पाइ चार्ट्स, बार ग्राफ, टेबल के रूप में प्रस्तुत करने का काम करना होता है। हेल्थ केयर, शिक्षा सहित कई क्षेत्रों में सांख्यिकीविद की काफी मांग होती है। सांख्यिकीविद बनने के लिए आपके पास मैथमेटिक्स स्टैटिस्टिक्स में स्नातक की डिग्री या फिर स्टैटिस्टिक्स में पोस्ट ग्रेजुएट की डिग्री होनी चाहिए।

चार्टर्ड एकाउंटेंट

चार्टर्ड एकाउंटेंट बनने का पहला रूल ही गणित में दक्ष होना है। क्योंकि चार्टर्ड एकाउंटेंट यानि कि सीए का पूरा काम एकाउंटिंग, ऑडिटिंग और टैक्सेशन से जुड़ा होता है। अर्थवव्यवस्था में तेजी से वृद्धि के चलते फाइनेंस और एकाउंट से जुड़े क्षेत्रों में करियर के काफी स्कोप जुड़ते जा रहे हैं जो गणित में रूचि रखने वाले छात्रों के लिए एक अच्छा करियर विकल्प का मार्ग है।

ऑपरेशन रिसर्च एनालिस्ट

इससे जुड़े काम को एप्लाइड मैथ्स और फॉर्मल साइंस की एक शाखा के रूप में ही समझा जाता है। इसमें आधुनिक लॉजिकल विधियों जैसे की स्टैटिस्टिकल एनालिसिस और मैथमेटिकल ऑप्टिमाइजेशन का प्रयोग किया जाता है। ऑपरेशन रिसर्च एनालिस्ट इन्हीं आधुनिक विधियों कि मदद से मैनेजर को सही निर्णय लेने और समस्याओं के समाधान के लिए सुझाव प्रदान करते है।

बैंकिंग

अगर आपकी गणित में अच्छी पकड़ है तो आप बैंकिंग क्षेत्र में आप एकाउंटेंट, कस्टमर सर्विस, फ्रंट डेस्क, कैश हैंडलिंग, एकाउंट ओपनिंग, करंट एकाउंट, सेविंग एकाउंट, लोन प्रोसेसिंग ऑफिसर, सेल्स एग्जीक्यूटिव, रिकवरी ऑफिसर के प्रोफाइल्स के लिए भी कोशिश कर अपना भविष्य बना सकते है क्यूंकि इन सभी में मैथमेटिकल स्किल्स का होना जरूरी है।

मैथमेटिशियन

अगर आप मैथ को दिल से प्यार करते हैं और इसमें सबसे ज्यादा माहिर हैं, तो मैथमेटिशियन बनना आपके लिए सबसे बेस्ट होगा। यह ऐसे प्रोफेशनल्स होते हैं जो मैथ्स के बुनियादी क्षेत्र का अध्ययन या रिसर्च संबंधी कार्य करते हैं। इसके अलावा ये लॉजिक, ट्रांसफार्मेशन, नंबर आदि समस्याओं का निर्धारण करते हैं। इस क्षेत्र में भी मैथ्स का ज्ञान होना बहुत जरूरी है तथा इस क्षेत्र में छात्र अच्छा मुकाम हासिल कर सकते हैं।

कम्प्यूटर सिस्टम एनालिस्ट

कम्प्यूटर सिस्टम एनालिस्ट आईटी टूल्स का उपयोग करते हुए किसी भी एंटरप्राइजेज को लक्ष्य पूरा करने में मदद पहुंचाते हैं। यदि आपको गणित का ज्ञान नहीं तो आप आगे नहीं बढ़ सकते और इसी के विपरीत यदि आपका गणित के प्रति रुझान है तो आप आसानी से अपने काम को पूरा कर सकते हैं। ज्यादातर सिस्टम एनालिस्ट अपना काम कम्प्यूटर और सॉफ्टवेयर के जरिए करते हैं तथा इसे ठीक तरह से समझने के लिए गणित पहली नींव है।

उत्साह और जुनून के साथ देशभक्ति
वायु सेना में करियर

भारतीय वायु सेना में करियर बनाने के लिए ऊर्जावान, उत्साही युवाओं की हमेशा मांग रहती है। क्या आप इस प्रोफाइल में फिट बैठते हैं। एयर फोर्स, यानी वायु सेना में करियर को प्रतिष्ठित माना जाता है और युवाओं में यह खासा लोकप्रिय भी है। इस फील्ड में यदि आप करियर बनाते हैं, तो आपका नाता देश सेवा, नवीनतम टेक्नोलॉजी और उत्कृष्ट शारीरिक मानसिक कौशल से होगा।

भारतीय वायु सेना को ऐसे युवाओं की जरूरत है, जो ऊर्जावान हों, पैशनेट हों, उत्साही हों और जो अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हों। मगर ध्यान रहे, एयर फोर्स का हिस्सा होने में खासे परिश्रम की जरूरत होती है। इसकी चयन प्रक्रिया बहुत कड़ी है। इसमें प्रेक्टिकल टेस्ट, रिटन टेस्ट, फिजिकल तथा मेडिकल टेस्ट, सायकोलॉजिकल टेस्ट, इंटरव्यू, ग्रुप टास्क आदि शामिल होते हैं।

कैसे हों शामिल

भारतीय वायु सेना में शामिल होने के लिए आपको राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) की प्रवेश परीक्षा में बैठना होगा। यदि आपकी उम्र साढ़े 16 साल से 19 साल है, आप भारतीय नागरिक हैं और आपने फिजिक्स तथा मैथ्स विषयों के साथ 12वीं पास की है, तो आप इस परीक्षा में बैठ सकते हैं। चयन के बाद उम्मीदवारों को राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में 3 साल की गहन ट्रेनिंग दी जाती है। इसकी समाप्ति पर एयर फोर्स अकादमी में स्पेशलाइज्ड ट्रेनिंग होती है। ग्रेजुएट भी एयर फोर्स का हिस्सा बन सकते हैं। आरंभिक चयन के बाद शॉर्ट-लिस्ट किए गए उम्मीदवारों को एयर फोर्स ट्रेनिंग संस्थान में भेजा जाता है।

कौन-कौन सी ब्रांच

एयर फोर्स में करियर के अवसरों को मोटे तौर पर तीन श्रेणियों में बांटा जा सकता है : फ्लाइंग ब्रांच, टेक्निकल ब्रांच तथा ग्राउंड ड्यूटी ब्रांच।

फ्लाइंग ब्रांच

इस ब्रांच में विभिन्न श्रेणियों के पायलटों का चयन कर उन्हें प्रशिक्षित किया जाता है। इस ब्रांच में आकर आपको उड़ान भरने के भरपूर मौके मिलेंगे। इसमें हैलिकॉप्टर पायलट, फाइटर पायलट तथा ट्रांसपोर्ट पायलट के रूप में ग्रेजुएट्स तथा पोस्ट ग्रेजुएट्स के लिए अनेक अवसर हैं। पायलट ट्रेनिंग हैदराबाद से 43 किलोमीटर दूर डंडीगल स्थित एयर फोर्स एकेडमी में दी जाती है। इस ब्रांच में शामिल होने के बाद आपको आपके डेजिग्जनेशन, ट्रेनिंग व अनुभव के आधार पर विभिन्न मिशनों का हिस्सा बनाया जाएगा।

टेक्निकल ब्रांच

एयर फोर्स की टेक्निकल ब्रांच अत्याधुनिक विमानों तथा शस्त्रों के सही संचालन को सुनिश्चित करती है। यह विमानों के मेंटेनेंस तथा सर्विसिंग और एयर फोर्स स्टेशन पर कम्युनिकेशन तथा सिग्नल से संबंधित कार्यों को करने के लिए क्रमश: मैकेनिकल तथा इलेक्ट्रॉनिक्स विभागों से एयरोनॉटिकल इंजीनियर्स को नियुक्त करती है।

ग्राउंड ड्यूटी ब्रांच

यह ब्रांच मानव तथा अन्य संसाधनों का प्रबंधन कर वायु सेना का संचालन करती है। दरअसल यह एक ब्रांच न होकर इसमें अनेक ब्रांच समाहित हैं, जैसे : एडमिनिस्ट्रेशन ब्रांच, जिसके अधिकारी समस्त संसाधनों के कुशल प्रबंधन को सुनिश्चित करते हैं। इसके कुछ अधिकारी एयर ट्रैफिक कंट्रोलर व फ्लाइट कंट्रोलर के रूप में भी काम करते हैं। इसी प्रकार अकाउंट्स ब्रांच में अकाउंट्स संबंधी तमाम काम किए जाते हैं। लॉजिस्टिक्स ब्रांच के अधिकारियों को कपड़ों से लेकर विमानों के पुर्जों तक तमाम तरह के सामान का प्रबंधन करना होता है। एजुकेशन ब्रांच के अधिकारी भविष्य के वायु सैनिकों को अच्छी से अच्छी शिक्षा तथा प्रशिक्षण सुनिश्चित करते हैं। मीटियॉरोलॉजी ब्रांच के अधिकारी उड़ान भर रहे पायलटों को गाइड कर उनकी उड़ान सुरक्षित करने में मदद करते हैं।

रुपया तेजी के साथ बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को रुपया बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 15 पैसे उछलकर 82.64 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 82.69 पर खुला। कारोबार के अंत में रुपया अपने पिछले बंद भाव की तुलना में 15 पैसे की बढ़त के साथ ही 82.64 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान रुपया 82.63 के उच्चस्तर और 82.75 के निचले स्तर पर पहुंचां। वहीं गत कारोबारी सत्र में रुपया 82.79 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। वहीं इसी बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.03 फीसदी ऊपर आकर 104.70 पर कारोबार कर रहा था। इस दौरान ब्रेंट क्रूड 0.75 फीसदी बढ़कर 83.07 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा।

मिरेकल जीआर और डीएक्स जीआर एडिशन लांच

बेंगलुरु । बेंगलुरु स्थित युलु बाइक प्राइवेट लिमिटेड ने बजाज ऑटो के साथ पार्टशिप के तहत मिरेकल जीआर और डीएक्स जीआर एडिशन को लांच किया है। इन एडिशन को बनाने में प्रयोग हुए पार्टस को स्थानीय रुप से तैयार किया है। ये नए स्कूटर्स एआई-लीड तकनीक द्वारा संचालित है। कंपनी का कहना है कि इन स्कूटर्स को खासतौर पर भारतीय कंज्यूमर्स, क्लाइमेट और सड़क की स्थिति को देखकर तैयार किया गया है। दावा है कि ये इन नए इलेक्ट्रिक स्कूटर्स से ज़्यादा रेंज और परफार्मेंस हासिल की जा सकती है। इस मौके पर युलु के संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमित गुप्ता ने कहा, बजाज ऑटो के साथ हमारी साझेदारी इस सामान्य दृष्टि से पैदा हुई थी और यह लांच शेयर्ड मोबिलिटी स्पेस में मार्केट लीडर के रूप में हमारी स्थिति को और मजबूत करेगा।

जोमैटो ने अपना कमीशन बढ़ने का किया फैसला

मुंबई । ऑनलाइन फूड डिलीवरी कंपनी जोमैटो ने अपना कमीशन कुछ प्वाइंट बढ़ाने का फैसला किया हैं। तब कई रेस्टोरेंस्ट्स के बीच फैसले को लेकर नाराजगी दिख रही है। खबरों के मुताबिक, नुकसान के कारण जौमेटो अपना टेक रेट को बढ़ाने और प्रॉफिट कमाने की कोशिश कर रही है। जिसकी वजह से कंपनी कई शहरों के रेस्टोरेंट्स से बातचीत शुरू कर रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इसके पीछे कंपनी का कहना है कि कोरोना महामारी के कारण कमीशन कम ही रखा गया था और इसके अलावा ऑफलाइन से ऑनलाइन बने रेस्टोरेंट्स को भी फूड डिलीवरी में बदलाव देखने को मिल सके। बता दें कि इन्हीं कारणों की वजह से कंपनी ने अपनी प्रतिद्वंदी स्विगी से 4-6 फीसदी अंक कम प्रतिशत अंकों की पेशकश की थी। हालांकि, रेस्टोरेंट्स के मालिक कंपनी की इन दलीलों को मानने को अभी तैयार नहीं है। मुंबई के एक रेस्टोरेंट्स मालिक ने कहा कि अगर जोमैटो कुछ रेस्टोरेंट्स के लिए कमीशन प्वाइंट में बढ़ोतरी करना चाहता है, तब कंपनी को उन जगहों के लिए भी कॉन्ट्रैक्ट्स को दोबारा खोलना चाहिए, जहां ये रेट शायद स्विगी से भी ज्यादा हैं।

भारत को एक वैश्विक वाहन विनिर्माण केंद्र बनाने में जुटी मोदी सरकार : गडकरी

नई दिल्ली । (एजेंसी)

मोदी सरकार भारत को एक वैश्विक वाहन विनिर्माण केंद्र बनाने की दिशा में जुट हुई है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने जयपुर में टाटा मोटर्स की वाहन कबाड़ सुविधा का वर्चुअल तरीके से उद्घाटन करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि निकट भविष्य में घरेलू वाहन उद्योग 15 लाख करोड़ रुपए का होगा। गडकरी ने कहा कि वाहन उद्योग फिलहाल देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 7.1 प्रतिशत का योगदान देता है। उद्योग का आकार अभी 7.8 लाख करोड़ रुपए है। गडकरी ने कहा, ''वाहन क्षेत्र प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से करीब चार करोड़ लोगों को रोजगार देता है। यह आंकड़ा 2025 तक बढ़कर पांच करोड़ होने की उम्मीद है। मैं देश को दुनिया का पहले नंबर का वाहन विनिर्माण केंद्र बनाने पर काम कर रहा हूं। भविष्य में इस उद्योग का आकार 15 लाख करोड़ रुपए का होगा। वहीं गडकरी ने कहा कि वाहन कबाड़ नीति से पुराने वाहनों को हटाने और चरणबद्ध तरीके से कम प्रदूषण वाले नए वाहनों को लाने में मदद मिली है। उन्होंने कहा,

ऐसा अनुमान है कि कबाड़ नीति से वाहनों की जो मांग पैदा होगी उससे सरकार को 40,000 करोड़ रुपए का अतिरिक्त माल एवं सेवा कर (जीएसटी) राजस्व मिलेगा। नई कारों के लिए कच्चे माल की लागत 30 प्रतिशत घटेगी। उन्होंने बताया कि भारत अभी सालाना 80 लाख टन कबाड़ इस्पात का आयात करता है। गडकरी ने कहा, करीब 50-60 कबाड़ केंद्रों से इस्पात कबाड़ की आयात मांग घटेगी और भारत इस क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन सकेगा।

सोने और चांदी की कीमतें नीचे आयीं

नई दिल्ली । घरेलू बाजार में मंगलवार को सोने और चांदी की कीमतें गिरी हैं। यह गिरावट अंतरराष्ट्रीय बाजार के के प्रभाव से आई हैं। राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोना 110 रुपये कम होकर 55,550 रुपये प्रति 10 ग्राम पहुंच गया। वहीं गत कारोबारी सत्र में सोना 55,660 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। दूसरी ओर चांदी भी 550 रुपये फिसलकर 63,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंची। वहीं दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना गिरावट के साथ ही 1,808 डॉलर प्रति औंस जबकि चांदी नीचे आकर 20.47 डॉलर प्रति औंस रह गयी। बाजार जानकारों के अनुसार एशियाई कारोबार में डॉलर में आई शुरुआती गिरावट से बाजार पर दबाव पड़ा इससे सोने की कीमतों पर विपरीत प्रभाव पड़ा है।

5जी तकनीक स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा, कृषि और आपदा प्रबंधन के क्षेत्रों में गेंमचेजर होगी

वेबिनार को संबोधित कर रिलायंस जियो के प्रमुख आकाश अंबानी ने कहा

मुंबई । देश की सबसे बड़ी दूरसंचार कंपनी रिलायंस जियो के प्रमुख आकाश अंबानी ने कहा कि उच्च गति वाली 5जी प्रौद्योगिकी स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा, कृषि और आपदा प्रबंधन के क्षेत्रों का कायाकल्प करने में मददगार साबित होगी। अंबानी ने बजट प्रस्तावों पर आयोजित एक वेबिनार में कहा कि अत्याधुनिक दूरसंचार नेटवर्क प्रौद्योगिकी शहरों को स्मार्ट बनाने के साथ समाज को सुरक्षित बनाने में भी अहम भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि देश में 5जी प्रौद्योगिकी की शुरुआत होने के छह महीनों में ही यह दूरदराज के इलाकों तक पहुंचने लगी है। उन्होंने कहा कि सिर्फ जियो ने ही देश के 277 शहरों में 5जी नेटवर्क पर आधारित 'ट्रू 5जी सेवा' शुरू कर दी है। हम दिसंबर के अंत तक देश के हर कस्बे और तहसील तक 5जी सेवा की पेशकश करने का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं। इसके लिए हर महीने हम अपना 5जी नेटवर्क विस्तार करने में जुटे हुए हैं।'' आकाश ने कहा कि 5जी नेटवर्क की पहुंच दूरदराज के इलाकों तक होने का देश की अर्थव्यवस्था पर बहुत गहरा असर देखने को मिलेगा। उन्होंने कहा, 5जी हमारे शहरों को स्मार्ट और समाज को सुरक्षित बनाएगी। इससे आपातकालीन सेवाओं को भी त्वरित और उद्योग को अधिक सक्षम बनाया जा सकेगा।''उन्होंने कहा कि 5जी प्रौद्योगिकी से लैस एंबुलेंस न सिर्फ दूर रहते हुए भी आपातकालीन मदद पहुंचाने में मदद मिलेगी बल्कि अस्पतालों को बिना कोई समय गंवाए फौरन मरीज की स्थिति के बारे में चिकित्सकीय जानकारी भेजी जा सकेगी। इसके अलावा यह प्रौद्योगिकी नए शैक्षणिक अनुप्रयोगों को भी प्रोत्साहन देगी।

भारत की अपनी इलेक्ट्रिक एसयूवी नेक्सॉन ईवी 'सबसे तेज' के2के ड्राइव का रिकॉर्ड बनाने के लिये तैयार

मुंबई । भारत की अग्रणी ऑटोमोबाइल निर्माता और भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों के विकास में सबसे आगे रहने वाली, टाटा मोटर्स ने आज यह घोषणा की है कि इसकी इलेक्ट्रिक एसयूवी नेक्सॉन ईवी श्रीनगर से कन्योकुमारी तक की एक चुनौतीपूर्ण यात्रा पर निकलेगी। 25 फरवरी को नेक्सॉ न ईवी 4 दिनों की एक नॉन-स्टॉप ड्राइव (स्टॉ प केवल उसकी चार्जिंग के लिये होंगे) पर निकलकर 4000 किलोमीटर का रास्ताक तय करेगी और एक ईवी द्वारा सबसे तेज के2के ड्राइव का रिकॉर्ड बनाएगी। टाटा मोटर्स ने तनाव मुक्तन अनुभव के लिये नेक्सॉरन ईवी की रेंज को बढ़ाकर 453 किलोमीटर कर दिया है, जबकि टाटा पावर ने देशभर में हाइवे चार्जिंग इंफ्रा को व्यॉवस्थित ढंग से बढ़ाया है ताकि पब्लिक चार्जिंग सब जगह मौजूद है और इस तक आसानी से पहुंचा जा सके।

इस यात्रा में, नेक्सॉगन ईवी मौसम की कठोर परिस्थितियों और भारतीय उपमहाद्वीप के कई सारे कठिन क्षेत्रों से होकर गुजरेगी। इस गतिविधि का लक्ष्य तेज गति और लंबी दूरी वाली यात्रा के प्रबंधन में नेक्सॉन ईवी की क्षमता दिखाना और देशभर में मौजूद पब्लिक चार्जिंग के नेटवर्क पर रोशनी डालना है।

इस रोमांचक यात्रा पर अपनी बात रखते हुए, टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड में मार्केटिंग, सेल्स और सर्विस स्ट्रैटेजी के हेड श्री विवेक श्रीवत्सक ने कहा, "चूंकि ईवी एक नई विकसित होती टेक्नोटलॉजी है, इसलिये असल दुनिया और वास्तटविक समय की स्थितियों में इसकी क्षमताएं और संभावनाएं दिखाना महत्वनपूर्ण है। नेक्सॉ न ईवी के साथ इस महत्वातकांक्षी यात्रा का निर्धारण कर हम ईवी के मौजूदा और संभावित मालिकों के लिये नेक्सॉ न ईवी की लंबी रेंज के फायदों का प्रमाण देकर उन्हें प्रेरित करना चाहते हैं। इसमें सहयोग देने के लिये टाटा पावर के हमारे इकोसिस्टजम पार्टनर्स द्वारा इंस्टॉपल किया गया चार्जिंग स्टेवशंस का एक बढ़ता नेटवर्क भी है।

हम नेक्सॉवन ईवी के साथ इस रोमांचक यात्रा की शुरूआत करते हुए उत्साहित हैं और 453 किलोमीटर की बढ़ी हुई रेंज प्रदान कर रहे हैं, जिसमें ऑटो प्रेमियों, ईवी पर भरोसा करने वालों और मेरे सहटकर्मियों की एक टीम और मैं यथासंभव सबसे कम समय में उत्तर से दक्षिण भारत तक 4000 किलोमीटर का रास्ताा तय करेंगे। हमारा लक्ष्यह प्रतिदिन 1000 किलोमीटर चलना है और मुझे विश्वातस है कि नेक्सॉ न ईवी हवा से बातें करेगी। मुझे यकीन है कि इस के2के ड्राइव से भारत में ईवी को अपनाने में बोतरी होगी और इसे खरीदारों के लिये मुख्यसधारा का विकल्प बनाएगी।"

अपनी निहित क्षमताओं और 'कहीं भी जाने' वाली सोच के साथ नेक्सॉ न ईवी इस महत्वसपूर्ण यात्रा के लिये सबसे बयिा साथी है, क्योंकि यह ड्राइविंग के रोचक और सुगम अनुभव के साथ तेजतर्रार प्रदर्शन करती है। यह न सिर्फ ज्यादा रेंज और पावर की पेशकश करती है, बल्कि फास्टव चार्जिंग को सपोर्ट भी करती है और बिना किसी परेशानी के लंबी दूरी की यात्रा को बावा देती है।

हाई वोल्टेदज वाली अत्याधुनिक ज़िपट्रॉन टेक्नोटलॉजी से पावर्ड नेक्सॉ न ईवी आराम, विश्वकसनीयता, प्रदर्शन, टेक्नोंलॉजी और चार्जिंग के स्त्ंभों पर बनी है। ज़िपट्रॉन ईवी आर्किटेक्च भारत के विविधतापूर्ण और चुनौतीपूर्ण इलाकों में संचालित हुआ है और 800 मिलियन किलोमीटर से ज्याडदा की दूरी के लिए प्रमाणित है।

एस्सार ब्रिटेन और भारत में करेगी 3.6 अरब डॉलर का निवेश

- हरित हाइड्रोजन और अमोनिया उत्पादन से संबंधित परियोजनाएं शामिल

नई दिल्ली ।

एस्सार समूह ब्रिटेन और भारत में कम कॉर्बन उत्सर्जन की ऊर्जा बदलाव परियोजनाओं में अगले पांच साल के दौरान 3.6 अरब डॉलर के निवेश करने पर`` विचार कर रही है। इनमें हरित हाइड्रोजन और अमोनिया उत्पादन से संबंधित परियोजनाएं भी हैं। एस्सार समूह ने ऊर्जा, धातु और खनन, बुनियादी ढांचा तथा प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में निवेश किया हुआ है। समूह ने ब्रिटेन में उत्तर-पश्चिम इंग्लैंड में एक प्रमुख ऊर्जा बदलाव केंद्र के निर्माण के लिए एस्सार एनर्जी ट्रांजिशन (ईईटी) के गठन की घोषणा की है। कंपनी ने कहा` कि ईईटी की योजना अगले पांच साल में कम कार्बन ऊर्जा बदलाव की परियोजनाओं की श्रृंखला के विकास में कुल 3.6 अरब डॉलर का निवेश करने की है। इनमें से 2.4 अरब डॉलर का निवेश समूह स्टैनलो में अपनी सुविधा पर लिवरपूल और मैनचेस्टर के बीच और 1.2 अरब डॉलर का निवेश भारत में करेगा। इन परियोजनाओं में ब्रिटेन में वर्टेक्स हाइड्रोजन की एक गीगावॉट की ब्लू हाइड्रोजन परियोजना, ब्रिटेन और अंतरराष्ट्रीय बाजारों पर केंद्रित एक गीगावॉट की हरित अमोनिया सुविधा और 10 लाख टन कम कॉर्बन के जैवईंधन का विकास शामिल है। वर्टेक्स ब्रिटेन में एस्सार की स्टैनलो रिफाइनरी परिसर में एक हाइड्रोजन विनिर्माण इकाई बना रही है। इस संयुक्त उद्यम में एस्सार ऑयल ब्रिटेन की 90 प्रतिशत हिस्सेदारी है। यह उद्यम 2026 से दो इकाइयों से प्रतिवर्ष एक गीगावॉट हाइड्रोजन का उत्पादन करेगा। ब्रिटेन की प्रोग्रेसिव एनर्जी की वर्टेक्स में शेष 10 प्रतिशत हिस्सेदारी है। एस्सार कैपिटल के निदेशक प्रशांत रुइया ने कहा` कि ईईटी को पेश करना एस्सार की ब्रिटेन को कम कॉर्बन वाली ऊर्जा में आगे लाने की दीर्घावधि की प्रतिबद्धता का हिस्सा है। हम ब्रिटेन में कम कॉर्बन वाले भविष्य के ईंधन के उत्पादन के जरिये ऊर्जा बदलाव को आगे बढ़ाने को लेकर रोमांचित हैं।

वेदांता ग्रुप के डॉलर बॉन्ड्स में भारी गिरावट

मुंबई । वेदांता के डॉलर बॉन्ड्स में भारी गिरावट दर्ज की गई है, जिसका सीधा असर इसके शेयर को प्रभो वित करेगा। इधर सरकार ने अनिल अग्रवाल को उनके इंटरनेशनल जिंक एसेट को अपनी सब्सिडियरी हिंदुस्तान जिंक को बेचने से रोक दिया है। ये डील 2.98 बिलियन डॉलर यानी करीब 24,500 करोड़ रुपए में होने जा रही थी। सरकार ने इस ट्रांजैक्शन को आगे बढ़ाने पर कानूनी कार्रवाई करने की बात कही है। हिंदुस्तान जिंक में सरकार की लगभग 30 फीसदी हिस्सेदारी है। कंपनी का डॉलर बॉन्ड अप्रैल 2026, मार्च 2025 और अगस्त 2024 में देय 20 जनवरी से 17 फीसदी से 19 फीसदी के बीच आ गया है। 2024 के चलते 13.87 फीसदी नोट देय 13.5 फीसदी तक लुढ़का है। अरबपति अनिल अग्रवाल के स्वामित्व वाली वेदांता देश की बड़ी मेटल कंपनियों में से एक है। ब्लूमबर्ग के आंकड़ों के मुताबिक, लंदन स्थित वेदांता रिसोर्सेज के पास अगले 4 सालों में 4.7 अरब डॉलर के बांड मैच्योर हो रहे हैं, जिसमें 2023 की पहली छमाही में 90 करोड़ डॉलर बकाया है। पिछले महीने, हिंदुस्तान जिंक ने यूनिट, टीएचएल जिंक लिमिटेड मॉरीशस को 18 महीनों में अलग-अलग चरणों में 2.98 अरब डॉलर में अपनी मूल इकाई से खरीदने पर सहमति व्यक्त की थी। इस कदम को 2020 में वेदांता लिमिटेड को डीलिस्ट करने के असफल प्रयास के बाद अनिल अग्रवाल द्वारा वेदांता रिसोर्सेज के कर्ज में कटौती का प्रयास माना गया था। केंद्र सरकार ने कहा कि वो आम बैठक (ईजीएम) में प्रस्ताव के खिलाफ मतदान करेगी।

एसी और कूलर निर्माताओं के चेहरे खिले

भारी गर्मी से बिक्री में वृद्धि को लेकर तैयारियां शुरू

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

भारत में इस वर्ष गर्मी जल्दी आएगी। तेज गर्मी पड़ेगी। फरवरी के माह में अधिकांश राज्यों में पारा 35 के ऊपर पहुंच गया है। इसको लेकर एसी और कूलर के निर्माता इस साल अपने व्यापार को लेकर काफी आशान्वित हैं। इन्हें उम्मीद है कि पिछले साल की तुलना में इस साल 25 फ़ीसदी तक ज्यादा व्यवसाय होगा।एसी निर्माताओं ने कम बिजली खपत वाले एसी, एयर प्यूरीफायर और स्मार्ट सुविधाओं वाले एसी तैयार करना शुरू कर दिए है। बड़े पैमाने पर उत्पादन भी बढ़ा दिया गया है। इस वर्ष की गर्मी को देखते हुए रेफ्रिजरेटर और कूलर जैसे उत्पादों की बिक्री में 20 से 25 फ़ीसदी की वृद्धि होने की संभावना है। सभी राष्ट्रीय, बहुराष्ट्रीय कंपनियों के साथ-साथ लघु उद्योग निर्माताओं ने भी उत्पादन बढ़ाना शुरू कर दिया है। एसी, कूलर, फ्रिज जैसे उत्पादों की मांग होलसेल विक्रेताओं की शुरू हो चुकी है। जिसके कारण कंपनियों ने अभी से अपने प्रोडक्शन को लेकर विशेष ध्यान देना शुरूकर दिया है। इस साल कूलर की मांग भी काफी बड़े पैमाने पर होगी। भारतीय बाजार में बड़े अत्याधुनिक कूलर की मांग बड़ी तेजी के साथ बढ़ रही है। शादी विवाह और अन्य सार्वजनिक

कार्यक्रमों में बड़े कूलर की मांग पिछले दो-तीन वर्षों से बढ़ती ही जा रही है। स्थानीय स्तर पर कूलर निर्माताओं द्वारा कूलर का उत्पादन बड़े पैमाने पर करने की, तैयारी की जा रही है।

अमेरिका-ब्रिटेन के बाद अब कनाडा में टिकटाक पर प्रतिबंध

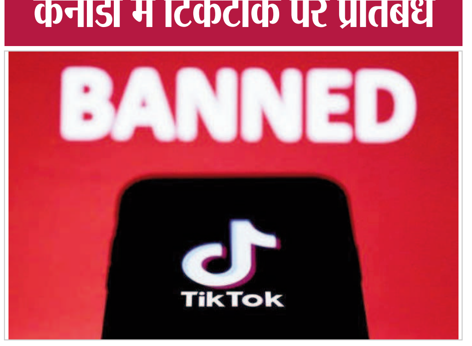

वाशिंगटन । (एजेंसी)

व्हाइट हाउस ने संघीय एजेंसियों को सभी सरकारी उपकरणों से 'टिकटॉक' को पूरी तरह हटाने के लिए 30 दिन का समय दिया है। वहीं कनाडा ने सरकार के सभी मोबाइल उपकरणों में 'टिकटॉक' पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है।चीन की इस वीडियो ऐप को लेकर बढ़ती सुरक्षा चिंताओं के बीच ये फैसले किए गए हैं। अमेरिका में प्रबंधन एवं बजट कार्यालय ने हाल ही में जारी किए गए दिशानिर्देशों को संवेदनशील सरकारी डेटा के लिए ऐप द्वारा पेश किए जा रहे जोखिमों को दूर करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है। रक्षा मंत्रालय, गृह मंत्रालय और विदेश मंत्रालय सहित कुछ एजेंसियां पहले ही इस पर प्रतिबंध लगा चुकी हैं। दिशानिर्देशों में संघीय सरकार की बाकी एंजेसियों को 30 दिन के भीतर इसे पूरी तरह हटाने को कहा गया है। व्हाइट हाउस पहले से ही अपने उपकरणों पर 'टिकटॉक' के इस्तेमाल की अनुमति नहीं देता है। चीन की इंटरनेट प्रौद्योगिकी कंपनी 'बाइटडांस लिमिटेड' की ऐप 'टिकटॉक' बेहद लोकप्रिय है और अमेरिका में करीब दो-तिहाई किशोरों द्वारा इसका इस्तेमाल किया जाता है। वहीं कनाड के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने सरकार द्वारा जारी सभी मोबाइल उपकरणों पर टिकटॉक के प्रतिबंध की घोषणा करते हुए कहा कि यह कार्रवाई महज शुरुआत है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि जिस तरह से सरकार ने सभी संघीय कर्मचारियों को यह बताने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाया है कि वे अब अपने काम के फोन पर टिकटॉक का इस्तेमाल नहीं कर सकते हैं, ऐसे कई अन्य कनाडाई अपने स्वयं के डेटा की सुरक्षा पर विचार करेंगे और शायद यही विकल्प चुनें।

अडानी ग्रुप का मार्केट कैप रेकॉर्ड स्तर तर गिरा!

- शेयरों में लग रहे लोअर सर्किट, अडानी ग्रुप की 10 कंपनियों में से तीन को भारी नुकसान हुआ

नई दिल्ली । (एजेंसी)

शेयर बाजार में अडानी ग्रुप के शेयरों में रोज गिरावट आ रही है। अमेरिकी रिसर्च फर्म हिंडनबर्ग की रिपोर्ट 24 जनवरी 2023 को आई थी। इसके बाद से अडानी ग्रुप के शेयरों में बिकवाली का दबाव देखा जा रहा है। अडानी ग्रुप के शेयरों में रोज गिरावट देखी जा रही है। पिछले एक महीने में अडानी ग्रुप का मार्केट कैप रेकॉर्ड स्तर तक गिर चुका है। बाजार में अडानी ग्रुप की हिस्सेदारी भी कम हुई है। बीते सोमवार 27 फरवरी को अडानी ग्रुप का मार्केट कैप 19.2 लाख करोड़ रुपए से लुढ़कर 6.8 लाख करोड़ रुपए तक गिर गया है। बाजार मूल्य में कुल नुकसान करीब 150 अरब डॉलर हो चुका है। अडानी ग्रुप की 10 कंपनियों में से तीन को भारी नुकसान हुआ है। इनमें अडानी टोटल गैस, अडानी ग्रीन एनर्जी और अडानी ट्रांसमिशन शामिल हैं। इन तीन कंपनियों के मार्केट कैप में पिछले एक महीने में 75 फीसदी से ज्यादा की गिरावट आई है। वहीं समूह की प्रमुख कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज को 65 फीसदी का नुकसान हुआ है। अडानी ग्रुप के शेयरों में करीब 30,100 करोड़ रुपए का इक्विटी एक्सपोजर रखने वाली एलआईसी अब इस पोर्टफोलियो में घाटे का सामना कर रही है। एलआईसी के शेयर भाव पर इस खबर का दबाव भी है। बीते सोमवार को एलआईसी के शेयर अब तक के सबसे निचले स्तर 566 पर पहुंच गए थे। अडानी ग्रुप की 10 कंपनियों में, अडानी टोटल गैस के शेयर की कीमत 85 फीसदी गिरावट के निशान के सबसे करीब है। 24 जनवरी 2023 को 3,885 रुपए से सोमवार के बंद भाव पर यह 81.6 फीसदी की गिरावट के साथ 716 रुपए पर था। यह कंपनी समूह के बाजार मूल्य पर सबसे बड़ा दबाव भी रही है। एक महीने से कुछ अधिक समय में अदानी टोटल गैस का मार्केट कैप करीब 3.5 लाख करोड़ रुपए घटकर 78,741 करोड़ रुपए रह गया है।

ईपीएफओ ने अधिक पेंशन का विकल्प चुनने की तारीख तीन मई तय की

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

उच्चतम न्यायालय ने अपने फैसले में कहा था कि एक सितंबर, 2014 की तारीख में कर्मचारी पेंशन योजना (ईपीएस) के सदस्य रहे कर्मचारियों को अपना अंशदान बढ़ाकर वास्तविक वेतन का 8.33 प्रतिशत करने का अवसर मिलेगा। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने अपने अंशदाताओं को अधिक पेंशन का विकल्प चुनने के लिए तीन मई तक का समय दिया है। ईपीएफओ ने यह कदम उच्चतम न्यायालय के चार नवंबर, 2022 के फैसले को ध्यान में रखते हुए उठाया है। उच्चतम न्यायालय ने अपने फैसले में कहा था कि एक सितंबर, 2014 की तारीख में कर्मचारी पेंशन योजना (ईपीएस) के सदस्य रहे कर्मचारियों को अपना अंशदान बढ़ाकर वास्तविक वेतन का 8.33 प्रतिशत करने का अवसर मिलेगा। उच्चतम न्यायालय ने अधिक पेंशन का विकल्प चुनने के लिए

कर्मचारियों को चार महीने का वक्त भी दिया था। वह समयसीमा तीन मार्च, 2023 को खत्म होने वाली थी, लेकिन ईपीएफओ ने पिछले हफ्ते ही ईपीएस के बारे में विकल्प चुनने की प्रक्रिया शुरू की थी, लिहाजा इसकी समयसीमा बढ़ा दी गई है।

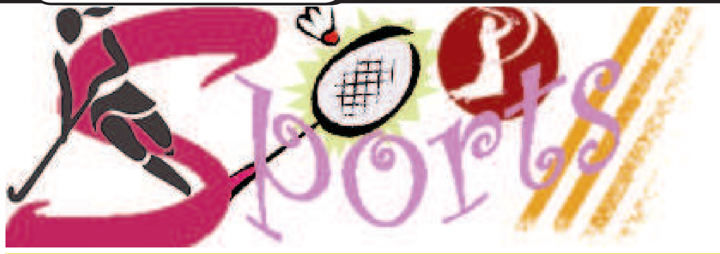

Mexican Open : कैस्पर रूड टूर्नामेंट के दूसरे दौर में

मैक्सिको सिटी। दूसरी वरीयता प्राप्त कैस्पर रूड ने अर्जेंटीना के क्वालीफायर गुइडो आंद्रेओजी को 6-4, 4-6, 7-6 (2) से हराकर मैक्सिको ओपन टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दौर में प्रवेश किया। रूड अब तक तीन खिताब जीत चुके हैं और वह 2022 में फ्रेंच ओपन और अमेरिकी ओपन के फाइनल में पहुंचे थे। वह दूसरी बार मैक्सिको ओपन में भाग ले रहे हैं। दो साल पहले वह यहां क्वार्टर फाइनल में पहुंचे थे। रूड अगले दौर में टारो डेनियल से भिड़ेंगे जिन्होंने जेजे वोल्फ को 6-4, 6-4 से हराया। एक अन्य मैच में चौथी वरीयता प्राप्त होल्गर रून ने बेन शेल्टन को 6-7 (7), 6-4, 6-2 से हराया। उनका अगला मुकाबला नूनो बोर्गेस या निक चैपल से होगा। टेलर फ्रिट्ज, टॉमी पॉल, डेनिस शापोवालोव, माइकल ममोह, फेलिसियानो लोपेज और फ्रांसिस टियाफो ने भी अपने अपने मैचों में जीत हासिल की।

भारत-ऑस्ट्रेलिया तीसरा टेस्ट आज से

सीरीज जीतकर डब्ल्यूटीसी फाइनल में जगह बनाने उतरेगी भारतीय टीम

इंदौर ।(एजेंसी)

यहां होल्कर स्टेडियम में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बुधवार से बॉर्डर-गावस्कर सीरीज का तीसरा क्रिकेट टेस्ट मैच शुरु होगा। भारतीय टीम इस मैच को जीतकर सीरीज के साथ ही विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में अपनी जगह पक्की करने उतरेगी। भारतीय टीम अभी 2-0 से इस सीरीज में आगे है। भारतीय टीम ने नागपुर और दिल्ली टेस्ट में बड़ी जीत दर्ज की है जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। वहीं दूसरी ओर मेहमान ऑस्ट्रेलियाई टीम अब तक टूर्नामेंट में विफल रही है। ऐसे में उसपर वापसी का भारी दबाव रहेगा। वहीं भारतीय टीम का इस मैदान पर भी अच्छा रिकार्ड रहा है। इससे वह जीत की प्रबल दावेदार नजर आ रही है। दूसरी ओर मेहमान ऑस्ट्रेलियाई टीम अब तक बल्लेबाजी और गेंदबाजी में विफल रही है। ऐसे में उसे सीरीज में वापसी के लिए काफी प्रयास करना होगा। भारतीय टीम इस मैच में खराब फॉर्म से जूझ रहे लोकेश राहुल को ही रखती है या युवा शुभमन गिल को अवसर देती है यह देखना होगा। अब तक के संकेतों के अनुसार राहुल को अपने को साबित करने का एक और अवसर मिल सकता है। इस सीरीज में भारतीय टीम की ओर से अब तक केवल एक शतक कप्तान रोहित शर्मा ने लगाया है। ऐसे में अब चेतेश्वर पुजारा और विराट कोहली जैसे प्रमुख बल्लेबाजों को भी रन बनाने होंगे। गेंदबाजी की बात करें तो अभी तक इस इस सीरीज में भारतीय स्पिनर हावी रहे हैं। रविंद्र जडेजा, रविचंद्रन अश्विन और अक्षर पटेल की गेंदों के सामने कंगारु टिक नहीं पाये हैं और ये तीनों ही इस सिलसिले को बनाये रखना चाहेंगे। इन तीनों ने ही गेंदबाजी के साथ ही काफी रन भी बनाये हैं। निचले क्रम में हालांकि उनसे नियमित रूप से रन बनाने की उम्मीद नहीं की जा सकती है ऐसे में शीर्ष क्रम को रनों की जिम्मेदारी उठानी होगी। भारतीय स्पिनरों के खिलाफ स्वीप शॉट खेलने की ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों की रणनीति पूरी तरह से विफल रही पर भारतीय बल्लेबाजों ने प्रतिद्वंद्वी स्पिनरों के खिलाफ पारंपरिक तरीका अपनाया और उन्हें इसका फायदा भी मिला। रोहित का फुटवर्क शानदार रहा तो वहीं कोहली भी बल्लेबाजी के दौरान सहज दिखे। अपने 100वें टेस्ट की दूसरी पारी में चेतेश्वर पुजारा ने नाबाद 31 रन की पारी खेली जिससे उनका आत्मविश्वास बढ़ा हुआ होगा। होलकर स्टेडियम में टर्न और उछाल कम होने की संभावना है। इंदौर में ऑस्ट्रेलियाई टीम में कई बदलाव के साथ मैदान पर उतरेगी। कप्तान पैट कमिंस के निजी कारणों से स्वदेश लौटने के बाद टीम की कमान अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ को मिली है। एश्टन अगर, जोश हेजलवुड और डेविड वॉर्नर भी चोट के कारण स्वदेश लौट आए हैं। ऐसे में तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क और ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन की वापसी तय नजर आ रही है। इस सीरीज में स्पिनरों को मिल रही सहायता को देखते हुए टीम नाथन लियोन, टॉड मर्फी और मैथ्यू कुहनेमैन के रूप में तीन विशेषज्ञ स्पिनरों के साथ मैदान में उतर सकती है

भारतीय स्पिनरों के खिलाफ स्वीप शॉट लगाने में मिली असफलता को देखते हुए ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज अश्विन और जडेजा के खिलाफ स्वीप शॉट खेलने की जगह पारंपरिक तरीके से बल्लेबाजी करेंगे। इन दोनों गेंदबाजों के दबदबे का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि अक्षर को इन दो टेस्ट मैचों में केवल 26 ओवर गेंदबाजी करने का मौका मिला है। वॉर्नर की गैरमौजूदगी में उस्मान ख्वाजा के साथ ट्रेविस हेड पारी की शुरुआत करेंगे। ख्वाजा ने दिल्ली में पहली पारी में 81 रन बनाये थे जबकि दूसरी पारी में हेड ने भारतीय स्पिनरों के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाकर दबाव कम करने का प्रयास किया था।

आईसीसी ने शुभमन को जनवरी माह का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी घोषित किया

दुबई ।(एजेंसी)

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट बार्ड (आईसीसी) ने भारतीय टीम के बल्लेबाज शुभमन गिल को महीने का सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर घोषित किया है। शुभमन के साथ सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर की दौड़ में तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और न्यूजीलैंड टीम के बल्लेबाज डेवॉन कॉनवे भी शामिल थे। शुभमन ने जनवरी महीने में कुल 5 टी20 और सात एकदिवसीय मुकाबले खेलकर कुल 643 रन बनाए हैं। एकदिवसीय में इस बल्लेबाज ने कुल 567 रन बनाए, जिसमें एक दोहरा शतक, दो शतक और एक अर्धशक शामिल है हालांकि पांच टी20 में उनके नाम केवल 76 रन ही हैं। शुभमन ने जनवरी महीने का सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर बनने की दौड़ में अपने ही देश के तेज गेंदबाज सिराज और बल्लेबाज कॉनवे को पीछे छोड़ा। शुभमन के साथ इन दोनों खिलाड़ियों को भी जनवरी माह के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के अवॉर्ड के लिए नामांकित किया गया था पर शुभमन का प्रदर्शन सबसे अच्छा रहा। सिराज का भी पिछले महीने शानदार प्रदर्शन रहा है। सिराज ने जनवरी महीने में 5 एकदिवसीय मुकाबले खेलकर कुल 14 विकेट अपने नाम किए थे।

अनुपमा ने आकर्षी को हराकर पहली बार जीता महिला एकल चैंपियन का खिताब

पुणे । अनुपमा उपाध्याय ने सीनियर राष्ट्रीय बैडमिंटन चैंपियनशिप 2023 के गलाकाट फाइनल मुकाबले में मंगलवार को आकर्षी कश्यप को मात देकर पहली बार महिला एकल का खिताब जीत लिया। विश्व जूनियर नंबर तीन अनुपमा ने रोमांचक खिताबी मुकाबले में पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए आकर्षी को 20-22, 21-17, 24-22 से मात दी। आकर्षी ने मैच की मज़बूत शुरुआत करते हुए पहला गेम जीत लिया, जिसके बाद अनुपमा ने दूसरे गेम में हल्के हाथ से खेलते हुए ब्रेक तक 11-6 की बढ़त ले ली। अनुपमा ने ब्रेक के बाद भी ड्रॉप-शॉट खेलने जारी रखे और गेम 21-17 से जीतकर मैच को निर्णायक गेम में पहुंचा दिया। तीसरे गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच टक्कर देखने को मिली, हालांकि ब्रेक तक अनुपमा ने आकर्षी पर दबाव बनाकर इंटरवल तक 11-8 की बढ़त बना ली। आकर्षी ने वापसी करते हुए गेम को 19-19 से बराबरी पर ला दिया, लेकिन अनुपमा ने कोर्ट पर बेहतर फुटवर्क से आकर्षी को नेट पर आने पर मजबूर कर दिया। नतीजतन, आकर्षी ने दो मैच पॉइंट गंवाये और अनुपमा ने इसका लाभ लेकर राष्ट्रीय महिला एकल चैंपियन का ताज अपने सिर सजा लिया।

वानखेड़े स्टेडियम में प्रतिमा लगना मेरे लिए सुखद आश्चर्य : सचिन

मुम्बई ।(एजेंसी)

महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर को सम्मानित करने के लिए मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) उनकी प्रतिमा वानखेड़े स्टेडियम में लगाने जा रहा है। यह भारतीय क्रिकेट के इतिहास में पहली बार ऐसा होगा जब किसी क्रिकेटर की प्रतिमा मैदान में लगाई जाएगी। यह प्रतिमा सचिन के 50वें जन्मदिन पर वानखेड़े स्टेडियम में स्थापित की जाएगी। इसको लेकर यह महान क्रिकेटर भी हैरान है। सचिन ने कहा, अच्छा, यह एक सुखद आश्चर्य है। अध्यक्ष काले और अन्य समिति के सदस्य थोड़ी देर में हमारे साथ आने वाले हैं। हम यहां एक जगह की पहचान करने आए हैं। यह विचार मेरे साथ साझा किया गया था और जैसा कि मैंने कहा यह एक सुखद आश्चर्य है। मेरा करियर यहीं से शुरू हुआ था और यह एक बड़े चक्र के पूरा होने जैसा है। उन्होंने कहा, यह अविश्वसनीय यादों के साथ एक यात्रा रही है और मेरे क्रिकेटिंग करियर का सबसे अच्छा क्षण यहां आया था जब हमने 2011 में विश्व कप जीता था। वह बहुत समय पहले हुआ था जब आचरेकर सर ने मुझे फटकार लगाई थी। इसके बाद मैं एक गंभीर क्रिकेटर बन गया। पिछला अंतरराष्ट्रीय मैच मैंने इसी मैदान पर खेला था, इसलिए यह मेरे लिए बहुत खास और शानदार क्षण है। गौरतलब है कि वानखेड़े स्टेडियम में सचिन के नाम पर एक स्टैंड है और मैडम तुसाद में उनकी मोम की प्रतिमा 2009 में स्थापित की गई थी, जिससे वह अपने 36 वें जन्मदिन पर संग्रहालय में प्रतिकृति प्राप्त करने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी हैं। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) के अध्यक्ष ने कहा, यह वानखेड़े स्टेडियम में पहली प्रतिमा होगी, हम तय करेंगे कि इसे कहां रखा जाएगा। तेंदुलकर भारत रत्न हैं और हर कोई जानता है कि उन्होंने क्रिकेट के लिए क्या किया है। जब वह 50 वर्ष के हो जाएंगे, तो यह एमसीए से सराहना का एक छोटा सा प्रतीक होगा। मैंने उनसे तीन हफ्ते पहले बात की थी और उनकी सहमति प्राप्त हुई थी। तेंदुलकर का वानखेड़े स्टेडियम में शानदार रिकॉर्ड रहा है। उन्होंने 11 एकदिवसीय मैचों में 41.36 की औसत से 455 रन बनाए, जिसमें एक शतक और तीन अर्द्धशतक शामिल हैं।

संक्षिप्त समाचार

राहुल को उपकप्तानी से हटाना किसी प्रकार का संकेत नहीं : रोहित

इंदौर । भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि लोकेश राहुल का उपकप्तानी से हटाने का यह मतलब नहीं है कि उन्हें बाहर किया जा रहा है। तीसरे टेस्ट से पहले रोहित ने कहा कि प्रबंधन खिलाड़ियों का समर्थन करता रहेगा। रोहित और शुभमन गिल ने मंगलवार को वैकल्पिक अभ्यास में साथ-साथ नेट्स पर बल्लेबाजी की जबकि राहुल ने टीम के अधिकांश सदस्यों के साथ होटल में रहने का फैसला किया। गिल और राहुल दोनों ने सोमवार को ट्रेनिंग सत्र के दौरान एक साथ बल्लेबाजी की थी। 47 टेस्ट के बाद राहुल का औसत 33.4 का है, जबकि शुभमन ने सीमित ओवरों के क्रिकेट में जमकर रन बनाये हैं। इसके बाद से ही वह टेस्ट में अवसर का इंतजार कर रहे हैं। राहुल, जो अपनी पिछली 10 टेस्ट पारियों में केवल 25 रन बनाने के कारण दूसरे टेस्ट के बाद उप-कप्तान के रूप में हटा दिया गया, जिसके बाद माना जा रहा था कि उन्हें अगले दो टेस्ट में जगह नहीं मिलेगी। रोहित ने कहा, मैंने पिछले मैच के बाद भी इसके बारे में बात की थी। जो खिलाड़ी कठिन समय से गुजर रहे हैं, उन्हें अपनी क्षमता को देखते हुए अपने को साबित करने के लिए पर्याप्त समय दिया जाएगा। मैं आपको कुछ नहीं बता सकता। उस समय वे उपकप्तान थे। किसी का उपकप्तान होना और ना होना, आपको किसी भी तरह के संकेत नहीं देता है। उन्होंने आगे कहा, हां, यह बात है कि शीर्ष क्रम ने अभी तक उतने रन नहीं बनाए हैं, जितनी उम्मीद की जा रही थी, लेकिन हमारी कोशिश है कि शीर्ष स्तर पर क्वालिटी लाई जाए, जिसका परिणाम जरूर मिलेगा।

स्मिथ और लाबुशेन पर ही निर्भर नहीं रहे ऑस्ट्रेलियाई टीम: मैकग्रा

चेन्नई । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज ग्लेन मैकग्रा ने कहा कि उनकी टीम ने बल्लेबाजी की जिम्मेदारी स्टीव स्मिथ और मार्नस लाबुशेन पर ही छोड़ दी है। मैकग्रा के अनुसार अगर उनकी टीम को जीत हासिल करनी है तो सभी खिलाड़ियों को रन बनाने होंगे। उन्होंने कहा कि सभी बल्लेबाजों को एक ईकाई के तौर पर खेलना होगा। भारतीय टीम इस सीरीज में पहले दो मैच जीतकर सीरीज में 2-0 से आगे है। मैकग्रा ने कहा, 'मुझे लगता है कि ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजी स्मिथ और लाबुशेन पर ही टिकी नजर आती है जो सही नहीं है। ट्रेविस हेड ने इस साल अच्छा प्रदर्शन किया है ओर वह भी रन बनाएंगे। टीम को अगर वापसी करनी है तो सभी को एकजुट होकर खेलना होगा।' उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि बल्लेबाज भारत में स्पिन से निपटने की अपनी रणनीति पर वे जमे नहीं रह पाये। पहले टेस्ट में उनकी बल्लेबाजी बहुत रक्षात्मक थी जबकि दूसरे टेस्ट में टीम ने जरुरत से ज्यादा आक्रामक रुख अपनाया जबकि उन्हें बीच का रास्ता निकाल कर क्रीज पर अधिक समय बिताने पर ध्यान देना था।' मैकग्रा ने साथ ही कहा कि तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड, मिचेल स्टार्क और हरफनमौला कैमरून ग्रीन के नहीं रहने से भी गेंदबाजी प्रभावित हुई है।

डब्ल्यूपीएल में बेहतर प्रदर्शन कर टीम में वापसी का प्रयास करेंगी पूनम

मुम्बई ।(एजेंसी)

स्पिनर पूनम यादव ने कहा है कि महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) से न केवल युवा प्रतिभाओं को एक मंच मिलेगा बल्कि इससे अनुभवी खिलाड़ियों को भी टीम में वापसी का अवसर मिलेगा। पूनम भी इस लीग में बेहतर प्रदर्शन कर राष्ट्रीया टीम में अपनी वापसी का प्रयास करेंगी। इस स्पिनर के अनुसार डब्ल्यूपीएल भारतीय महिला क्रिकेट को अगले स्तर पर ले जाएगा। पूनम ने अंतिम बार पिछले साल मार्च में बांग्लादेश के खिलाफ एकदिवसीय मैच में भारतीय टीम की ओर से खेला था। उन्हें प्रीमियर लीग के के लिए दिल्ली कैपिटल्स ने 30 लाख रुपए में खरीदा हैं। पूनम ने कहा, अनुभवी खिलाड़ी राष्ट्रीय टीम में वापसी करने के लिए डब्ल्यूपीएल के प्रदर्शन को जरिया बना सकते हैं। इसके साथ ही इसमें युवाओं को टूर्नामेंट में अपनी प्रतिभा दिखाने का भी अवसर मिलेगा। हम इस लीग में विदेशी खिलाड़ियों से भी सीख सकते हैं और वे भी हमसे सीखेंगे। डब्ल्यूपीएल भारतीय क्रिकेट को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा। वहीं दिल्ली कैपिटल्स की 18 सदस्यीय टीम में मेग लैनिंग जैसी खिलाड़ी भी हैं। इसके अलावा इस टीम के पास दक्षिण अफ्रीका की तेज गेंदबाज ऑलराउंडर मरिजाने कप्प के साथ-साथ शैफाली वर्मा और जेमिमाह रोड्रिग्स की स्टार भारतीय बल्लेबाजी जोड़ी भी है।जम्मू-कश्मीर की एक क्रिकेटर जसिया अख्तर ने लैनिंग और कैप के साथ खेलने की संभावना पर उत्साह व्यक्त किया। वहीं ऑलराउंडर अरुंधति रेड्डी, जो आखिरी बार जुलाई 2021 में इंग्लैंड के खिलाफ एक टी20 में भारत के लिए खेली थीं, वह भी अंतरराष्ट्रीय सितारों के साथ खेलने के अवसर का इंतजार कर रही हैं।

मारकंडे की जगह ईरानी कप के लिए शेष भारत की टीम में मुलानी शामिल

मुंबई । मयंक मारकंडे के चोटिल होने के कारण ऑलराउंडर शम्स मुलानी को ईरानी कप के लिए शेष भारत टीम में शामिल किया गया है। अखिल भारतीय सीनियर चयन समिति ने कहा है कि मयंक अब टूर्नामेंट में नहीं खेल पायेंगे और उनकी जगह मुलानी को अवसर दिया गया है। मारकंडे को अभ्यास के दौरान यह चोट लगी थी। शेष भारत का मुकाबला इस टूर्नमेंट में रणजी विजेता रही मध्य प्रदेश टीम से 1 से 5 मार्च तक ग्वालियर के कप्तान रूप सिंह स्टेडियम में होगा। ईरानी कप में शेष भारत की कमान मयंक अग्रवाल करेंगे। इससे पहले टीम की कप्तानी बल्लेबाज सरफराज खान को मिली थी पर वह हल्के फ्रैक्चर के कारण बाहर हो गये थे। सरफराज अभी दिल्ली कैपिटल्स के प्री-आईपीएल कैंप में हैं। टीम में अन्य खिलाड़ियों की बात करें तो बंगाल के तेज गेंदबाज मुकेश कुमार और आकाश दीप भी टीम में शामिल हैं। बाएं हाथ के स्पिनर सौरभ कुमार को शेष भारत ने शामिल किया है। वहीं दूसरी ओर रजत पाटीदार मध्य प्रदेश की कप्तानी करेंगे।

शेष भारत टीम : मयंक अग्रवाल (कप्तान), अभिमन्यु ईश्वरन, यशस्वी जायसवाल, यश ढुल, बाबा इंद्रजीत, उपेंद्र यादव (विकेटकीपर), अतीत सेठ, सौरभ कुमार, हार्विक देसाई, नवदीप सैनी, मुकेश कुमार, चेतन सकारिया, आकाश दीप, शम्स मुलानी , पुलकित नारंग, सुदीप कुमार घरामी।

सूर्याकुमार नहीं , टिम की तरह बल्लेबाजी करना चाहते हैं आजम

लाहौर । पाकिस्तान में जारी पीमियर लीग क्रिकेट (पीएसएल) में शानदार बल्लेबाजी कर रहे आजम खान भारत के आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव नहीं बल्कि टिम डेविड से प्रभावित हैं और उन्हीं की तरह से खेलना चाहते हैं। पूर्व विकेटकीपर मोइन खान के बेटे आजम ने पीएसएल में इस्लामाबाद यूनाइटेड की तरफ से खेलते हुए कराची किंग्स के खिलाफ 28 गेंद में ही 44 रन बना दिये। इसके बाद उन्होंने सरफराज अहमद की कप्तानी वाली क्वेटा ग्लैडियटर्स के खिलाफ केवल 42 गेंदों पर 97 रन बनाये। आजम ने अपनी इस तेज पारी में 9 चौके और 8 छक्के के लगाये। पीएसएल 2023 के 4 मैचों में ही आजम ने 184.44 के स्ट्राइक रेट से 166 रन बनाये हैं। वह अपनी टीम के शीर्ष स्कोरर भी हैं.आजम ने कहा, मैं जिस नंबर पर बल्लेबाजी करता हूं उसमें हालात कठिन होते हैं। या तो 40 पर 4 आउट हुए होते हैं या अंतिम कुछ ओवर ही बचे होते हैं। या फिर 160-180 पर 2 आउट होते हैं। इन हालात में आपको मैच फिनिश करना होता है। इसलिए मैं प्रयास करता हूं कि टीम को मेरी बल्लेबाजी से लाभ मिले। आजकल जिस क्रिकेटर से मैं प्रभावित हूं वो टिम हैं, जो फ्रेंचाइजी क्रिकेट में काफी सफल रहे हैं। टिम बड़े शॉट खेलते हैं। मुझे उनका बल्लेबाजी का तरीका पसंद है क्योंकि मैं भी उसी क्रम पर खेलता हूं जबकि सूर्यकुमार शीर्ष या मध्य क्रम में उतरते हैं।

पेरिस में फीफा ने महिला फुटबॉल के लिए सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को अवार्ड दिये। इसके तहत क्रिस्टीयन एंडरल , लुसी ब्रांज सहित कई खिलाड़ियों को अवार्ड दिये गये।

मेसी और पुटेलस फीफा पुरस्कारों में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए

पेरिस।(एजेंसी)

विश्व कप चैंपियन अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेसी ने किलियन एम्बाप्पे और करीम बेंजेमा को पछाड़ कर फीफा (फुटबॉल संघों का अंतरराष्ट्रीय महासंघ) सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी (2022) का पुरस्कार अपने नाम किया। महिला वर्ग में स्पेन की अलेक्सिया पुटेलस ने लगातार दूसरे वर्ष सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार जीता। कतर में एम्बाप्पे की टीम फ्रांस के खिलाफ रोमांचक फाइनल में अर्जेंटीना को विश्व कप का खिताब दिलाने वाले मेसी ने सोमवार रात को आयोजित कार्यक्रम में पिछले 14 साल में सातवीं बार फीफा पुरस्कार हासिल किया। उन्होंने अपने रिकॉर्ड पांचवें प्रयास में विश्व कप का खिताब जीता था। फीफा के 211 सदस्य देशों के कोच और कप्तान के साथ चुने पत्रकारों और प्रशंसकों की समिति ने इन तीन खिलाड़ियों की अंतिम सूची को चुना था। फीफा पुरस्कार के मतदान में मेसी को 52 अंक, विश्व कप के गोल्डन बॉल विजेता एम्बाप्पे को 44 और बेंजेमा को 34 अंक मिले। पिछले दो साल में फीफा पुरस्कार जीतने वाले रॉबर्ट लेवांडोव्स्की और दिग्गज क्रिस्टियानो रोनाल्डो को इस साल के पुरस्कार के लिए 14 खिलाड़ियों की शुरुआती सूची में जगह नहीं मिली थी। मेसी ने इसके साथ ही 16वीं बार पुरुषों की सर्वश्रेष्ठ एकादश में जगह बनाकर रोनाल्डो के साथ साझा किए गए रिकॉर्ड को तोड़ा दिया। इस टीम में बेल्जियम के थिबाउट कोर्टोइस, मोरक्को के अशरफ हकीमी, पुर्तगाल के जोआओ कैंसेलो, नीदरलैंड के वर्जिल वैन डिज्क, बेल्जियम के केविन डी ब्रुइन, क्रोएशिया के लुका मोड्रिच, ब्राजील के कासेमीरो, नॉर्वे के एर्लिंग हालांड और फ्रांस के एम्बाप्पे तथा बेंजेमा शामिल है। पुटेलस ने अमेरिका की एलेक्स मॉर्गन और इंग्लैंड की बेथ मीड को पछाड़कर यह पुरस्कार जीता।

मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर गुजरात साइंस सिटी में साइंस कार्निवल 2023 का शुभारंभ कराया

अहमदाबाद। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने हमारी आने वाली पीढ़ी को आगामी समय की टेक्नोलॉजी से सुसज्ज करने के लिए गूगल जैसी विश्वविख्यात कंपनियों के साथ मिल कर प्रयासरत रहने का संकल्प व्यक्त किया है। उन्होंने इस संदर्भ में कहा है कि आगामी 3 सप्ताह में राज्य सरकार का विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग तथा गूगल साथ मिल कर लगभग 10 हज़ार लोगों को साइंस सिटी में प्रशिक्षण देंगे। पटेल मंगलवार को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर अहमदाबाद में सोला स्थित गुजरात साइंस सिटी (गुजरात विज्ञान नगरी) में आयोजित साइंस कार्निवल 2023 का शुभारंभ करा रहे थे। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि विकास के विशिष्ट विज़न तथा विश्वस्तरीय सुविधाओं का गुजरात में निर्माण करने की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दीर्घदृष्टि को हम इस साइंस सिटी के माध्यम से देख सकते हैं। मुख्यमंत्री ने इस बात का गौरव के साथ उल्लेख किया कि प्रधानमंत्री द्वारा बच्चों में बचपन से ही विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में अभिरुचि जगाने के लिए प्रारंभ कराई गई साइंस सिटी आज विश्वस्तरीय साइंस सिटी बन गई है। भूपेंद्र पटेल ने कहा कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में बच्चे तथा युवा रुचि ले सकें; इसके लिए प्रधानमंत्री ने नई शिक्षा नीति में आधुनिक एवं समयानुकूल शिक्षा को वेग दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इतना ही नहीं, प्रधानमंत्री ने इस पूरे दशक को टेक्नोलॉजी का दशक बनाया है। गुजरात की वर्तमान सरकार भी इसी परम्परा का अनुकरण करते हुए ज़िला मुख्यालयों पर साइंस सेंटर्स (विज्ञान केन्द्र) स्थापित करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गाँवों के तथा सुदूरवर्ती बच्चों को भी निकटतम् स्थान पर साइंस सिटी जैसी विज्ञान नगरी की सुविधा देकर आगामी दिवसों में नॉलेज बेस्ड सोसाइटी का निर्माण करना है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के लिए इस वर्ष के बजट में 2193 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। आज का युग साइंस-टेक्नोलॉजी, स्पेस साइंस, आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस का है। उन्होंने अपेक्षा व्यक्त की कि साइंस कार्निवल 2023 आकाश दर्शन से लेकर विभिन्न वर्कशॉप्स के माध्यम से बाल विद्यार्थियों में स्पिरिट ऑफ़ इनक्वाइरी को प्रोत्साहन देगा।

इस अवसर पर मुख्य सचिव राजकुमार ने कहा कि जिनके अनुसंधानों का उत्सव मनाने के लिए हम एकत्र हुए हैं, उन श्री सी. वी. रमन ने जब रमन थियरी की खोज की थी, तब भारत गुलाम था। वर्तमान समय जैसी सुविधाओं के अभाव में भी विज्ञान के प्रति अपने लगाव के कारण सी. वी. रमन श्रेष्ठ योगदान दे सके। कुमार ने कहा कि देश स्वतंत्रता के बाद प्रत्येक क्षेत्र में प्रगति कर रहा है। राज्य सरकार का लक्ष्य है कि गुजरात भी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अग्रसर बने। साइंस के साथ स्पोर्ट्स में भी विद्यार्थियों की रुचि जगाने के लिए मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में हर ज़िले में साइंस सेंटर्सव स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के निर्माण का इस सरकार का ध्येय है।

इस अवसर पर भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के निदेशक नीलेश देसाई ने कहा कि साइंस कार्निवल 2023 वास्तव में विज्ञान का महा उत्सव है। राज्य की आने वाली पीढ़ी में विज्ञान के प्रति रुचि जगाने तथा ज्ञान के साथ आनंद के माध्यम से विद्यार्थियों एवं साइंस प्रेमियों को उचित प्लेटफ़ॉर्म उपलब्ध कराने की दिशा में गुजरात साइंस सिटी ऐसे अनेकविद् दिलचस्प कार्यक्रम आयोजित कर रही है, जो वास्तव में प्रशंसनीय है।

गैंगरेप केस में सभी 5 आरोपियों को दोषी करार देते हुए कोर्ट ने सुनाई उम्रकैद की सजा

साबरकांठा। हिम्मतनगर के अतिरिक्त सत्र न्यायालय ने एक महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म के मामले में पकड़े सभी पांचों आरोपियों को दोषी करार देते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई है। साथ ही आरोपियों को रु. 50-50 हजार का जुर्माना भी लगाया है। कोर्ट ने पीड़ित महिला को रु. 5 लाख की सहायता देने का सरकार को आदेश दिया है। घटना 20 जुलाई 2019 की है। 20 जुलाई की रात करीब 3 बजे कार में सवार पांच शख्स खेत में बने घर में अचानक घुस गए। जहां पति और बच्चे की मौजूदगी में महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया था। सनसनीखेज इस घटना से क्षेत्र में दहशत फैल गई। पीड़ित महिला की शिकायत के आधार पर हिम्मतनगर की ए डिवीजन पुलिस ने केस दर्ज किया और आरोपियों की तलाश शुरू कर दी। सीसीटीवी फूटेज के आधार पर पुलिस पहले इसके कार के पहले मालिक वीरा लालाभाई के पास पहुंची। जहां उसे पता चला कि मालवण निवासी रमण वादी ने वीरा से कार खरीद ली थी। जिसके बाद पुलिस ने कार मालिक रमण वादी के अलावा शाहरुख उर्फ बोडो अब्दुल मुल्तानी, तौफिक सफी मुल्तानी, सिराज यूसुफ मुल्तानी और सादिक अल्लारखा मुल्तानी नामक पांचों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ दफा 376(बी), 395, 342, 506(2), और एट्रोसिटी के तहत मामला दर्ज कर कोर्ट में चार्जशीट फाइल कर दी। हिम्मतनगर के अतिरिक्त सत्र न्यायालय के न्यायधीश पीजी व्यास ने सरकार की ओर से पेश किए गए सबूत, पुलिस अधिकारी हितेश धांधलिया के बयान और सरकारी वकील हिरेन त्रिवेदी की दलीलों को ध्यान में रखते हुए सभी पांचों आरोपियों को दोषी करार दिया। कोर्ट ने दोषियों को उम्रकैद की सजा के साथ ही रु. 50-50 हजार का जुर्माना लगाया। साथ ही न्यायालय ने पीड़िता को रु. 5 लाख की सहायता करने का जिला कानूनी सेवा प्राधिकरण को आदेश दिया है। इसके अलावा जुर्माने की रकम से अतिरिक्त एक लाख रुपए पीड़िता को बतौर मुआवजा देने का भी आदेश दिया है।

विधायक बनने के बाद हार्दिक पटेल को हुआ ब्रह्मज्ञान, कोई भी कानून बनाना आसान नहीं

अहमदाबाद। पाटीदार आरक्षण के लिए सड़कों पर आंदोलन करने वाले हार्दिक पटेल को आखिरकार कानून को लेकर ब्रह्मज्ञान हुआ है। विधायक बनने के बाद हार्दिक पटेल को अहसास हुआ कि कोई भी कानून बनाना इतना आसान नहीं होता। सड़कों पर केवल हंगामा किया जा सकता है, कोई कानून नहीं बनाया जा सकता। दरअसल गुजरात की स्कूलों में गुजराती विषय पढ़ाने की अनिवार्यता से संबंधित एक विधेयक विधानसभा में पेश किया गया है। इस विधेयक पर चर्चा हो रही है और इसके विधानसभा में पास होने के राज्य की स्कूलों में गुजराती विषय पढ़ाना अनिवार्य हो जाएगा। अगर कोई स्कूल नियमों का उल्लंघन करती है तो जुर्माना से लेकर उसकी मान्यता रद्द की जा सकती है। इस विधेयक को लेकर जब भाजपा विधायक हार्दिक पटेल से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि सड़कों पर हंगामा करना आसान है। लेकिन विधानसभा में इसका कानून बनाना बहुत मुश्किल होता है। विधानसभा में कोई विधेयक पेश कर कानून बनाना कोई खेल नहीं है। सदन में विधेयक पास कराने के लिए काफी मेहनत करनी पड़ती है। हार्दिक पटेल को यह ब्रह्मज्ञान विधायक बनने और सदन में कानून बनाने की प्रक्रिया को देखने के बाद हुआ है। बता दें कि गुजरात सरकार ने राज्य की सभी स्कूलों में गुजराती विषय पढ़ाना अनिवार्य कर दिया है। इसे कानूनी जामा पहनाने के लिए मंगलवार को विधानसभा में विधेयक पेश किया है, जिस पर सदन में चर्चा चल रही है। गुजराती पढ़ाने की अनिवार्यता का कानून बनने के बाद राज्य की कक्षा 1 से 8 की सभी बोर्ड स्कूलों को इसका पालन करना होगा। यह कानून वर्ष 2023-24 के शैक्षिक वर्ष से लागू होगा। अगर कोई इस कानून की उल्लंघन करेगा तो उसके खिलाफ दंडनीय कार्यवाही की जाएगी।

स्कूलों में गुजराती भाषा की पढ़ाई अनिवार्य करने वाला विधेयक विधानसभा में पास

अहमदाबाद।

गुजरात की स्कूलों में गुजराता भाषा का विषय अनिवार्य करने वाला विधेयक मंगलवार को राज्य विधानसभा में सर्व सहमति से पास हो गया। राज्य की प्राथमिक स्कूलों में पढ़ाई करने वाले बच्चों की मातृभाषा गुजराती अनिवार्य रूप से पढ़ाई जाए यह सुनिश्चित करने के लिए 'गुजरात अनिवार्य गुजराती भाषा की शिक्षा विधेयक 2023' शिक्षा मंत्री ने विधानसभा में पेश किया था। जिसमें राज्य की सभी शैक्षिक संस्थाओं में कक्षा 1 से 8 तक गुजराती भाषा में पढ़ाई अनिवार्य करने का प्रावधान है। आज विधानसभा ने इस पर मंजूरी की मुहर लगा दी है। इसके पास होने से अब आगामी शैक्षिक सत्र 2023-24 से सभी स्कूलों में कक्षा 1 से 8 में गुजराती विषय की पढ़ाई अनिवार्य हो जाएगी। इसके प्रावधानों का उल्लंघन करने पर संबंधित स्कूलों के खिलाफ दंडनीय कार्यवाही की जाएगी। विधेयक में प्रावधान किया गया है कि पहली बार नियमों का उल्लंघन करने पर रु. 50000 का जुर्माना, दूसरी बार रु. 100000 और तीसरी बार उल्लंघन करने पर रु. 200000 का जुर्माना संबंधित स्कूल पर लगाया जाएगा। तीन दफा से अधिक बार नियम का उल्लंघन करने पर संबंधित शैक्षिक संस्था की मान्यता रद्द की जा सकती है। यह कानून राज्य के प्रत्येक बोर्ड और स्कूलों पर लागू होगा। जिसमें सीबीएससी की स्कूलें और केन्द्रीय विद्यालय भी शामिल हैं। नियमों का उल्लंघन करने पर जुर्माने के साथ ही सजा का भी प्रावधान विधेयक में किया गया है। जुर्माने की रकम सक्षम अधिकारी घटा या बढ़ा सकते हैं। इस कानून के अमलीकरण के लिए सरकार उप निदेशक की नियुक्ति करेगी। स्कूलें अगर कानून का पालन नहीं करती हैं तो सजा से पहले उसकी पेशकश सुननी होगी। गैर गुजराती विद्यार्थियों को उनके अभिभावक के अनुरोध पर मुक्ति मिल सकती है।

प्रयोगशाला में विकसित हीरों की निर्माता कंपनी - देव लैबटेक वेंचर्स लिमिटेड की एसएमई आईपीओ की योजना

DEV LABTECH VENTURE LIMITED

भावनगर स्थित देव लैबटेक वेंचर्स लिमिटेड और श्री जेरमभाई डोंडा द्वारा प्रवर्तित, एक ऐसी कंपनी है जो सेमी-कंडक्टर प्लेट्स (इलेक्ट्रिकल, मैकेनिकल, थर्मल और ऑप्टिकल), कटिंग टूल ब्लेड और लेजर मशीनों में अनुप्रयोगों की विस्तृत श्रृंखला उत्पादन इको फ्रेंडली लैब में विकसित हीरों का निर्माण करती हैं। कंपनी ने एसएमई आईपीओ के लिए योजना बनाई है और जल्द ही मार्च 2023 तक बीएसई एसएमई प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध की जाएगी। इस आईपीओ द्वारा जुटाए गए धन का उपयोग अतिरिक्त मशीनों-एमपीसीवीडी, प्लाज्मा प्रौद्योगिकी और कार्यशील पूंजी के लिए किया जाएगा। इश्यू के लीड मैनेजर बीलाइन कैपिटल एडवाइजर्स प्रा. लिमिटेड हैं।

प्रयोगशाला में विकसित हुए हीरों का उद्योग को भारत सरकार के च्मेक इन इंडियाज मिशन के तहत सरकार की ओर से बहुत सारा प्रोत्साहन मिला है और बजट मंशा अनुसंधान एवं विकास अनुदान, बीजों पर आयात शुल्क में कमी के माध्यम से पर्यावरण के अनुकूल प्रयोगशाला में विकसित हीरों के उत्पादन को प्रोत्साहन मिला है। प्रयोगशाला में उगाए गए हीरे लगभग 70/80त्न कम लागत के साथ प्राकृतिक हीरे की तरह ही शुद्धता, ताकत और उपयोगिता रखते हैं।

व्यवसाय और उद्योग की मांग में वृद्धि को ध्यान में रखते हुए, प्रबंधन ने प्रयोगशाला में तैयार किए गए हीरों का निर्माण शुरू कर दिया है, जिसमें बेहतर लाभ मार्जिन के साथ समान ताकत और उपयोगिता मिलती है। प्राकृतिक हीरों के अनुभव के साथ, प्रबंधन ने नए और अभिनव प्रयोगशाला में विकसित हीरों के लिए सूरत और भावनगर में विनिर्माण सुविधा के साथ अपनी संशोधन और विकास टीम विकसित की है। कार्बन बीज से प्रयोगशाला में विकसित हीरे बनाने के लिए माइक्रोवेव प्लाज्मा केमिकल वाष्प डिस्पोजल (एमपीसीवीडी) के रूप में जानी जाने वाली तकनीक का उपयोग किया जाता है। इसमें अति आधुनिक कम्प्यूटरीकृत पूरी तरह से स्वचालित बुनियादी ढांचे वाली मशीनों के सेट हैं। इस तकनीक का अच्छी तरह से परीक्षण किया गया है और चीन व यूरोप में बड़े पैमाने पर इसका उपयोग किया गया। एमपीसीवीडी शुद्ध और तेज हीरा जमा करने की एक प्रक्रिया है, इसलिए यह व्यावसायिक उपयोग के लिए सबसे उपयुक्त है।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने पेंशन एवं भविष्य निधि निदेशालय का किया औचक निरीक्षण

गांधीनगर।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने आज मंगलवार शाम गांधीनगर स्थित पेंशन एवं भविष्य निधि निदेशालय का औचक निरीक्षण किया। विधानसभा का बजट सत्र चल रहा है, मंगलवार को दो बैठक होने के कारण मुख्यमंत्री के निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार वे पूरा दिन विधानसभा कार्यालय में उपस्थित रहने वाले थे। लेकिन मुख्यमंत्री ने अपने पूर्व निर्धारित कार्यक्रम में अचानक बदलाव करते हुए बिना किसी को जानकारी दिए शाम को पुराना सचिवालय में ब्लॉक संख्या-18 में पेंशन एवं भविष्य निधि निदेशालय का औचक निरीक्षण करने पहुंच गए। उन्होंने कार्यालय के अधिकारी/कर्मचारियों से सीधे बातचीत कर कार्य सम्बंधित विवरण प्राप्त किया। मुख्यमंत्री ने अपने कार्य के सिलसिले में कार्यालय आए वरिष्ठ पेंशनरों और अन्य आवेदकों से भी बातचीत की। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के इस अप्रत्याशित निरीक्षण से पेंशन एवं भविष्य निधि निदेशालय के कर्मचारी आश्चर्यचकित हो गए और मुख्यमंत्री के जन संवेदनशील अभिगम से प्रभावित हुए। मुख्यमंत्री के इस औचक निरीक्षण की जानकारी मिलते ही मुख्य सचिव राज कुमार, वित्त विभाग के मुख्य सचिव गुप्ता, प्रधान सचिव श्रीमती मोना खंधार भी पेंशन भविष्य निधि निदेशालय पहुँचे और निरीक्षण में शामिल हुए।

वर्टेक्सप्लस टेक्नोलॉजीस का आईपीओ 2 मार्च 2023 को खुलेगा

वर्टेक्सप्लस टेक्नोलॉजीस लिमिटेड, जयपुर स्थित सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी है जो कंसल्टिंग, आउटसोर्सिंग, बुनियादी ढांचे और डिजिटल समाधान और सेवाओं में कार्यरत है, वह रू91-96 प्रति शेयर के मूल्य बैंड और रू10 प्रति शेयर की फेस वेल्यू पर 14,79,600 शेयरों के लिए अपने आईपीओ लेकर आ रही है। 14,79,600 शेयरों में से, 7,02,000 शेयर क्यूआईबी कोटा (एंकर आरक्षण सहित) के लिए आरक्षित है, 2,11,200 शेयर एचएनआई कोटा के लिए आरक्षित है और 4,92,000 शेयर खुदरा कोटे के लिए आरक्षित है, जबकि मार्केट मेकर कोटा के तहत 74,400 शेयर आरक्षित है। शेयर 1,200 शेयरों के लॉट साइज में बेचे जाएंगे। एंकरों के लिए इश्यू 1 मार्च 2023 को खुलेगा और अन्यथा 2 मार्च 2023 को खुलेगा। इश्यू 6 मार्च 2023 को बंद होगा और बाद में एनएसई इमर्ज प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध किया जाएगा। इश्यू के लीड मैनेजर बीलाइन कैपिटल एडवाइजर्स प्रा. लिमिटेड हैं।

इश्यू से जुटाई गई आय का अनुमानित उपयोग इस प्रकार से किया जाएगा:

- कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं के लिए 70%
- सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए 20%
- इश्यू खर्च के लिए 10%

वर्टेक्सप्लस टेक्नोलॉजीस लिमिटेड एक ISO 9001:2015 और ISO/IEC 27001:2013 प्रमाणित सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी है जो कंसल्टिंग, आउटसोर्सिंग, बुनियादी ढांचे और डिजिटल समाधानों और सेवाएँ प्रदान करती है। यह अन्य कंपनियों के साथ उनकी निरंतर विकसित होने वाली सूचना प्रौद्योगिकी की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सहयोग करती है और उनकी वर्तमान क्षमताओं को सक्षम करने और निरंतर विकास के लिए अपने सक्षम समाधानों के साथ उनके व्यवसाय को समर्थन देती है। कंपनी के पास विभिन्न उद्योग क्षेत्रों का अनुभव है। कंपनी सेवाओं की चार विभिन्न श्रेणियों प्रदान करती है - प्रौद्योगिकी, कंसल्टिंग, इंफ्रास्ट्रक्चर (बुनियादी ढाँचा) और आउटसोर्सिंग। श्री संदीप कुमार पहाड़िया, जो वेरटेक्सप्लस टेक्नोलॉजीस लिमिटेड के अध्यक्ष और मेनेजिंग डाइरेक्टर हैं, कंपनी के प्रमोटर हैं और आईटी उद्योग में 24 से अधिक वर्षों का अनुभव रखते हैं।

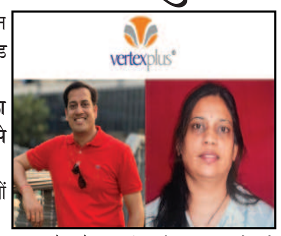

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने आकर्षक वित्तीय योजना की पेशकश के लिए इंडियन बैंक के साथ साझेदारी की

बैंगलोर। ग्राहक अनुभव को बेहतर करने और आसान स्वामित्व प्रक्रिया को सक्षम करने के प्रयास में, टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने भारत के अग्रणी राष्ट्रीयकृत बैंकों में से एक, इंडियन बैंक के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करने की घोषणा की है ताकि सभी के लिए आकर्षक वाहन वित्तपोषण विकल्प की पेशकश की जा सके। नया गठजोड़ अभिनव समाधान पेश करेगा जो ग्राहकों की उभरती अपेक्षाओं से मेल खाता है, 90त्न तक ऑन-रोड फंडिंग के साथ, बिना किसी प्रोसेसिंग शुल्क, फोरक्लोजर और पार्ट-पेमेंट शुल्क के । इस करार से अब ग्राहकों को, विशेष रूप से ग्रामीण और अर्ध-शहरी बाजारों में, अपने पसंदीदा टोयोटा वाहन को आसानी से खरीदने के लिए आसान फंडिंग विकल्पों तक पहुंचना संभव होगा। यह साझेदारी ऐसे समय में हुई है जब टीकेएम अपने उत्पाद पोर्टफोलियो का विस्तार इनोवा हाइक्रॉस, अर्बन क्रूजर हाईराइडर, न्यू इनोवा क्रिस्टा और हाईलक्स जैसे मॉडलों के साथ-साथ फॉर्च्यूनर और लीजेंडर, टोयोटा ग्लैंजा, कैमरी हाइब्रिड और वेलफायर जैसे मौजूदा मॉडलों के साथ कर रहा है। इस प्रकार देश भर में ग्राहकों की आवश्यकताओं को पूरा करता है।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के वाइस प्रेसिडेंट, सेल्स एंड स्ट्रेटेजिक मार्केटिंग, श्री अतुल सूद ने टाई-अप पर विस्तार से बताते हुए कहा, च्हम अपने सभी ग्राहकों को एक शानदार टोयोटा अनुभव प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप इंडियन बैंक के साथ हाथ मिलाकर खुश हैं। यह सहयोग एक सुखद खरीद प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए सरल वित्तपोषण विकल्प, परेशानी मुक्त अनुभव और समय पर सहायता प्रदान करना चाहता है। टीकेएम में, हमारा दृष्टिकोण हमेशा बाजार की जरूरतों को सुनने तथा उत्पादों और सेवाओं को उचित रूप से पेश करने का रहा है जो हमारे ग्राहकों को असाधारण स्वामित्व अनुभव प्रदान करते हैं। हमारा मानना है कि इस साझेदारी के साथ हम उन सभी ग्राहकों तक अपनी पहुंच बढ़ाने में सक्षम होंगे, जो टोयोटा वाहन के मालिक होने के इच्छुक हैं। इसके साथ उन्हें वित्तीय मूल्य वर्धित सेवाओं का समर्थन भी मिलेगा।

इस अवसर पर इंडियन बैंक के रिटेल एसेट्स के कार्यकारी निदेशक श्री इमरान अमीन सिद्दीकी ने कहा, च्टोयोटा किर्लोस्कर मोटर प्राइवेट लिमिटेड के साथ सहयोग से हमें देश भर में बड़ी संख्या में अपने ग्राहकों को तेजी से वित्तपोषण प्रदान करने में मदद मिलेगी। इंडियन बैंक की देश भर में मजबूत उपस्थिति है। हमें विश्वास है कि हमारी डिजिटल ऋण प्रक्रिया, उन ग्राहकों को ऋण प्रदान करेगी जो अपने और परिवार के लिए आराम और आराम का सर्वोत्तम स्तर प्राप्त करने के लिए एक नया टोयोटा वाहन खरीदना चाहते हैं। हम ऑटो फाइनेंस प्रक्रिया को आसान बनाने और उत्पाद व सेवाओं दोनों के मामले में एक बेहतर उपभोक्ता अनुभव प्रदान करने के लिए समर्पित हैं।

टीकेएम हमेशा खरीदारी और स्वामित्व प्रक्रिया के दौरान ग्राहकों के अनुभव को बेहतर बनाने का प्रयास करता है, जैसे आसान वित्तपोषण विकल्प समय पर और प्रासंगिक योजनाओं को लागू करना। कंपनी ने हमेशा देश भर के प्रमुख वित्तीय संस्थानों के साथ नए गठजोड़ की संभावना तलाशी है। ऑफर पुरानी कारों के साथ-साथ सर्विस पैकेज को कवर करने के लिए सिर्फ नए वाहनों की खरीद से परे जाते हैं और इस प्रकार टोयोटा कारों की समग्र सकारात्मक खरीद और स्वामित्व अनुभव बनाते हैं।

करीना जीएसके की पहल 'फैसला सही, जिंदगी सही' माता-पिता को अपने बच्चों को समय पर टीका लगाने के लिए प्रोत्साहित करेगी

ग्लै क सो स्मि थ ला इ न फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड ने आज घोषणा की कि प्रसिद्ध अभिनेत्री और दो बच्चों की मां करीना कपूर इसके अत्याधुनिक डिजिटल अभियान, "फैसला सही, जिंदगी सही" का चेहरा होंगी। इस अभियान के माध्यम से, GSK माता-पिता को सलाह देता है कि वे अपने बच्चों के लिए बाल रोग विशेषज्ञों द्वारा सुझाए गए टीकाकरण का पालन करें, चाहे वे शिशु हों या 1 वर्ष या उससे अधिक। डिजिटल फिल्म में करीना उस 'पल' के बारे में बात करती हैं जो 'वैक्सीनेशन मिसेज' से पैदा हो सकता है।

अभियान के बारे में बात करते हुए, करीना कपूर खान कहती हैं, "बचपन के टीकाकरण के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए GSK जैसी विश्वसनीय कंपनी के साथ काम करना मुझे बहुत खुशी देता है। एक मां के तौर पर मैं हमेशा चाहती हूं कि मेरे बच्चे स्वस्थ और खुश रहें। आज के दिन और उम्र में अपने बच्चों को स्वस्थ रखना सबसे महत्वपूर्ण है क्योंकि वे सार्वजनिक स्थानों पर कई प्रकार के कीटाणुओं के संपर्क में आते हैं। जब मैं उन्हें बाल रोग विशेषज्ञों की सिफारिश के अनुसार समय पर टीका लगवाता हूं, तो वे कई बीमारियों से सुरक्षित रहेंगे।"

बचपन में इन्फ्लुएंजा, मेनिनजाइटिस, चिकनपॉक्स और हेपेटाइटिस ए संक्रमण बच्चों के लिए खतरनाक हो सकता है और कई मामलों में, यहां तक कि अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता होती है और उनके महत्वपूर्ण विकास पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। टीकाकरण इन हानिकारक संक्रमणों से बचाता है और उन्हें स्वस्थ जीवन जीने की अनुमति देता है। इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स (आईएपी) द्वारा निर्धारित टीकाकरण कार्यक्रम का पालन बच्चे को 18 वर्ष की आयु तक करना होता है। माता-पिता अक्सर पहले वर्ष के लिए नियमित रूप से टीकाकरण का पालन करते हैं, लेकिन फिर उन्हें पीछे धकेल दिया जाता है और बच्चे कुछ टीकों से भी चूक जाते हैं। "फैसला सही, जिंदगी सही" अभियान माता-पिता को अपने बच्चों के लिए टीकाकरण कार्ड और जीवन के पहले वर्ष के बाद अपने बाल रोग विशेषज्ञों के साथ चर्चा में शामिल करता है।

डॉ. ग्लैक्सोस्मिथलाइन फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड में मेडिकल अफेयर्स की कार्यकारी उपाध्यक्ष रश्मी हेगड़े कहती हैं, "पिछले वर्षों में देश में कुछ ऐसी बीमारियों का लगातार प्रकोप हुआ है, जिनसे टीके से बचाव किया जा सकता है। उदाहरण के लिए, देश में मई से नवंबर 2022 तक 11,000 से अधिक खसरे की महामारी के मामले देखे गए। अगस्त 2022 में, महाराष्ट्र में स्वाइन फ्लू की महामारी देखी गई और अक्टूबर 2022 में, कोटा में हेपेटाइटिस ए का प्रकोप हुआ। यह चिंता का विषय है और संभव है कि हम भविष्य में एक और संक्रामक रोग का प्रकोप देखें। बचाव के उद्देश्य से बच्चों को समय पर टीका लगवाना आवश्यक है। इसलिए यह अभियान टीकाकरण के माध्यम से संचारी रोगों से बचाव के लिए माता-पिता के बीच जागरूकता फैलाने के लिए शुरू किया गया है, ताकि वे अपने बाल रोग विशेषज्ञ से चर्चा करने के बाद अपने बच्चों को टीका लगवाएं और नियमित रूप से अपने टीकाकरण कार्यक्रम का पालन करें।"

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)